हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

10 फरवरी, 2004

(प्रथम बैठक)

खण्ड-1, अंक-2

अधिकृत विवरण

विषय सूची

मंगलवार, 10 फरवरी, 2004

	पृष्ठ संख्या
तारांकित प्रश्न एवं उत्तर	(2)1
वाक आउट	(2)18
तारांकित प्रश्न एवं उत्तर (पुनरारम्भ)	(2)18
नियम 45(1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर	(2)22
अतारांकित प्रश्न एवं उत्तर	(2)23
गैर सरकारी संकल्प/स्थगन प्रस्ताव/ध्यानाकर्षण प्रस्तावों की सूचनाएं	(2)24
हिन्दू कन्या महाविद्यालय, जगाधरी की छात्राओं का अभिनन्दन करना	(2)25
गैर सरकारी संकल्प/स्थगन प्रस्ताव/ध्यानाकर्षण प्रस्तावों की सूचनाएं (पुनरारम्भ)	(2)25
नियम 121 के अधीन प्रस्ताव	(2)33

मूल्य : 50

	पृष्ठ संख्या
वाक आउट	(2)34
राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा	(2)35
नियम 22 के अधीन प्रस्ताव	(2)44
वर्ष 2003-2004 के लिए अनुपूरक अनुमान (दूसरी किस्त) प्रस्तुत करना	(2)45
प्राक्कलन समिति की रिपोर्ट प्रस्तुत करना	(2)45
वर्ष 2003-2004 के अनुपूरक अनुमानों (दूसरी किस्त) की मांगों पर चर्चा तथा मतदान	(2)45
राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(2)50

हरियाणा विधान सभा

मंगलवार, 10 फरवरी, 2004

(प्रथम बैठक)

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर-1, चण्डीगढ़ में 9.30 बजे हुई। अध्यक्ष (श्री सतबीर सिंह कादियान) ने अध्यक्षता की ।

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर

श्री अध्यक्ष : आन्सरेबल मैम्बर्ज, अब सवाल होंगे।

Posts Lying Vacant in Police Force

***1654. Shri Padam Singh Dahiya :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) the steps taken by the State Government for the welfare of police personnel during the last four years ;

(b) the number of posts were lying vacant in each rank in police force as on 1st January, 2004 ; and

(c) the steps being taken by the State Government to fill up the above said posts ?

मुख्य संसदीय सचिव (श्री राम पाल माजरा) : हां श्री मान जी, मांगे गये उत्तर का विवरण सदन के पटल पर रखा है।

विवरण

(क) पिछले 4 सालों में राज्य सरकार ने पुलिस कर्मचारियों के कल्याण हेतु बहुत से कदम उठाये हैं जिनका विवरण निम्न प्रकार है :—

(1) राज्य सरकार द्वारा 6 मृतक पुलिस कर्मचारी जोकि असामाजिक तत्वों से मुकाबला करते समय शहीद हो गये थे, उनके परिवार को 5 लाख रुपये विशेष अनुकम्पा राशि की दर से दी गई है तथा मुकाबला के दौरान गंभीर रूप से घायल प्रत्येक कर्मचारी को 3 लाख रुपये की राशि प्रदान की गई है।

(2) पिछले 4 वर्षों के दौरान 40,86,500/- रुपये की राशि हरियाणा पुलिस कल्याण फण्ड से पुलिस अधिकारियों/कर्मचारियों के उत्कृष्ट बच्चों को छात्रवृति के रूप में दी गई है।

(3) हरियाणा सरकार द्वारा भविष्य निधि फण्ड से एन०आर०ए० को मन्जूर करने की शक्तियां पुलिस महानिदेशक को प्रदान कर दी गई हैं जो कि अब यह शक्तियां

[श्री राम पाल माजरा]

पुलिस कार्यालयध्यक्षों को प्रदान की जा चुकी हैं। इससे भविष्य निधि खाते से जी०पी० फण्ड से एड्वांस प्राप्ति में कम समय लगेगा।

(4) जनता पर्सनल एक्सीडैंट स्कीम के अन्तर्गत पिछले 4 सालों के दौरान 51 पुलिस कर्मचारियों के परिवारों को एक लाख रुपया प्रति परिवार की दर से राशि दी गई है।

(5) माह जुलाई, 1999 से अब तक 556 मृतक कर्मचारियों के आश्रितों को अनुकम्पा नीति के अन्तर्गत नौकरी दी जा चुकी है।

(6) दिनांक 7-1-2000 से सभी सिपाहियों तथा मुख्य सिपाहियों, जोकि रिजर्व में तैनात होते हैं, मकान किराया भत्ता दिया गया है।

(7) दिनांक 7-1-2000 से सभी सिपाहियों/मुख्य सिपाहियों तथा अराजपत्रित अधिकारियों का वाहन भत्ता तीन गुणा कर दिया गया है तथा हरियाणा सशस्त्र पुलिस के जवानों की राशन मनी दो गुणा कर दी गई है तथा वर्दी रख-रखाव भत्ता बढ़ाकर दो गुणा कर दिया गया है।

(8) दिनांक 6-4-2000 से हरियाणा सशस्त्र पुलिस जवानों के सभी जवानों को मिलने वाली राशन मनी की राशि दो गुणा कर दी गई है।

(9) दिनांक 6-4-2000 से अराजपत्रित अधिकारियों का वर्दी रख-रखाव भत्ता बढ़ाकर दो गुणा कर दिया गया है।

(10) सभी उप पुलिस अधीक्षकों को मिलने वाला प्रारम्भिक वर्दी भत्ता तथा रिन्यूवल वर्दी भत्ते की राशि बढ़ाकर क्रमश: 5,000/- तथा 2,000/- रुपये कर दी गई है।

(11) पुलिस कर्मचारियों की भलाई के लिए मधुबन को खेल जिला घोषित किया जा चुका है।

(12) फरवरी, 2001 से हरियाणा पुलिस के सभी सिपाहियों को विशेष भत्ता 50/- रुपये प्रति माह की दर से प्रदान किया गया है।

(13) राज्य सरकार ने दिनांक 2-4-2003 को राष्ट्रपति पदक प्राप्त करने वाले अराजपत्रित पुलिस अधिकारियों/कर्मचारियों को 58 वर्ष की आयु के उपरान्त उनकी सेवा अवधि में 2 वर्ष की बढ़ौतरी करने बारे निर्णय लिया है।

(14) वर्ष 2003 में राज्य सरकार ने पुलिस विभाग के क्लैरीकल व चतुर्थ श्रेणी के कर्मधारियों को हरियाणा राज्य परिवहन की बसों में रियायती यात्रा सुविधा प्रदान की गई।

(15) राज्य सरकार की अनुकम्पा नीति के अन्तर्गत मृतक कर्मचारियों के 105 परिवारों को ढाई लाख रुपये प्रति परिवार सहायता प्रदान की गई।

(16) राज्य सरकार ने वर्ष 2003 में निर्णय लिया है कि जिन सिपाहियों का सेवाकाल 16 वर्ष हो चुका है उन्हें EXEMPTEE मुख्य सिपाही पद पर पदौन्नति दी जायेगी, सभी EXEMPTEE मुख्य सिपाही जिनका सेवाकाल 30 वर्ष हो चुका है उनको EXEMPTEE सहायक उप निरीक्षक के पद पर पदौन्नति दी जायेगी तथा 35 वर्ष का सेवाकाल पूर्ण करने वाले सभी EXEMPTEE सहायक उप निरीक्षकों को EXEMPTEE उप निरीक्षक के पद पर पदौन्नत कर दिया जायेगा।

(ख) 1 जनवरी, 2004 से पुलिस बल में निम्नलिखित पदों की रिक्तियां थीं :—

(1)	भारतीय पुलिस सेवा पद	13
(2)	उप पुलिस अधीक्षक	21
(3)	निरीक्षक	16
(4)	उप निरीक्षक	108
(5)	सहायक उप निरीक्षक	370
(6)	मुख्य सिपाही	1508
(7)	सिपाही	2286

(ग) रिक्त पदों को भरने के लिए कार्यवाही नियमों में निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार चल रही है।

श्री पदम सिंह दहिया : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि पुलिस कर्मियों के कल्याण के लिए सरकार ने क्या-क्या पग उठाए हैं ?

श्री राम पाल माजरा : अध्यक्ष महोदय, वैसे तो इन्फर्मेशन टेबल पर रख दी गई है पर फिर भी मैं माननीय सदस्य की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि जब से यह सरकार बनी है तब से पुलिस कर्मियों के कल्याण के लिए अनेकों स्कीमें चलाई हैं। छह मृतक पुलिस कर्मियों को जो असामाजिक तत्वों का मुकाबला करते समय शहीद हो गए थे, उन्हें 5-5 लाख रुपये की विशेष अनुकम्पा राशि दी गई है और तीन-तीन लाख रुपये घायल सिपाहियों को दिये गये हैं। इसी प्रकार से हरियाणा पुलिस कल्याण फंड की स्थापना की गई जिसमें चार वर्षों के दौरान 40 करोड़ 86 हजार 500 रुपये की राशि उत्कृष्ट कर्मचारियों के व अधिकारियों के बच्चों को छात्रवृति के रूप में बांटी गई। इसी तरह से पहले कर्मचारियों को लोन लेने में दिक्कतें आती थीं क्योंकि पहले इस तरह का केस महकमे को जाता था, सरकार को जाता था अब इस सरकार ने डी०जी०पी० को अथोराइज कर दिया और डी०जी०पी० ने एस०पीज० को अथोराइज कर दिया। अब कर्मचारी इन्हीं से जी०पी०एफ० से ऐडवांस ले सकते हैं, लोन ले सकते हैं। जनता पर्सनल ऐक्सीडैंट स्कीम दो साल से शुरु की गई है जिसके तहत 51 पुलिस कर्मचारियों को 1-1 लाख रुपये दिये गये हैं और इसी प्रकार से ऐक्स ग्रेशिया के तहत 556 पुलिस कर्मचारियों के बच्चों को नौकरी दी गई। जो पुलिस कर्मी पहले रिजर्व में रहते थे उन्हें मकान किराया भत्ता नहीं दिया जाता था वह 7-1-2000 से देना शुरु किया गया है और इसी तिथि से सिपाही, मुख्य सिपाही, एस०जी०ओ० का वाहन भत्ता बढ़ाकर दुगुना कर दिया गया है। 6-4-2000 से हरियाणा सशस्त्र पुलिस जवानों की राशन मनी बढ़ाकर दो गुनी कर दी है और वर्दी के रख-रखाव का भत्ता भी बढ़ाकर दो गुना कर दिया गया है।

[श्री राम पाल माजरा]

6-4-2000 से हरियाणा सशस्त्र पुलिस बल के अराजपत्रित कर्मचारियों की वर्दी के रखरखाव का भत्ता 40 रुपये प्रतिमाह से बढ़ाकर 80/- रुपये प्रति माह कर दिया गया है। इसी प्रकार से सभी उप पुलिस अधीक्षकों का जो प्रारंभिक वर्दी भत्ता 1,200/- रुपये प्रति माह था उसे बढ़ाकर 5 हजार रुपये कर दिया। रिन्युअल वर्दी भत्ता एक हजार रुपये से बढ़ाकर दो हजार रुपये कर दिया। इसी प्रकार से पुलिस भलाई के लिए मधुबन को स्पोर्ट्स डिस्ट्रिक्ट डिक्लेयर कर दिया जो अपने आप में एक उपलब्धि है। सभी सिपाहियों को विशेष भत्ता 50/- रुपये प्रति मास की दर से दिया गया है और जो राष्ट्रपति पदक विजेता और दूसरे पदक विजेता पुलिस कर्मचारी और अधिकारी हैं उनकी सेवाकाल की आयु 58 वर्ष से आगे दो साल और बढ़ा दी गई है। स्पीकर सर, 105 पुलिस परिवारों को अढ़ाई-अढ़ाई लाख रुपये एक्स ग्रेशिया स्कीम के तहत और दिए गये हैं। स्पीकर सर, इससे आगे बढ़कर पुलिस कर्मचारियों के कल्याण के लिए जिन कर्मचारियों की सेवा के 16 वर्ष पूरे हो गये हैं उनको एक्जम्टि मुख्य सिपाही पद पर पदोन्नति दी गई है और ऐसे मुख्य सिपाही जिनका सेवा काल 30 वर्ष को हो गया है उनको सहायक उप निरीक्षक के पद पर पदौन्नत कर दिया गया है और जिन पुलिस कर्मचारियों की सेवा 35 वर्ष की हो गई है उनको एक्जम्टि उप निरीक्षक के पद पर पदौन्नत कर दिया गया है।

चौ० नफे सिंह राठी : स्पीकर सर, मैं सरकार से यह जानना चाहता हूं कि वर्ष 1991 से लेकर 1996 तक चौधरी भजन लाल के शासनकाल में कितने सिपाहियों की भर्ती हुई और 1996 से लेकर 1999 तक चौधरी बंसी लाल के शासनकाल में कितने सिपाहियों की भर्ती की गई और वर्तमान सरकार के शासनकाल में कितने सिपाहियों की भर्ती हुई ? मंत्री जी बताने की कृपा करें।

श्री राम पाल माजरा : स्पीकर सर, वर्तमान सरकार ने अब तक 8,199 सिपाहियों की भर्ती की है। चौधरी भजन लाल के शासनकाल में 5,894 सिपाहियों की भर्ती की गई और चौधरी बंसी लाल के शासनकाल में 1,641 सिपाहियों की भर्ती की गई।

श्री अध्यक्ष : जो सिपाही चौधरी भजन लाल के समय में भर्ती हुये थे और सुप्रीम कोर्ट ने जिन्हें निकाल दिया, क्या वे माईनस कर दिये गये हैं ?

श्री राम पाल माजरा : स्पीकर सर, वर्तमान सरकार के समय जो सिपाही भर्ती किया जाता है उसकी हाईट 5 फुट 9 इंच होती है और इनके राज्य में जिनकी छाती सिकुड़ी हुई थी और कद जिनका पूरा नहीं था उनको भर्ती किया गया जिसके कारण उनको सुप्रीम कोर्ट ने नल एण्ड वाईड करार देते हुए निकाल दिया क्योंकि वे सारे के सारे सिपाही पैसे लेकर भर्ती किये गये थे और पैसे लेकर उनका कद बढ़ाया गया था।

श्री राजेन्द्र सिंह बिसला : अध्यक्ष महोदय, हमारे साथी माननीय श्री पदम सिंह दहिया ने बहुत महत्वपूर्ण प्रश्न इस सदन में रखा है।

श्री अध्यक्ष : जो सदस्य बैठे-बैठे बोलें उनकी कोई बात रिकार्ड न की जाए।

श्री राजेन्द्र सिंह बिसला : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से यह जानकारी प्राप्त करना चाहूंगा चूंकि यह बहुत महत्वपूर्ण प्रश्न है। सिविल एडमिनिस्ट्रेशन का जो आधार है वह पुलिस होती है। हमारे फरीदाबाद शहर में मौंटेरी होस्पिटल वालों ने फोर्स का सर्वे किया है कि क्या

उनका मैडिकल चैक अप किया जाता है ? क्योंकि हमारे जो जवान और अधिकारी हैं उनमें 80 प्रतिशत काफी स्ट्रैस और मैडिकैली बल्ड प्रैशर के शिकार होते हैं। मैं आपके माध्यम से यह निवेदन करूंगा कि जो सवाल में पूछा गया है कि "The steps taken by the State Government for the welfare of police personnel during the last four years" पुलिस पर्सनल को 24 घंटे में से 20 घंटे ड्यूटी देनी पड़ती है तो क्या सरकार ने ऐसी कोई पोलिसी बनाई है ताकि उनके स्वास्थ्य पर कोई एडवर्स ईफैक्ट न पड़े ? अगर उनके स्वास्थ्य पर कोई एडवर्स ईफैक्ट पड़ेगा तो वे अपनी ड्यूटी ठीक तरह से नहीं कर पाएंगे। क्या ऐसी कोई पोलिसी सरकार के विचाराधीन है ? क्योंकि सारे हिन्दुस्तान में हमारी पुलिस सबसे बढ़िया पुलिस है इसलिए मैं चाहूंगा कि पुलिस फोर्स का और सुधार हो।

श्री रामपाल माजरा : स्पीकर सर, वैसे तो हमारी पुलिस की सारे देश में एक अलग पहचान है। ठीक है, बिसला जी ने यह जानना चाहा है कि मैडिकल तौर पर हम पुलिस को क्या-क्या फैसिलिटी दे रहे हैं। हां, मैडिकल तौर पर उनको समय-समय पर योगा और आसन सिखाये जाते हैं, चैक अप किया जाता है और हर प्रकार की मैडिकल फैसिलिटी दी जाती है।

वित्त मंत्री (प्रो० सम्पत सिंह) : स्पीकर सर, इस बारे में मैं अपने माननीय साथी बिसला जी और सदन की जानकारी के लिए थोड़ा और बताना चाहूंगा। जैसा कि माजरा साहब ने ठीक फरमाया कि पुलिस कर्मचारियों को मैडीटेशन, योगा बैगरह और हैल्थ सर्विसिज की सुविधाएं दी जाती हैं। पुलिस वालों के ऊपर जो स्ट्रैस और स्ट्रैन रहता है वह आज से नहीं है वह बहुत पहले से ही पुलिस वालों पर है। पहले पुलिस वालों को कभी वातावरण ही ऐसा नहीं मिला कि वे इस प्रेशर से बाहर आ सकें। आम जनता उनको दूसरे नजरिये से देखती है, फ्रैंडली नजरिये से लोग उन्हें नहीं देख रहे। यही कारण है कि पुलिस को पहले इग्नोर किया गया। पहले पुलिस वालों की हाउसिंग प्रोब्लम की तरफ, लिविंग कंडीशन की तरफ, कान्नीकेशन की तरफ, कन्वीनियन्स की तरफ और हैल्थ कंडीशंज की तरफ कोई ध्यान नहीं दिया गया। उनकी संख्या कितनी होनी चाहिए इस तरफ भी कोई ध्यान नहीं दिया गया। मेरे कहने का मतलब यह है कि उनको हर तरह से इग्नोर किया गया। यही मेन कारण हैं जिसके कारण वे टैंशन में रहते थे। इसके अतिरिक्त उनको यह भी टैंशन रहती थी कि यदि किसी क्रिमिनल या डाकू को पकड़ते समय उनकी मृत्यु हो गई तो उनके परिवार का क्या होगा ? लेकिन अब उनको इस तरह की टैंशन नहीं है हमारी सरकार की तरफ से उनकी समस्याओं की तरफ विशेष ध्यान दिया जा रहा है और जनता के साथ उनको जोड़ा जा रहा है। जनता को भी समझ आ रही है कि पुलिस वाले उनकी रक्षा के लिए हैं। आज हमारे पुलिस फोर्स के अधिकारी एस०पी०, डी०एस०पी० और एस०एच०ओ० जनता के बीच में जाते हैं और उनकी समस्याओं को सुनकर उनका समाधान करते हैं। जैसा कि माजरा साहब ने बताया कि हमारी सरकार ने वर्दी भत्ता बढ़ाया है, कन्वीनियन्स एलाउंस दिया जा रहा है और यदि वे कहीं बाहर ड्यूटी पर जाते हैं तो उन्हें अतिरिक्त अलाउंस भी दिया जाता है जो कि पहले नहीं दिया जाता था। इसके अतिरिक्त यदि कोई जवान किसी टैरोरिस्ट एक्टीविटी में मारा जाता है तो उसके परिवार वालों को तीन लाख, चार लाख या पांच लाख रुपये हमारी सरकार की तरफ से दिए जाते हैं। स्पीकर सर, हरियाणा में आधुनिक पुलिस लाईन मधुबन में बन रही है जो कि हिन्दुस्तान में एक मिसाल है। वर्ल्ड में जिला स्तर पर इतनी बड़ी पुलिस लाईन कहीं नहीं मिलेगी जहां पर 700 क्वार्टर बने हों, अच्छे स्कूल और अच्छे होस्पीटल बने हों। स्पीकर सर, जितने व्हीकल पुलिस के लिए हमारी सरकार के

[प्रो० सम्पत सिंह]

समय में खरीदे गये हैं उतने व्हीकल पिछले 15 साल में नहीं खरीदे गये। पुलिस की मोर्डनाईजेशन के लिए जितना पैसा हमारे समय में खर्च किया गया है उतना पैसा हरियाणा बनने के बाद खर्च नहीं किया गया है। इस तरह से बहुत सी सुविधाएं पुलिस को अब दी जा रही हैं। स्पीकर सर, मैं अपने माननीय साथी बिसला जी को बताना चाहूंगा कि हमारी सरकार पुलिस जवानों की तरफ विशेष ध्यान दे रही है। पहले से जो कमियां थीं उनको दूर कर रही है। अब काफी सुधार हो रहा है इसमें थोड़ा समय और लगेगा। पुलिस वाले अच्छी लिविंग कंडीशन में रहेंगे और अपनी ड्यूटी को अच्छी तरह से करेंगे।

श्री रामबीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माजरा जी से जानना चाहता हूं कि हरियाणा प्रदेश की भौगोलिक स्थिति इस तरह से है कि एक तरफ तो हरियाणा यू०पी० से लगता है और तीन तरफ दिल्ली से लगता है जहां पर बहुत क्राईम हैं। हमारे यहां पुलिस के जो पद रिक्त हैं उनको सरकार कब तक भरेगी ?

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) : अध्यक्ष महोदय, यह तो एक प्रोसैस है उसके लिए बकायदा एक सिस्टम बना हुआ है उस सिस्टम के तहत भर्ती होती है। उसमें सरकार का दखल नहीं होता।

श्री भगवान सहाय रावत : आदरणीय अध्यक्ष महोदय, पदम सिंह दहिया जी ने जो प्रश्न पूछा है उसके भाग 'ख' के उत्तर में सरकार ने पदों का विवरण दे रखा है। मैं आपके माध्यम से माननीय माजरा साहब से पूछना चाहूंगा कि इण्डियन रिजर्व बटालियन में कितने पद भरे गये हैं तथा आगे कितने पद सरकार और भरने जा रही है या भरने बारे सरकार क्या प्रयास कर रही है ?

श्री रामपाल माजरा : स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से माननीय साथी को बताना चाहूंगा कि प्रथम इण्डियन बटालियन में 605 सिपाहियों की भर्ती की जा चुकी है और भारत सरकार से द्वितीय इण्डियन बटालियन की स्वीकृति मिल गई है जिसमें 740 सिपाहियों की भर्ती की जायेगी।

श्री उदयभान : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से चीफ पार्लियामैंट सक्रेटरी महोदय से यह जानना चाहूंगा कि क्लास-III कर्मचारियों को हर विभाग में रिजर्वेशन प्रमोशनल केसिज में दी जा रही है। पुलिस के अंदर सिपाही, हैड कांस्टेबल और ए०एस०आई० क्लास-III में ही आते हैं। इनकी प्रमोशन के लिए बी-I टैस्ट होता है उसको पास करने के बाद इनकी प्रमोशन होती है। क्या पुलिस में भी एस०सीज०, बी०सीज० के क्लास-III कर्मचारियों को प्रमोशन में रिजर्वेशन देने का प्रावधान किया जायेगा ?

श्री रामपाल माजरा : स्पीकर साहब, जहां तक रिजर्वेशन का मामला है, वह पहले से ही है। मैं अपने साथी को बताना चाहूंगा कि डायरैक्ट रिक्रुटमैंट में और बाई परमोशन के दौरान रिजर्वेशन कोटे का पूरा ध्यान रखा जाता है। इन्सपैक्टर के पदों में 90 प्रतिशत पद बाई परमोशन से भरे जाते हैं और 10 प्रतिशत डायरेक्ट रिक्रुटमैंट के तहत भरे जाते हैं। इसी प्रकार से एस०आई० के 50 प्रतिशत पद बाई परमोशन से भरे जाते हैं और 50 प्रतिशत डायरैक्ट रिक्रुटमैंट के तहत भरे जाते हैं। इसी प्रकार से ए०एस०आई० के 100 प्रतिशत पद बाई परमोशन से भरे जाते हैं। हैड कान्स्टेबल के भी पद 100 प्रतिशत बाई परमोशन भरे जाते हैं। कान्स्टेबल 100 प्रतिशत डायरेक्ट रिक्रुटमैंट के तहत भरे जाते हैं। इन सभी पदों की भर्ती के समय रिजर्वेशन कोटे का पूरा ध्यान रखा जाता है।

श्री लीला राम : मैं आपके माध्यम से आदरणीय सी०पी०एस० जी से जानना चाहता हूं कि हरियाणा प्रदेश में 1991 से 1996, 1996 से 1999 तथा 1999 से 2004 तक पुलिस के आधुनिकीकरण पर कितना खर्च किया गया है ?

श्री रामपाल माजरा : मैं इनकी जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि पुलिस के आधुनिकीकरण पर एक सवाल आज ही सूरजमल जी का भी लगा हुआ है, उस दौरान सारी बातें सदन के सामने आ जाएंगी फिर भी मैं इनकी जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि वर्ष 2003-2004 में 43 करोड़ 12 लाख रुपये का एक प्रस्ताव हरियाणा पुलिस की आधुनिकीकरण के लिए दिनांक 17-12-2003 को अनुमोदित कर दिया गया है। इस में पुलिस के लिए भवन भी बनाए जाएंगे। मैं सदन की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि चालू वित्त वर्ष में यह पूरी राशि खर्च कर दी जाएगी। मोर्डनाईजेशन का जहां तक सवाल है, मैं सदन को बताना चाहूंगा कि इस दिशा में हमारा काम सारे देश में सबसे अच्छा हो रहा है। इस बारे में हमारे पास होम मिनिस्टरी का एक पत्र भी आया है। वह पत्र मैं आपकी इजाजत से सदन के सामने पढ़ कर सुनाना चाहता हूं। इस पत्र में लिखा है—

> "In case of Haryana, the approved plans have been implemented fully by the State Government in the last 3 years and Empowered Committee complimented the State for the same."

आई०जी० (रिटायर्ड) शेर सिंह : स्पीकर साहब, सरकार हरियाणा में दो बटालियनें अलग से खड़ी करने जा रही है और इनमें से एक खड़ी भी हो चुकी है जबकि दूसरी खड़ी करने जा रहे हैं। मैं कहना चाहता हूं कि कान्सटेबल की भर्ती के लिए जो कद 5 फुट 7 ईंच था उसको हरियाणा सरकार ने बढ़ा कर 5 फुट 9 ईंच कर दिया है जिससे बहुत से बच्चे भर्ती होने से रह गए हैं जबकि आज के युग में पहले ही बहुत बेरोजगारी है। मैं जानना चाहता हूं कि इस भर्ती के लिए यह कद क्यों बढ़ाया गया है और क्या इस कद को कम करने बारे मंत्री जी आश्वासन सदन को देंगे ?

श्री ओम प्रकाश चौटाला : स्पीकर साहब, माननीय सदस्य आई०जी० के रैंक तक रहे हैं। हमें पुलिस भर्ती में कुछ तबदीली इसलिए करनी पड़ी ताकि हरियाणा पुलिस का जवान अलग से दिखाई दे। मैं इनकी जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि हमने खाली कद को ही नहीं बढ़ाया बल्कि क्वालिफिकेशन भी मैट्रिक की बजाय प्लस टू की है ताकि हरियाणा के जवान पढ़े लिखे और कद काठ में अलग से ही दिखाई दें। आपको पता होगा कि चौधरी देवी लाल जी के समय में तो एक बटालियन का कद 6 फुट भी होता था।

Providing of Bus Service to every Village

***1602. Shri Rajinder Singh Bisla :** Will the Minister for Transport be pleased to state the time by which the service of Haryana Roadways buses is likely to be made available in every village of the State.

परिवहन मंत्री (श्री अशोक कुमार) : श्रीमान जी, हरियाणा के सभी गांवों के निवासियों के लिये हरियाणा राज्य परिवहन एवं निजी संचालकों द्वारा समुचित बस सेवायें उपलब्ध करवाई जा रही हैं।

श्री राजेन्द्र सिंह बिसला : अध्यक्ष महोदय, मैं सदन को बताना चाहूंगा कि जब 1977 में चौधरी देवी लाल जी की सरकार बनी तो उस वक्त हरियाणा में चहुंमुखी विकास हुआ था और उस

[श्री राजेन्द्र सिंह बिसला]

वक्त हरियाणा के सभी गांवों को हरियाणा रोडवेज की बसों के साथ जोड़ा गया था। उस वक्त गांवों के लोगों को बहुत सी सुविधाएं दी गई थीं। जो साधन संपन्न वर्ग है यानि जिनके पास कारें, मोटर साइकिल हैं, जिनके पास आने जाने का साधन है उन्हें तो दिक्कत नहीं है लेकिन जिन लोगों के पास इस तरह के साधन नहीं है उनके लिए आने-जाने के साधन उपलब्ध नहीं हैं। साधारण और आम आदमी के लिए सारे प्रदेश में बस सेवा न के बराबर उपलब्ध है। अध्यक्ष महोदय, पहली सरकार ने बस सेवा का प्राईवेटाईजेशन किया था लेकिन वह पोलिसी स्टेट में चल नहीं पाई। जिन बस रूट्स को प्राईवेटाईज़ किया था वह टोटली फेल्योर हो गया और को-ऑप्रेटिव बैंक के सामने इन प्राईवेट बसों की लाईनें लगी पड़ी हैं। अगर सरकार की पॉलिसी या कोई निर्णय फेल हो जाता है तो सरकार को उस पर फौरन महत्वपूर्ण निर्णय ले कर उस पॉलिसी को बदल देना चाहिए। इस निर्णय को भी बदले जाने की आवश्यकता है ताकि हर गांव में बस सेवा उपलब्ध करवाई जा सके। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्य मंत्री जी से यह निवेदन करना चाहता हूं कि इस निर्णय पर गम्भीरता से विचार करते हुए गांवों में रोडवेज की बसें चलाई जाएं ताकि गांवों में जो भी बहु बेटी हैं या वे बच्चे जो स्कूल जाते हैं उनको बस सेवा उपलब्ध हो सके और आने जाने में सुविधा हो।

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) : माननीय अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने जो सवाल पूछा है उसके माध्यम से मैं सारे सदन को जानकारी देना चाहता हूं। अब से पहले एक ऐसी सरकार आ गई थी जिसने ऐसी पॉलिसी बना कर निर्णय लिया। उस समय हरियाणा राज्य परिवहन बसों की हालत यह थी कि सीटों पर बैठते थे तो धोती फट जाती थी और जब बस से उतरते थे तो कमीज फट जाती थी, इस प्रकार की स्थिति बसों की हुआ करती थी। रोडवेज की बसों की जगह पर प्राईवेट बसों को जो रूट्स दिए गए वे वायबल नहीं थे इसलिए प्राईवेट रूट्स की बसों को उन लोगों ने बारात ढोने के लिए या दूसरे और धन्धे में लगा दिया। यह बात ठीक है कि वहां पर लोगों को बहुत परेशानी है। हमारी सरकार बनने के बाद हमने इस ओर ध्यान दिया है और मेरे ख्याल से करीब 3400 नई बसें हरियाणा प्रदेश की सरकार ने खरीदी हैं और हम हर सम्भव प्रयास कर रहे हैं हर गांव में बस सुविधा उपलब्ध हो ताकि हर गांव में पढ़ने वाले बच्चों को कोई दिक्कत न हो, गांव में सरकारी कर्मचारी को किसी प्रकार से आने जाने में दिक्कत न हो और प्रदेश के हर नागरिक को हर प्रकार की सुविधा मिले। मेरे विचार से मेरी इस बात से सभी सहमत होंगे कि इस मामले में हरियाणा में प्रगति हुई है।

Construction of Commercial Complex, Dabwali

***1596. Shri Sita Ram :** Will the Minister of State for Urban Development be pleased to state whether the State Government has received any proposal from Improvement Trust, Dabwali for the construction of a Commercial Complex on the land lying vacant adjacent to Police Station opposite to Bus Stand if so, the detail thereof ?

नगर विकास राज्य मन्त्री (श्री सुभाष गोयल) : नहीं, श्रीमान जी। तथापि, नगर सुधार मण्डल, डबवाली ने पुलिस विभाग को चेलक रोड, डबवाली पर नगर पुलिस थाना की खाली पड़ी भूमि पर वाणिज्यिक संव्यूह के बनने की अनुमति मांगी है। अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा मैं सदन

की जानकारी के लिए बताना चाहता हूं कि नगर सुधार मण्डल डबवाली ने 250 वर्ग गज भूमि पर प्लान तैयार किया है जो कि पुलिस विभाग को भिजवा दिया गया है। इसमें उन्होंने मन्त्रणा दी है कि हम आधा-आधा शेयर देंगे ताकि वाणिज्यिक भवन बना कर उसका लाभ ले सकें। यह प्लान विभाग के विचाराधीन है।

डा० सीता राम : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूँ कि क्या इसके अलावा डबवाली में शॉपिंग कॉम्पलैक्स और कमर्शियल कॉम्पलैक्स बनाने का प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है ?

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) : अध्यक्ष महोदय, मौजूदा सरकार की मन्शा है कि शहरों का ब्यूटिफिकेशन हो। इसके लिए हर सम्भव प्रयास किये जा रहे हैं कि शॉपिंग काम्पलैक्स मार्किट हर जगह स्थापित की जाए ताकि उपभोक्ता को अपनी आवश्यकता की सारी चीजें एक ही स्थान पर आसानी से उपलब्ध हो सकें।

Providing of Water in Mewat area for Irrigation purpose

***1588. Shri Bhagwan Sahai Rawat :** Will the Chief Minister be pleased to state whether the Government has formulated any scheme to supply water for irrigation purpose in Mewat area ; if so, the details thereof ?

मुख्य संसदीय सचिव (श्री रामपाल माजरा) : मेवात क्षेत्र गुड़गांव नहर द्वारा सिंचित है। इस क्षेत्र में सिंचाई सुधार करने के लिए, सरकार ने निम्नलिखित योजनाएं बनाई हैं :-

(क) उतावड़ सम्पर्क नहर का बुर्जी नं० 0 से 25000 तक का निर्माण

(ख) उजिना डायवर्शन ड्रेन और गौन्ची मेन ड्रेन पर हम्पों (ठोकरों) का निर्माण।

(ग) डबालू माइनर को बुर्जी नं० 33550 से 41400 तक बढ़ाना।

(घ) पीपरोली उठान सिंचाई योजना और

(ङ) भिरौटी रजवाहे को पक्का करना।

श्री भगवान सहाय रावत : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि हमारा मेवात क्षेत्र गुड़गावां नहर के साथ-साथ और आगरा कैनाल डिस्ट्रीब्यूटरी से सिंचित होता है। वहां पर उतावड़ सम्पर्क नहर का जो बुर्जी नम्बर 0 से 25000 का निर्माण हो रहा है उसकी आज की तारीख में क्या स्थिति है और यह कब तक पूरी हो जाएगी, इसकी क्या लागत आएगी ?

श्री राम पाल माजरा : अध्यक्ष महोदय, उतावड़ डिस्ट्रीब्यूटरी पर 4 करोड़ 30 लाख 78 हजार रुपये का खर्च आएगा। इसको हमारी स्टेट की टैक्नीकल कमेटी ने एप्रूव किया है। इससे 17 हजार 174 एकड़ जमीन सिंचित होगी। इसको नाबार्ड के आर०आई०डी०एफ० 9 में स्वीकृति के लिए भेजा जा रहा है।

श्री भगवान सहाय रावत : अध्यक्ष महोदय, मेरा एक अति महत्वपूर्ण प्रश्न है। चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी के नेतृत्व में एस०वाई०एल० के लिए जो प्रयास किए गए हैं उसके जल्दी ही बहुत ही अच्छे परिणाम निकलने वाले हैं। मंत्री जी, हमारे गुड़गांव और फरीदाबाद के साथ जो

[श्री भगवान सहाय रावत]

मेवात का और हथीन का एरिया पड़ता है जोकि आगरा कैनाल से इरिगेटिड होता है। वहां पर हमारे दो-तीन जिलों की समस्या है। आगरा कैनाल की मैनेजमैंट उत्तर प्रदेश के हाथ में है और इस बारे में सैन्ट्रल लैवल पर जो डिसीजन हुआ है उससे हमें प्रोब्लम आई है। इससे बचने के लिए मंत्री जी इसके साथ पैरलल कैनाल क्यों नहीं बनाते हैं ? गुड़गांव फीडर की आलरेडी कैपेस्टी 2400-2500 क्यूसिक है। हमें नई नहर नहीं बनानी पड़ेगी। जहां से गुड़गांव कैनाल निकलती है, वहां से फरीदाबाद कैनाल को निकाल कर बोर्डर तक ले जाया जा सकता है। ट्रैफिक को सुविधाजनक बनाने के लिए हैवी ट्रैफिक को भी उस पर लाया जा सकता है, टोल टैक्स की चोरी को रोकने के लिए बोर्डर से सीधे दिल्ली में प्रवेश करवाया जा सकता है। इसके बनने से 3-4 लाख होंगे। अगर यह बन जाएगी तो आगरा कैनाल से सिंचित एरिया को पर्याप्त पानी उपलब्ध हो सकेगा।

श्री राम पाल माजरा : अध्यक्ष महोदय, रावत जी ने पहले भी यह मामला उठाया था लेकिन इस बारे में हमारे इंजिनियर्ज ने इसको वॉयबल नहीं माना था। जब तक हमारी टैक्नीकल कमेटी एप्रूवल न दे तब तक उसको वॉयबल नहीं माना जाएगा।

Repair of Roads

***1595. Shri Jasbir Mallour :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to repair the following roads in District Ambala :—

(i) Materi Shekhon to Dellu Majra ;

(ii) Materi Shekhon to Jagoli ;

(iii) Ismailabad to Danipur ; and

(iv) Jansui to Mohra ;

(b) if so, the time by which the above said roads are likely to be completed ?

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) :

(क) तथा (ख) श्रीमान् जी, जनसूई से मोहड़ा सड़क अच्छी हालत है और इस समय बड़ी मरम्मत की आवश्यकता नहीं है। मटेड़ी शेखों से डेल्लू माजरा, मटेड़ी शेखों से जगोली और इस्माईलाबाद से दानीपुर सड़कों की मरम्मत वर्ष 2004-2005 के दौरान कर दी जायेगी।

श्री जसबीर मलौर : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से यह कहना चाहूंगा कि सड़कों की बहुत ही बुरी हालत है। क्या इन सड़कों को 31 मार्च 2004 तक रिपेयर करवाने का कष्ट करेंगे ? इसके अलावा हमारी 10-12 सड़कें और भी ऐसी हालत में हैं, मैं चाहूंगा कि उनको भी 31 मार्च, 2004 तक रिपेयर करवा दिया जाए।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार के कार्यभार सम्भालने से पहले सड़कों की हालत जर्जर हालत में थी। उस वक्त स्थिति ऐसी थी कि लोगों को सड़क को छोड़ कर सड़क से नीचे उतर कर चलना पड़ता था। वहां पर चार-चार फुट के गढ्ढे थे। अब सड़कों की स्थिति ऐसी बना दी है कि वहां से आप चाहे तो हवाई जहाज उड़ा सकते हैं। प्रभु की कृपा से बारिश हो जाती है तो सड़कें टूट जाती हैं क्योंकि पानी और तारकोल का मेल नहीं है। आज सड़कें टूटी हैं लेकिन मैं यह बताना चाहूंगा कि यह सरकार वारफूटिंग लैवल पर उन सड़कों की मरम्मत का काम कर रही है। पुरानी सड़कों की रिपेयर करवाई जा रही है और नई सड़कें बनवाई जा रही हैं। मैं यह नहीं कहता कि समय सीमा के तहत यह काम कम्पलीट कर दिया जाएगा लेकिन जल्दी से जल्दी सारी सड़कों को बहुत अच्छी हालत में बनाएंगे। हमने तो यह भी निर्णय लिया है कि पड़ौसी स्टेट्स तक जहां हरियाणा प्रदेश की सीमा लगती है, वहां तक अच्छी सड़कें बनें।

New Municipal Corporation for Yamuna Nagar and Jagadhari

***1607. Dr. Malik Chand Gambhir :** Will the Minister of State for Urban Development be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under the consideration of the Government to constitute a new corporation by including merging Yamuna Nagar and Jagadhari Cities ; and

(b) if so, the time by which the aforesaid proposal is likely to be implemented ?

नगर विकास राज्य मंत्री (श्री सुभाष गोयल) :

(क) हां, श्रीमान जी।

(ख) मामला विचाराधीन है और इस स्तर पर कोई समय सीमा निर्धारित नहीं की जा सकती।

डा० मलिक चंद गंभीर : स्पीकर सर, अभी माननीय मंत्री महोदय ने बताया है कि यह 10.00 बजे मामला विचाराधीन है लेकिन इस समय कोई सीमा निर्धारित नहीं की जा सकती। मैं आपके द्वारा इनसे जानना चाहता हूं कि हरियाणा प्रदेश के अंदर और कौन-कौन से शहरों को कोरपोरेशन में लाया जा रहा है ?

श्री सुभाष गोयल : अध्यक्ष महोदय, जैसा पिछली बार सदन को बताया गया था कि गुड़गांव, रोहतक, हिसार, पानीपत, अम्बाला सदर एवं सिटी, यमुनानगर और जगाधरी दोनों को मिलाकर यानी 6 शहर कोरपोरेशन में लाना सरकार के विचाराधीन है।

Recruitment Made in Police

***1651. Shri Nafe Singh Jundla :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) whether any recruitment of Constables has been made in the Haryana Police during the period from 2002 to-date ; if so, the number thereof ;

[Shri Nafe Singh Jundla]

(b) the number of persons out of the persons referred to in part 'a' above belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes ; and

(c) the steps taken or proposed to be taken to provide better police system in the Districts adjacent to Delhi ?

मुख्यमन्त्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) : हां श्रीमान जी, मांगा गया उत्तर का विवरण सदन के पटल पर रखा है।

विवरण

(क) समय अवधि वर्ष 2002 से आज तक 4435 सिपाही भर्ती किये गये हैं।

(ख) उक्त 4435 सिपाहियों में से 834 सिपाही अनुसूचित जाति से सम्बन्धित हैं। हरियाणा राज्य में अनुसूचित जनजाति नहीं है।

(ग) दिल्ली के साथ लगने वाले जिलों में बेहतर पुलिस पद्धति लागू करने हेतु निम्नलिखित कदम उठाये गये व उठाये जाने का प्रस्ताव है—

(1) दिल्ली की सीमा पर तथा राष्ट्रीय राजमार्ग नं० 1 तथा नं० 8 पर 24 घण्टे गश्त पी०सी०आर० गाड़ियों द्वारा की जा रही है।

(2) जिला पुलिस अधीक्षकों की देख रेख में छोटे वाहनों की चैकिंग समय-समय पर की जाती है।

(3) देश में पुलिस दूरसंचार व्यवस्था के आधुनिकीकरण के लिए गृह मन्त्रालय, भारत सरकार ने पोलनैट नामक योजना बनाई है। यह सेटलाईट पर आधारित संचार पुलिस संचार को दी गई और पुलिस संचार को समर्पित है। इसका उद्देश्य लिंक संचार को राष्ट्रीय राजधानी से प्रदेश राजधानी को देना और आगे पुलिस स्टेशन को जिला मुख्यालय के माध्यम से जोड़कर आवाज, डाटा, फैक्स एवं कम्पयूटर संचार प्रदान करना है।

(4) राष्ट्रीय राजधानी रिजन से लगते जिला पुलिस की ताकत को मजबूत करने के लिए एक प्रस्ताव इस विभाग में सक्रिय रूप से विचाराधीन है।

(5) विभाग के सभी पुराने वाहनों को बदल कर नई जिप्सी एवं मोटर साईकल उपलब्ध कराये गये हैं।

(6) लगातार सहयोगी बैठकों द्वारा दिल्ली एवं यू०पी० पुलिस के साथ अपराध और अपराधियों बारे सूचनाओं का आदान प्रदान किया जाता है।

श्री नफे सिंह जुण्डला : स्पीकर साहब, मुख्य मंत्री महोदय द्वारा सदन के पटल पर जो रिपोर्ट रखी गयी है उसमें बताया गया है कि 2002 से लेकर आज तक 4435 सिपाही भर्ती किये गये हैं। इन 4435 सिपाहियों में से एस०सीज० कैटेगरीज के 834 सिपाही भर्ती किए दर्शाए गये हैं। मैं आपके द्वारा उनसे जानना चाहूंगा कि जो 834 एस०सीज० कैटेगरीज के सिपाही भर्ती किये

गये हैं इनमें से एस०सी० 'ए' और एस०सी० 'बी' के कितने हैं ? इसके साथ ही मैं यह भी जानना चाहूंगा कि जितना यह रिजर्वेशन बनता है क्या वह पूरा हो गया है या अभी भी इसमें कुछ रहता है ? स्पीकर सर, पिछली सरकार के दौरान पूरे प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति जिस तरह से बिगड़ चुकी थी और जिस तरह से शराबबंदी की वजह से माफिया गिरोह खड़ा हो गया था उसको देखते हुए जो हरियाणा प्रदेश में अमन चैन को खतरा हो गया था तो सरकार ने इस बारे में क्या प्रयास किए हैं ? हरियाणा जो दिल्ली के तीन साईड में लगता है और इसके अलावा भी कई और स्टेट्स के बार्डर हरियाणा से लगते हैं तो इन जगहों पर कानून व्यवस्था को कंट्रोल करने के लिए हरियाणा प्रदेश की सरकार ने और विशेष तौर से मुख्य मंत्री जी ने अनेकों प्रयत्न किए लेकिन फिर भी प्रदेश के अंदर शांति को पूर्ण रूप से बहाल करने के लिए दिल्ली के साथ लगते जिलों में क्या विशेष कदम उठाए जाने विचाराधीन हैं, यह मैं जानना चाहूंगा ?

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय साथी के माध्यम से पूरे सदन को यह अवगत करवाना चाहूंगा कि हरियाणा प्रदेश में पुलिस की भर्ती का कार्यक्रम चल रहा है चौधरी भजन लाल जी मेरे सामने बैठे हैं यह भी मुख्य मंत्री के पद पर आसीन रहे हैं इनके मुख्यमंत्रित्व काल में 4481 सिपाही भर्ती किये गये थे लेकिन उनमें से 1600 तो सुप्रीम कोर्ट ने इनकी बेकायदगी की वजह से निकाल दिये थे क्योंकि इनके शासनकाल में सिस्टम ही ऐसा था। बाकी 2881 और रह गये थे। भजन लाल जी के शासनकाल में हरिजन का बैकलॉग 202 का बचा था। हमारी सरकार आने के बाद हरिजनों का कोटा बीस परसैंट पूरा किया गया है और बाकी बैकलॉग भी पूरा करने के लिए अभी रिसैंटली और भर्ती हो रही है। हमने सरकार संभालने के बाद जितना भी बैकलॉग था चाहे वह किसी भी मद में था, हम उसको पूरा करने के लिए वचनबद्ध हैं और हम यह पूरा करने का प्रयास भी कर रहे हैं।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, बैकलॉग के बारे में जो बात मुख्य मंत्री महोदय ने कही है तो मैं इनको कहना चाहूंगा कि नेत्रहीन भी कई महीनों से अनशन पर बैठे हैं इसलिए उनका बैकलॉग भी सरकार को पूरा करना चाहिए।

Replacing of Obsolete Electricity Wire

*1609. **Shri Dev Raj Dewan :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to replace electricity wire in the State which have become obsolete ; and

(b) if so, the time by which the aforesaid proposal is likely to be materialized ?

मुख्य संसदीय सचिव (श्री रामपाल माजरा) :

(क) हां, श्रीमान।

(ख) पुरानी तारों को पुन: बदलने का कार्य एक निरन्तर चलने वाली प्रक्रिया है, इसके लिए कोई विशिष्ट समय निर्धारण करना सम्भव नहीं है।

श्री देव राज दीवान : अध्यक्ष महोदय, पूरे चार साल तक मैं एस०ई० से बिजली की तारें बदलने के लिए कहता रहा लेकिन उन्होंने यही कहा कि हमें आर्डर नहीं है मैं चाहूंगा सरकार महकमे को हिदायत दे कि यह काम जल्दी से जल्दी किया जाए।

श्री अध्यक्ष : आप अपना कोई पर्टिकुलर गांव बताएं। आपको आइडैंटिफाई करना पड़ेगा।

श्री देव राज दीवान : सर, आईडैंटिफाई करा लिया जाए।

श्री राम पाल माजरा : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहता हूं कि इस सरकार के बनने के बाद 8817 किलोमीटर की लंबी तारें बदलने का काम किया गया है और टारगेट 13787 किलोमीटर लम्बी तारें बदलने का है जो कि सम्पील कर दी जाएंगी। सोनीपत डिस्ट्रिक्ट में 624 किलोमीटर लम्बी तारें थीं जो कि जर्जर हालत में थीं, टूट रहीं थीं, उनको बदलने का काम किया गया है।

श्री देवराज दीवान : अध्यक्ष महोदय, मैंने तो सरकार से रिक्वैस्ट की है कि इस तरफ थोड़ा ध्यान इस वक्त दिए जाने की आवश्यकता है क्योंकि विभाग इस समय लापरवाही बरत रहा है।

Construction of Bye-pass in Ellenabad

***1601. Shri Bhagi Ram :** Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to construct a bye-pass linking the Talwara road with Hanumangarh road in Ellenabad, District Sirsa ?

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) : नहीं, श्रीमान जी।

श्री भागी राम : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सी०पी०एस० महोदय को यह बताना चाहता हूं कि जब तक राजस्थान को जोड़ने वाली सड़क तक वह बाईपास नहीं बनता तब तक अब जो वहां पर बाईपास बना है उसके बनने के कोई मायने ही नहीं हैं। मैं माजरा साहब और मुख्य मंत्री जी से रिक्वैस्ट करना चाहूंगा कि इसके ऊपर पुनर्विचार करके इसे मंजूर किया जाए।

मुख्य संसदीय सचिव (श्री राम पाल माजरा) : अध्यक्ष महोदय, सिरसा ऐलनाबाद, हनुमानगढ़ टिब्बी सड़क तक का जो बाई पास था, वह बन गया है और बाकी का जो थोड़ा सा हिस्सा है, वह रहता है उसके बारे में अभी कोई प्रस्ताव नहीं है जो ज्यादा हैवी व्हीकल थे वह उसी रास्ते से जाते हैं जो बन गया है इसलिए वह काफी काम चला देगा, उससे काफी सुविधा लोगों को हुई है।

श्री भागी राम : वह तो बन गया है लेकिन सही मायने में अभी आधा बाई पास ही बना है। बाईपास का मतलब यह था कि सिरसा, ऐलनाबाद वाया हनुमानगढ़ रोड बने। बीच-बीच में छोटी-छोटी सड़कें तो बन गईं लेकिन जब तक वह बाईपास राजस्थान से नहीं जोड़ता तब तक उस बाईपास के बनने के कोई मायने नहीं रह जाते। इसलिए मैं फिर रिक्वैस्ट करूंगा कि इस मामले पर पुनर्विचार करके इसको फिर मंजूर किया जाए।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, यह जो छोटा सा टुकड़ा बताया जा रहा है यह लगभग चार किलोमीटर है। उस पर खर्चा एक करोड़ 38 लाख रुपये के करीब आयेगा। यह हम

लोगों की सुविधा के लिए कर रहे हैं लेकिन इसके लिए समय भी चाहिये और पैसा भी चाहिये, इसलिए सरकार को इस चीज को भी देखना है।

Laying of Sewerage in Qutubpur

*1585. **Rao Inderjit Singh :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) whether it is a fact that a resolution has been passed by the Sanitary Board (Public Health Department) in the year 1996 for laying the sewerage system in Qutubpur, District Rewari ; and

(b) if so, the time by which the laying of sewerage in the aforesaid village is likely to be started/completed ?

मुख्य संसदीय सचिव (श्री रामपाल माजरा) :

(क) हां, श्रीमान जी।

(ख) इस समय सीवरेज प्रणाली के कार्य को पूरा करने का समय सुनिश्चित नहीं किया जा सकता क्योंकि यह कार्य केवल डिस्पोजल के लिए भूमि के चयन के बाद ही किया जा सकता है।

राव इन्द्रजीत सिंह : स्पीकर महोदय, आमतौर पर मेरे ज्ञान के अनुसार जब सेनेटरी बोर्ड यह रैजोलूशन पास करता है तो यह तय कर लेता है कि किस जमीन पर यह व्यवस्था देने जा रहे हैं। सात साल से अधिक के टाईम से सेनेटरी बोर्ड ने यह रैजोलूशन पास कर दिया था। साल साल में तो दफा 307 का मुजरिम भी यह उम्मीद लगा लेता है कि वह रिहा हो जायेगा। मैं मंत्री जी से प्रार्थना करूंगा कि वह समय निर्धारित कर दें कि यह सुविधा कब तक लागू कर देंगे ?

श्री रामपाल माजरा : अध्यक्ष महोदय, नगर पालिका ने जो जमीन दी थी वह पुराने बुसटिंग स्टेशन के पीछे दी थी। उस जमीन को नगर पालिका ने अपने किसी और यूज में ले लिया। अब दूसरे स्थान पर जमीन मिली नहीं है पहले जमीन का चयन किया जायेगा उसके बाद वह जमीन एक्वायर की जायेगी और उसके बाद डिसपोजल बनाई जायेगी। उसके बाद धन उपलब्ध होने के बाद ही इस सुविधा के बारे विचार किया जायेगा।

श्री राजेन्द्र सिंह बिसला : अध्यक्ष महोदय, सरकार ने सारे प्रदेश के शहरों के सौन्दर्यकरण के जो-जो कार्यक्रम बनाये हैं उससे शहर साफ सुथरे होंगे और उसे सारा सिस्टम ठीक हो जायेगा। उसको देखते हुए मैं आपके माध्यम से यह निवेदन करूंगा और सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहूंगा कि शहरों के साथ-साथ जो गांव लगते हैं उनके लिए भी सीवरेज सिस्टम लागू करने का फैसला किया है। लेकिन यह बहुत कटु सत्य है कि जो सीवरेज डालने की टैक्नोलॉजी आज प्रदेश में है उसके लिए एक्सपर्ट और इंजीनियर्स को अच्छी तरह से ट्रेंड किया जाये। उनकी जो टैक्नीकल नो हाउ है वह पुअर होने की वजह से सीवरेज डालने का उद्देश्य पूरा नहीं हो पाता है। मैं आपके माध्यम से यह निवेदन करूंगा कि जो एम०सी० फरीदाबाद है वह उत्तर भारत का सबसे बड़ा औद्योगिक नगर है लेकिन उसका सीवरेज सिस्टम प्रशासन के लिए एक चैलेंज बना हुआ है। मैं सदन के माध्यम से माजरा साहब से यह निवेदन करूंगा कि क्या वह कोई एमरजैंसी लेवल पर फरीदाबाद के लिए कदम उठायेंगे ताकि वहां के लोगों को इससे कोई रिलीफ मिल सके।

श्री रामपाल माजरा : स्पीकर सर, वैसे तो इस प्रश्न से इसका कोई लम्बा चौड़ा संबंध नहीं है फिर भी माननीय सदस्य ने स्पेसिफिकली फरीदाबाद के लिए कंप्लेंट की है तो हम इसको एग्जामिन करा लेंगे और उसके बाद जरूर नोटिस लेंगे।

Providing of Sewerage and Drinking Water Facilities

***1586. Capt. Ajay Singh Yadav :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to provide drinking water and sewerage facilities in the following colonies of Rewari city :—

(i) Shakti Nagar (ii) Ram Singh Pura (iii) Anand Nagar (iv) Azad Nagar (v) Shiv Colony (vi) Sadhu Shah Nagar (vii) Indra Colony (viii) Ajay Nagar (ix) Yadav Nagar

(b) whether it is a fact that there is a shortage of drinking water in village Kaluwas, Budhpur, Gindokher, Janti, Lakhnaur, Rajoka, Jitpura, Neerpur and Turkiawas of Rewari Constituency ; and

(c) if so, the steps taken by the Government to provide drinking water and sewerage facilities to the colonies and villages as referred to in part (a) and (b) above ?

मुख्य संसदीय सचिव (श्री रामपाल माजरा) :

(क) नहीं, श्रीमान जी,

(ख) हां, श्रीमान जी,

(ग) हरियाणा सरकार की वर्तमान नीति के अनुसार पेय जल और मल निकासी की सुविधा सिर्फ शहरी क्षेत्र की मान्य कालोनियों में ही प्रदान की जानी है जैसा कि प्रश्न के भाग 'क' में दर्शायी गई सभी कालोनियां अमान्य है अत: पेयजल और मल निकासी की सुविधा आगे प्रदान करने बारे इन कालोनियों के मान्य होने के बाद ही विचार किया जा सकता है।

प्रश्न के भाग 'ख' में दर्शाये गए गांवों का वर्तमान पेयजल स्तर जनसंख्या में बढ़ोतरी व स्त्रोत में कमी के कारण सामान्य स्तर से नीचे चला गया है। इनमें से 5 गांव में पेयजल में बढ़ोतरी के लिए नई योजनाओं के तहत कार्य चल रहा है अन्य 4 गांवों में पानी की बढ़ोतरी की योजना बनाई जा रही है।

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि जिन कालोनिज का मैंने अपने प्रश्न में जिक्र किया है वे 100 प्रतिशत बनी हुई है और इन कालोनिज ने डवैल्पमैंट चार्जिज भी भरे हुए हैं, बिजली के कनैक्शन भी लिये हुए हैं और हाउस

टैक्स भी दे रहे हैं। इन कालोनिज ने चार साल पहले रैगूलेराईजेशन के लिए रैजोल्यूशन पास करके भेज रखा है। कालोनाईजर तो कालोनी काटकर चले गये और आम जनता को अब परेशानी हो रही है। यह परेशानी केवल रिवाड़ी की ही नहीं है बल्कि पूरे हरियाणा में बहुत सी जगह ऐसी परेशानी आम जनता को हो रही है। क्या मंत्री जी इन कालोनिज को रैगूलेराईजेशन कराकर इनमें सिवरेज सुविधा उपलब्ध करायेंगे ? 40 लीटर पानी प्रति व्यक्ति प्रति दिन के हिसाब से देने की बात सरकार कर रही है। क्या इन कालोनीज में रहने वाले लोगों को पानी दिया जायेगा ? अध्यक्ष महोदय, दूसरा आपके माध्यम से मैं यह पूछना चाहूंगा कि राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में कहा गया है कि 40 लीटर पानी प्रति व्यक्ति प्रति दिन के हिसाब से गांवों में दिया जा रहा है लेकिन कालूवास, बूढ़पूर और लाखनव गांवों में नीचे का पानी खारा है क्या इन गांवों में किसी नहर आधारित वाटर वर्क्स स्कीम के तहत पानी उपलब्ध कराने की योजना सरकार के विचाराधीन है ? इसके अतिरिक्त मैं यह भी पूछना चाहूंगा कि गांव राजोका, जीतपुरा, जांटी और तुरकियावास में नीचे का पानी मीठा है क्या इन गांवों में नये ट्यूबवैल बनाकर वहां के लोगों को पानी उपलब्ध कराया जायेगा ?

श्री रामपाल माजरा : स्पीकर सर, कैप्टन साहब ने विशेष तौर से इन कालोनिज के बारे में इंगित किया है। इनमें से ज्यादातर कालोनी अन एप्रूवड हैं। जब तक ये एप्रूवड नहीं होती तब तक इनको पानी की और सीवरेज की सुविधा उपलब्ध नहीं कराई जा सकती। जहां तक इन्होंने कहा कि रैगूलराईजेशन के बारे में रैजोल्यूशन पास करके भेज रखा है और काफी समय हो गया है लेकिन कोई कार्यवाही नहीं हुई। इस बारे में मैं बताना चाहूंगा कि ये कालोनिज हुडा के पैरा मीटर पूरे नहीं करती होंगी इसलिए इनको एप्रूवड नहीं किया गया। जहां तक शक्ति नगर का सवाल है वहां पर मॉडल टाऊन बुस्टिंग स्टेशन से पानी की लाईन बिछाई गई है और पानी दिया जा रहा है। राम सिंह पुरा में गोकलगढ़ बुस्टिंग स्टेशन से पानी दिया जा रहा है। आनन्द नगर आंशिक रूप से एप्रूवड है वहां पर 90 प्रतिशत में पानी की सुविधा दी जा रही है। आजाद नगर भी आंशिक रूप से एप्रूवड है वहां पर 80 से 90 प्रतिशत में जल सुविधा दी जा रही है। शिव कालोनी भी आंशिक रूप से एप्रूवड है और वहां पर कत्तोपर से पानी की सुविधा दी जा रही है। साधु शाह नगर में 80 से 90 प्रतिशत में जल सुविधा दी जा रही है लेकिन इन्दिरा कालोनी अन एप्रूवड है इसलिए वहां पर पानी की सुविधा नहीं दी जा सकती। अजय नगर भी अनएप्रूवड कालोनी है। (शोर एवं व्यवधान)

कैप्टन अजय सिंह यादव : स्पीकर साहब, जो एप्रूवड कालोनी हैं जैसे शिव कालोनी या दूसरी कालोनी हैं उनमें भी पानी की एक बूंद नहीं जा रही जबकि सरकार कह रही है कि हम प्रति व्यक्ति को प्रति दिन 40 लीटर पानी देंगे। (शोर एवं व्यवधान)

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) : कैप्टन साहब, मैं आपसे जानना चाहता हूं कि क्या अजय कालोनी आपके नाम से है ? (शोर एवं व्यवधान) क्या यादव कालोनी व इन्दिरा कालोनी भी आपके नाम से है ? इस प्रकार की चर्चा करके आपको क्या लाभ होगा ? (शोर एवं व्यवधान)

कैप्टन अजय सिंह यादव : कोई कालोनी मेरे नाम से नहीं है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : जिन कालोनीज का आप जिक्र कर रहे हैं, ये कब से बनी हुई हैं ?

कैप्टन अजय सिंह यादव : ये कालोनी तकरीबन 10 सालों से बनी हुई हैं।

श्री अध्यक्ष : 1996 में तो आप मिनिस्टर थे। (शोर एवं व्यवधान)

कैप्टन अजय सिंह यादव : गांवों में भी पीने का पानी नहीं जा रहा। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : स्पीकर साहब, सरकार की एक पालिसी है कि जो अमान्य कालोनीज हैं उनको किसी प्रकार की सुविधा नहीं देंगे, हां जो मान्यता प्राप्त कालोनीज हैं उनको हम सभी प्रकार की सुविधाएं देंगे। (शोर एवं व्यवधान)

कैप्टन अजय सिंह यादव : वे लोग हाउस टैक्स भी भर रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : मैं सदन को बता चुका हूं कि जो अनएप्रूवड कालोनीज हैं उनको किसी प्रकार की सुविधा नहीं देंगे। मैं यह भी स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि यदि चोर दरवाजे से किसी ने ऐसी जगह पर सुविधा ले ली होगी तो वह भी वापस ले ली जायेगी। हां जो मान्यता प्राप्त कालोनीज हैं उनको सारी सुविधाएं देंगे और इसके लिए भी कोई समय सीमा निर्धारित नहीं की जा सकती। पानी देना हमारी प्राथमिकता है। (शोर एवं व्यवधान) आप बात सुनिये। आप भागने की तैयारी क्यों कर रहे हैं ? (शोर एवं व्यवधान)

वाक आऊट

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, 40 लीटर पानी देना तो दूर वहां पर एक बूंद पानी भी नहीं जा रहा। आप मेरी बात को सुन नहीं रहे इसलिए मैं एज ए प्रोटैस्ट सदन से वाक आउट करके जा रहा हूं।

(इस समय भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के सदस्य कैप्टन अजय सिंह यादव वाक आउट करके सदन से बाहर चले गए)

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर (पुनरारम्भ)

Construction of a 33 KV Sub-station at Salwan

***1657. Shri Krishan Lal :** Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to construct a 33 KV Sub-Station at Salwan in district Karnal ; if so, the time by which the said Sub-Station is likely to be constructed ?

मुख्य मन्त्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) : हां, श्रीमान। गांव सालवन में एक नये 33 के०वी० उपकेन्द्र के निर्माण करने का एक प्रस्ताव है, जिसके लिए निविदा पहले मांग ली गई है। यह उपकेन्द्र दिसम्बर 2004 तक चालू होना सम्भावित है।

श्री कृष्ण लाल : अध्यक्ष महोदय, मैं सी०एम० साहब का इसके लिए धन्यवाद करना चाहूंगा। मैं सरकार के जवाब से संतुष्ट हूं क्योंकि सरकार ने इस 33 के०वी० सब-स्टेशन को 10 महीने में बनाने की बात कही है।

मुख्य संसदीय सचिव (श्री राम पाल माजरा) : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय साथी को यह भी बताना चाहता हूं कि इस सब-स्टेशन का पत्थर मुख्य मंत्री जी आज ही रखने जा रहे हैं।

तारांकित प्रश्न सं० 1621

(यह प्रश्न पूछा नहीं गया क्योंकि इस समय माननीय सदस्य श्री कंवर पाल सदन में उपस्थित नहीं थे।)

Setting up of a Milk Plant in Kaithal City

*1604. **Shri Lila Ram :** Will the Minister for Cooperation be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to set up a Milk Plant in City Kaithal ; if so, the details thereof ?

सहकारिता मंत्री (श्री करतार सिंह भडाना) : नहीं, महोदय।

श्री लीला राम : अध्यक्ष महोदय, आदरणीय मुख्य मंत्री जी जब कैथल आए थे तो वहां पर इन्होंने पट्टी अफगान में एक चीलिंग सैन्टर बनाने की आधारशिला रखी थी। बाद में जहां पर यह सैन्टर बनना था उसकी जमीन का झगड़ा हो गया था और वह जमीन भी केवल दो एकड़ थी। बाद में उझानां गांव के लोगों ने 6 एकड़ जमीन चीलिंग सैन्टर के लिए दी थी। इस पर काम भी चल रहा है। इस बारे में मेरा सरकार से अनुरोध है कि वहां पर चीलिंग सैन्टर न बना कर मिल्क प्लांट बनाया जाये क्योंकि कैथल जिले में दूध की कोई कमी नहीं है। इसलिए मेरा पुन: अनुरोध है कि वहां पर चीलिंग सैन्टर न बना कर मिल्क प्लांट बनाया जाये।

श्री करतार सिंह भडाना : अध्यक्ष महोदय, चिलिंग प्लांट लगाया जा रहा है और 20 मई तक चालू हो जाएगा। वहां पर मिल्क प्लांट फिजिबल नहीं है क्योंकि इस पर 20 करोड़ रुपये की लागत आती है और अभी यह नहीं लगाया जा सकता है। इसके साथ ही अम्बाला और जीन्द में मिल्क प्लांट मौजूद हैं। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : लीला राम जी, आप कोई अन्य सप्लीमैंट्री पूछना चाहें तो पूछ सकते हैं।

श्री लीला राम : अध्यक्ष महोदय, मुझे और कोई सप्लीमैंट्री नहीं पूछनी है।

Construction of P.H.C. Mujjafra, Gurgaon

*1669. **Shri Rambir Singh :** Will the Minister of State for Health be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to construct the new building of P.H.C. in Village Mujjafra, District Gurgaon ?

स्वास्थ्य राज्य मंत्री (डा० एम०एल० रंगा) : हां, श्रीमान जी।

श्री रामबीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री महोदय से पूछना चाहूंगा कि क्या चालू वित्त वर्ष में गांव मुज्जफरा में पी०एच०सी० के लिए कोई धनराशि ऐलॉट की गई है ?

डा० एम०एल० रंगा : अध्यक्ष महोदय, नन्दपुरा और मुज्जफरा गांव में एक ही पंचायत है जिन्होंने 32 कनाल चार मरले भूमि स्वास्थ्य विभाग को स्थानान्तरित की हुई है। हमारे स्वास्थ्य

[डा० एम०एल० रंगा]

विभाग ने उसकी साईट प्लान तैयार कर ली है तथा चीफ आर्किटैक्ट ने नक्शे वगैरा तैयार कर दिए हैं। चीफ इन्जीनियर, पी०डब्ल्यू०डी० को इसके ऐस्टिमेट्स बनाने के लिए केस भेजा हुआ है। ज्योंही उनसे ऐस्टिमेट्स तैयार हो कर आ जाएगा उसकी वित्तीय तथा प्रशासकीय स्वीकृति ले कर उस पर यथाशीघ्र निर्माण कार्य शुरू करवा दिया जाएगा। जहां तक राशि के प्रावधान की बात है, हमने एक करोड़ 50 लाख रुपये की धनराशि पहले ही निर्धारित की हुई है।

श्री भगवान सहाय रावत : अध्यक्ष महोदय, जैसे माननीय मंत्री महोदय ने अभी बताया है कि सरकार द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं को ध्यान में रखते हुए जगह-जगह पर पी०एच०सीज० खोली जा रही हैं तथा राज्य सरकार ने पी०एच०सीज० के लिए धनराशि तय की हुई है। हथीन विधान सभा क्षेत्र में रूपड़ाका गांव में एक पी०एच०सीज० खोलने के लिए प्रस्ताव विचाराधीन है क्या माननीय मन्त्री महोदय उसकी प्रशासनिक मन्जूरी और भवन निर्माण की योजना के बारे में स्थिति स्पष्ट करने का कष्ट करेंगे ?

डा० एम०एल० रंगा : अध्यक्ष महोदय, यह सवाल वैसे तो मुज्जफरा और नन्दपुरा का था लेकिन इन्होंने रूपड़ाका की पी०एच०सी० के बारे में पूछा है वह वहां से करीब 95 किलो मीटर दूर पड़ता है (विघ्न) लेकिन फिर भी मैं माननीय साथी को बताना चाहता हूं कि पिछली बार हमने रूपड़ाका गांव में दो गांवों के बीच जो जगह बची थी वह जमीन उनसे ली है और वह जमीन विभाग को स्थानान्तरित की है उसके नक्शे बना लिये हैं और पी०डब्ल्यू०डी० से हमारे पास उसकी सारी मन्जूरी आ गई है और यह पी०एच०सी० हमारी प्राथमिकता पर है। मैंने रूपड़ाका में पी०एच०सी० के लिए चीफ इन्जीनियर, पी०डब्ल्यू०डी० से मीटिंग की थी और उन्होंने कहा है कि माननीय भगवान सहाय रावत जी जब भी कहेंगे उसका शिलान्यास करवा दिया जाएगा।

तारांकित प्रश्न सं० 1652

(यह प्रश्न पूछा नहीं गया क्योंकि माननीय सदस्य श्री सूरज मल इस समय सदन में उपस्थित नहीं थे।)

Atrocities Committed on Women

***1650. Shri Tejvir Singh :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) the number of cases of atrocities committed on women in the State during the year 2003 ; and

(b) the number of cases out of those referred to in part 'a' above in which success has been achieved in solving them ?

मुख्य संसदीय सचिव (श्री राम पाल माजरा) : (क) व (ख) वांछित सूचना सदन के पटल पर रखी जाती है।

सूचना

(क) राज्य में वर्ष 2003 के दौरान महिलाओं पर हुए अत्याचार के मुकदमों की संख्या निम्नलिखित है—

अपराध का शीर्ष	2003
दहेज प्रताड़ना	1618
दहेज हत्या	214
बलात्कार	355
छेड़छाड़	350
अपहरण/अपनयन	280

(ख) उपरोक्त (क) में दिखाए गए मुकदमों में से सफल मुकदमों की संख्या निम्नलिखित है—

अपराध का शीर्ष	वर्ष 2003 में दर्ज हुए मुकदमों की संख्या	वर्ष 2003 में सफल हुए मुकदमों की संख्या
दहेज प्रताड़ना	1618	1499
दहेज हत्या	214	208
बलात्कार	355	339
छेड़छाड़	350	342
अपहरण/अपनयन	280	235

श्री अध्यक्ष : तेजवीर सिंह जी, अगर आप इस प्रश्न के बारे में कोई सप्लीमैंट्री पूछना चाहते हैं तो पूछ लीजिए।

श्री तेजवीर सिंह : जी नहीं, Thank you.

Construction of Slope in Dadri distributory

***1645. Shri Jagjit Singh :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to construct slope in Dadri Distributory near Village Ghikara-Mirch-Misri-Fetehgarh of Tehsil Charkhi Dadri, District Bhiwani ; and

(b) if so, the time by which the aforesaid work is likely to be completed ?

मुख्य संसदीय सचिव (श्री रामपाल माजरा) :

(क) नहीं श्रीमान जी।

(ख) जैसा कि इस प्रकार का कोई कार्य नहीं किया जा रहा, इसको पूरा करने का कोई निर्धारित समय नहीं है।

चौ० जगजीत सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि मैंने इस प्रश्न में जिन चार गांवों का जिक्र किया है इनके बारे में . . . . .

श्री अध्यक्ष : जगजीत सिंह जी, अब आप अपनी सीट पर बैठ जाएं। आनरेबल मैम्बर्ज, अब प्रश्न काल समाप्त होता है।

नियम 45(1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर

Expenditure incurred on Health

***1632. Shri Karan Singh Dalal :** Will the Minister of State for Health be pleased to state the expenditure incurred on the health on each person during the year 2001-2002 and 2002 to December, 2003, in the State ?

स्वास्थ्य राज्य मंत्री (डा० एम०एल० रंगा) : प्रति व्यक्ति स्वास्थ्य पर हुए खर्च का ब्यौरा निम्न अनुसार था—

(1)	2001-2002 के दौरान	165.09 रुपये
(2)	2002-2003 के दौरान	186.91 रुपये
(3)	2003-2004 (दिसम्बर, 2003 तक)	103.64 रुपये (अनुमानित)

Construction of Matlodha Minor

***1665. Shri Jai Parkash :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to construct the Matlodha Minor in district Hissar ; and

(b) if so, the time by which the work of said Minor is likely to be started ?

मुख्यमंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) :

(क) नहीं श्रीमान जी।

(ख) प्रश्न ही नहीं उठता।

अतारांकित प्रश्न एवं उत्तर

Amount spent on Augmentation of Water Supply in the Villages

182. Shri Dev Raj Dewan : Will the Chief Minister be pleased to state the district-wise number of villages in the State where the drinking water supply has been augmented during the current financial year 2003-2004 togetherwith the details of the amount spent thereon ?

मुख्यमंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) : श्रीमान्, चालू वित्तीय वर्ष 2003-2004 के दौरान जल आपूर्ति की बढ़ौतरी किए गए जिलावार गांवों की संख्या तथा उस पर खर्च की गई राशि का ब्यौरा निम्नलिखित है—

क्रम सं०	जिला का नाम	गांवों की संख्या जिनमें वर्ष 2003-2004 (31-12-2003 तक) पेयजल आपूर्ति में बढ़ौतरी की गई	31-12-2003 तक खर्च की गई धनराशि (रुपये लाखों में)
1.	अम्बाला	25	365.71
2.	भिवानी	19	996.94
3.	फरीदाबाद	6	123.44
4.	फतेहाबाद	8	466.42
5.	गुड़गांव	21	420.95
6.	हिसार	9	487.74
7.	झज्जर	10	465.88
8.	जींद	8	535.80
9.	कैथल	3	328.70
10.	करनाल	15	51.88
11.	कुरुक्षेत्र	23	257.27
12.	महेन्द्रगढ़	31	306.08
13.	पंचकूला	0	76.01
14.	पानीपत	15	213.38
15.	रिवाड़ी	18	335.47
16.	रोहतक	1	292.29
17.	सिरसा	13	1041.77
18.	सोनीपत	12	500.46
19.	यमुना नगर	0	5.52
	कुल	**237**	**7271.71**

गैर सरकारी संकल्प/स्थगन प्रस्ताव/ध्यानाकर्षण प्रस्तावों की सूचनाएं

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मैंने विधान सभा भंग करने के लिए अन्डर रूल 171 एक रैजोल्यूशन दिया है कि हरियाणा विधान सभा को भंग कर दिया जाए।

श्री अध्यक्ष : कर्ण सिंह दलाल जी, इस रैजोल्यूशन को आपको सैशन शुरू होने से 15 दिन पहले देना चाहिए था। आपने यह रैजोल्यूशन कब दिया है ? (शोर एवं व्यवधान) आप अपनी सीट पर बैठ जाएं। मैं इस बारे में आपको रूल 171 पढ़ कर सुना देता हूं। (शोर एवं व्यवधान) It is clearly mentioned in the Book of Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly that :—

> "(Rule-171) : A member other than a Minister who wishes to move resolution shall give not less than fifteen clear days' notice of his intention and shall submit, together with the notice, the text of the resolution which he wishes to move :
>
> Provided that the Speaker, with the consent of the Minister to whose department the resolution relates, may allow it to be entered on the list of business with shorter notice than fifteen days."

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी ने बी०ए०सी० की कमेटी की मीटिंग में कहा था कि आप रैजोलूशन ले आओ मैं असैम्बली भंग कर दूंगा। आप इस बारे में उनसे पूछ लें। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : आपका रैजोल्यूशन समय पर नहीं आया है। (शोर एवं व्यवधान) चौधरी जय प्रकाश जी, आप अपनी सीट पर बैठें। (शोर एवं व्यवधान) कर्ण सिंह जी, आप भी अपनी सीट पर बैठें। (शोर एवं व्यवधान) बैठिए। (शोर एवं व्यवधान) भूपेन्द्र सिंह जी, आप किस विषय पर बोलना चाहते हैं ? (शोर एवं व्यवधान)

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, जो रैजोल्यूशन अण्डर रूल 171 दिया गया है। उसके बारे में बोलना चाहता हूं। अध्यक्ष महोदय, बी०ए०सी० की मीटिंग में आप भी थे। मुख्य मंत्री जी ने उसमें कहा था कि अगर आप विधान सभा को भंग करने के लिए रैजोल्यूशन लाएंगे तो मैं विधान सभा भंग कर दूंगा। मगर आप अब भागना चाहते हैं तो भाग जाओ। (शेम-शेम) अब आप अपनी कही हुई बात से भाग रहे हैं तो हम क्या कह सकते हैं ?

श्री अध्यक्ष : भूपेन्द्र सिंह जी, यह रैजोल्यूशन रूल के मुताबिक नहीं आया है। अब आप अपनी सीट पर बैठ जाएं। (शोर एवं व्यवधान) मैं आपकी जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि जब हाउस सम्मन किया गया था तो उस समय 15 दिन से ज्यादा का समय आपके पास था। आप तब यह रैजोल्यूशन लाते। (शोर एवं व्यवधान) यह लो मेरी डिस्क्रीशन है और मेरी डिस्क्रीशन को मैं ही यूज करूंगा, आप तो यूज नहीं कर सकते हैं। (शोर एवं व्यवधान) मेरी डिस्क्रीशन है और मेरी डिस्क्रीशन को मैं ही यूज करूंगा, कोई और तो यूज नहीं कर सकता है। (शोर एवं व्यवधान) भजन लाल जी, आप किस विषय पर बोलना चाहते हैं।

चौ० भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री जी ने कहा था कि आप प्रस्ताव लाएं तो मैं असैम्बली डिजोल्व कर दूंगा।

श्री अध्यक्ष : आप अपनी सीट पर बैठ जाएं। (शोर एवं व्यवधान) राम किशन फौजी, आप अपनी सीट पर बैठ जाएं। (शोर एवं व्यवधान) कादियान साहब, आप भी बैठें। (शोर एवं व्यवधान) आप सब बैठिए, प्रो० सम्पत सिंह जी बोलेंगे।

वित्त मंत्री (प्रो० सम्पत सिंह) : स्पीकर सर, यह बहुत ही अचम्भे वाली बात है कि लीडर आफ दि अपोजीशन, कर्ण सिंह दलाल और चौधरी भजन लाल जी भी ऐसी बातें यहां पर कर रहे हैं। लीडर आफ दि अपोजीशन नैक्स्ट टू सी०एम० माना जाता है। (शोर एवं व्यवधान)

मुख्यमंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) : भजन लाल जी, सम्पत सिंह जी जो कह रहे हैं क्या आपको यह बात सुहाती है। (हंसी)

हिन्दू कन्या महाविद्यालय, जगाधरी की छात्राओं का अभिनन्दन करना

मुख्यमंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) : अध्यक्ष महोदय, हिन्दू गर्ल्ज कालेज, जगाधरी की छात्राएं सदन की गैलरी में सदन की कार्यवाही देखने के लिए बैठी हुई हैं। मैं इन छात्राओं का अभिनन्दन करता हूं। मैं अपने सभी साथियों से निवेदन करना चाहूंगा आप जो कुछ भी करते हैं उसी से नई पीढ़ी प्रेरणा लेती है इसलिए आप सबको सदन में अपना आचरण सही रखना चाहिए।

गैर सरकारी संकल्प/स्थगन प्रस्ताव/ध्यानाकर्षण प्रस्तावों की सूचनाएं (पुनरारम्भ)

मुख्यमंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) : जहां तक रैजोल्यूशन का प्रश्न है तो मुझे बहुत अफसोस के साथ कहना पड़ता है कि आप किसी मामले में भी सीरियस नहीं, संविधान का तो आपको ज्ञान नहीं है यह मैं भी मान सकता हूं। अध्यक्ष महोदय, भारतीय संविधान के मुताबिक इस देश का हर मतदाता जो 18 वर्ष का है और जिसको वोट देने का अधिकार मिला हुआ है, वह अपनी सरकार पांच साल के लिए बनाता है, विधायक चुनता है इसलिए पांच साल तक तो हमारी जिम्मेवारी है कि हम प्रदेश की जनता की सेवा करें। ये तो यह काम भी नहीं कर सकते। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, ये सभ्य बनें और इन छात्राओं के सामने तो ऐसा प्रदर्शन न करें। इनको समझना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, ये किसी मामले में भी सीरियस नहीं है बजट अधिवेशन है पूरे साल का लेखा जोखा होना है और यह भी मानकर चलना चाहिए कि इसके बाद अगला बजट जो प्रस्तुत होगा, वह नयी बनी हुई सरकार प्रस्तुत करेगी इसलिए ये जब जनता के बीच में जाएंगे तो इनको अपनी छवि को निखारकर जाना पड़ेगा। अध्यक्ष महोदय, न तो ये संविधान के प्रति सीरियस हैं, न प्रदेश की जनता के प्रति सीरियस हैं और न ही ये अपने प्रति सीरियस हैं। जब ये जनता के बीच मैदान में जाएंगे तो इनको आटे दाल का भाव पता चलेगा। हुड्डा साहब तो चाहते ही यही हैं क्योंकि इनकी मंशा यही है कि किसी तरह से इनका दाव लग जाए, कहीं कोई सूत बैठ जाए। लेकिन कैसे बैठेगा आखिर इनको टिकट तो भजन लाल जी ही देंगे क्योंकि वे इनके प्रैसीडैन्ट हैं। भजन लाल जी, यह तो आप ही तय करोगे ? (विघ्न)

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, इनको जो हाउस में बात कही गयी है उसका जवाब देना चाहिए। साढ़े चार साल तक इन्होंने क्या किया है उसके बारे में बताना चाहिए। (विघ्न) इनसे जो सवाल किया गया है उसके बारे में इनको बताना चाहिए।

श्री अध्यक्ष : हुड्डा साहब, आप बैठिए।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, ये कहीं भी सीरियस नहीं हैं। इनको असैम्बली के रूल्ज का भी ज्ञान नहीं है और न ही इनको देश के संविधान का ज्ञान है।

श्री भुपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, * * *

श्री अध्यक्ष : हुड्डा साहब की कोई बात रिकार्ड न की जाए। हुड्डा साहब, आप बैठें। आप सुनिए लीडर ऑफ दी हाउस की बात।

श्री भुपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, * * *

श्री अध्यक्ष : हुड्डा साहब, आप पेशंश रखिए और आराम से सुनिए। आप उनको अपनी बात पूरी करने दें। जब वक्त आएगा तो आपको भी बोलने का मौका दिया जाएगा इसलिए अब आप बैठें। (विघ्न)

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, ये सब्जैक्ट से बाहर जाकर बात कर रहे हैं।

श्री अध्यक्ष : कैप्टन साहब, आप बैठें। जय प्रकाश जी, आप भी बैठें।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, इनसे कोई पूछने वाला हो कि ये आपकी बिना परमिशन लिए ही खड़े हो जाते हैं इनको थोड़ा तो सोचना चाहिए। आखिर चेयर है लेकिन ये चेयर की बिना परमिशन के ही खड़े हो जाते हैं। भारतीय संविधान के मुताबिक हाउस डिजोल्यूशन की परिस्थिति दो स्टेज पर ही आती है या तो सरकार अस्थिर हो या फिर ऐसी परिस्थिति आ गयी हो कि इसके अलावा और कोई चारा ही न हो। लेकिन यहां पर तो ऐसी कोई स्थिति नहीं है फिर किस लिए हाउस डिजोल्व हो ? अध्यक्ष महोदय, मैं तो यह कहना चाहूंगा कि हरियाणा विधान सभा के चुनाव फरवरी, 2005 में ही होंगे और उसमें भी ये दोबारा से नहीं आएंगे।

चौ० भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, अभी मुख्यमंत्री जी ने संविधान की भी चर्चा की और हाउस के बारे में भी इन्होंने बहुत उपदेश दे दिया। मैं कहना चाहूंगा कि ज्ञान हमको भी है इनको ज्यादा होगा। हम तो यही कह सकते हैं।

श्री अध्यक्ष : भजन लाल जी, आपने जो नोटिस दिया है पहले आप उसको पढ़ें फिर हम उसको एंटरप्रियरेट कर लेंगे।

चौ० भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, जो इन्होंने कहा है मैं उसके बारे में कह रहा हूं। मैं अपशब्द की बात नहीं कहता और न ही कहने का सवाल है। हाउस में सबसे सीनियर अगर कोई है तो यह भजन लाल है उम्र में भी और नम्बरों के नाते भी।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : वह बात आपको नहीं सुहा रही थी और यह बात हुड्डा साहब को नहीं सुहा रही है।

श्री अध्यक्ष : हुड्डा साहब, आपने जो नोटिस दिया है पहले मैं उसको पढ़ देता हूं। (शोर एवं व्यवधान)

चौ० भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, पार्लियामैंट का इलैक्शन 6 महीने पहले इसलिए करा रहे हैं क्योंकि तीन स्टेट्स में बी०जे०पी० की जीत हो गई। उसी नजरिए से ये लोकसभा भंग करके फायदा उठाना चाहते हैं लेकिन वह फायदा उनको नहीं मिलने वाला है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : आप इस बात का तो विरोध कर रहे हैं कि लोकसभा क्यों भंग हो गई और यहां आप विधान सभा को भंग कराना चाहते हैं। लोकसभा कुछ महीने पहले भंग हो

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

गई उसका तो आप विरोध कर रहे हैं और यहां एक साल बाकी रहता है और यहां आप भंग कराने की बात कह रहे हैं।

चौ० भजन लाल : अब भंग हो गई तो हो गई। जब भंग हो ही गई है तो आप क्यों ऐसी बातें करते हैं। अध्यक्ष महोदय, चौटाला साहब ने खुद मीटिंग में हुड्डा साहब को कहा कि प्रस्ताव ले आओ, असैम्बली भंग करने का, भंग कर देंगे। बी०जे०पी० इनके कारनामे देखकर भाग गई। अब ये मानते नहीं हैं। पहले प्रस्ताव कहकर भंगवाया। हुड्डा साहब को बोला । (शोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : आपके कहने के मुताबिक मान लें तो इससे ज्यादा और क्या बात होगी कि घर की अक्ल होती तो हुड्डा साहब किसी के कहने क्यों लगते। (हंसी)

चौ० भजन लाल : मैंने हुड्डा साहब को यह बात कही थी।

श्री अध्यक्ष : भजन लाल जी, आपने हुड्डा साहब को क्या कहा था ?

चौ० भजन लाल : यह कहा था कि यह लोग मानने वाले नहीं हैं।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, मेरे बारे में जो बात कही गई है उसे मुझे स्पष्ट कर लेने दें।

श्री अध्यक्ष : हुड्डा साहब, पहले मैं एक बार नोटिस पढ़ दूं उसके बाद आप बोल लेना। आपने तीन बातें कहीं हैं एक आपने हाउस डिजौल्यूशन के बारे में कहा है। दूसरा फ्रैस इलैक्शन के बारे में कहा है, तीसरा आपने इलैक्शन इकोनोमी में एक्सपैन्डीचर के लिए कहा है उसके लिए नोटिस पन्द्रह दिन पहले आना चाहिए आपने उसके लिए रिक्वीजीशन पूरी नहीं की है। (विघ्न) अब अभय सिंह चौटाला जी बोलेंगे।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, पहले मेरा बोलने का अधिकार है।

श्री अध्यक्ष : आपका अधिकार भजन लाल ले लेते हैं तो मैं क्या करूं।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : हर सदस्य का अपना अधिकार है।

श्री अध्यक्ष : अधिकार है लेकिन आप चुप रहें और भजन लाल बोलने के लिए खड़े हो जाएं तो मैं क्या कर सकता हूं ?

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : आप ऐसे अध्यक्ष हैं जो प्रजातंत्र का गला घोट रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : भजन लाल और आप दोनों खड़े होते हैं आप चौधरी भजन लाल को कंट्रोल में रखें।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : आप ही किसी के कंट्रोल में नहीं हैं, आप अपने फर्ज का निर्वाह नहीं कर रहे हैं। मुझे बड़े अफसोस के साथ कहना पड़ता है।

श्री अध्यक्ष : आपको तो सारा ही अफसोस है।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : मेरा नाम चर्चा में आया है इसलिए मेरा बोलने का अधिकार है।

श्री अध्यक्ष : आपके मैम्बर नहीं मान रहे वे पीछे से खड़े हो जाते हैं।

चौ० जय प्रकाश : अध्यक्ष महोदय, यह मजाक नहीं चलेगा।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी ने चर्चा की कि समय से पहले चुनाव किन हालात में होते हैं। भारतीय जनता पार्टी से इनकी बन नहीं रही है इसलिए यह दोहरी भाषा बोल रहे हैं। ये इस सदन को डिजोल्व करें क्योंकि लोगों की भी मन्शा यही है कि इस सरकार से जल्द से जल्द पीछा छुड़े। मैं तो इनको बड़ा भाई समझता था लेकिन चौधरी भजन लाल जी ने ठीक कहा था कि यह ठीक नहीं है मैं तो समझता था कि ये एक अच्छे परिवार से हैं स्वतंत्रता सेनानी परिवार से हैं। अध्यक्ष महोदय, आपकी हाजरी में पांच सदस्यों के सामने यह कहा था इसलिए मैंने सोचा मान जायेंगे मुझे क्या पता था कि रातोंरात में बदल जायेंगे ? बी०जे०पी० से तो इनका नाता टूट गया है। ये साढ़े चार साल तक पूरे प्रदेश को गुमराह करते रहे (विघ्न) अब मैदान में देखेंगे।

श्री अध्यक्ष : हुड्डा साहब, आप बैठिये।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, रूल 171 में प्रोवाइडीड है। इसको मैं पढ़ देता हूं।

श्री अध्यक्ष : हुड्डा साहब, आप शुरू से यह रूल पढ़िये।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, आपने 15 दिन के नोटिस की चर्चा की है।

श्री अध्यक्ष : शुरू में यह नहीं है। दूसरी जो चीज है वह डिजोल्यूशन की और इलैक्शन की है हम इलैक्शन नहीं करा सकते। आपको स्पैसिफिक ईशू उठाना चाहिए था।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, In Rule-171 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly, it is mentioned that :

> "Provided that the Speaker, with the consent of the Minister to whose department the resolution relates, may allow it to be entered on the list of business with shorter notice than fifteen days."

अगर 15 दिन का नोटिस का समय नहीं है तो हम अपनी रिक्वैस्ट भेजना चाहते हैं।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, आप इस कंडीशन को वेव ऑफ कर सकते हैं और इस रैजोल्यूशन पर चर्चा करा सकते हैं।

श्री अध्यक्ष : आप इस्तीफा देकर फरीदाबाद से लोक सभा का चुनाव लड़ सकते हैं ?

श्री अभय सिंह चौटाला : स्पीकर महोदय, मैं आपके माध्यम से सम्मानित सदस्यों को बताना चाहता हूं क्योंकि इस बात को लेकर कुछ साथी खड़े हुए और कहा कि असैम्बली को डिजाल्व किया जाए। फरवरी, 2005 का इलैक्शन का समय है। लोकसभा का चुनाव आ गया है। चौधरी भजन लाल की कांग्रेस पार्टी ने इस बात को लेकर लोकसभा में तो विरोध किया और यहां पर एसैम्बली को डिजोल्व करने की बात करते हैं। मात्र 4-5 साथी खड़े हुए, एक तो हुड्डा साहब, एक जयप्रकाश खड़े हुए और दो सम्मानित सदस्य जो इनकी पार्टी के नहीं हैं, वह खड़े हुये। वह हैं कर्ण सिंह दलाल और राम किशन फौजी। हरियाणा विकास पार्टी के पास तो अम्बाला और सिरसा में लोक सभा चुनाव लड़ने के लिए कंडीडेट नहीं हैं।

श्री रामकिशन फौजी : विधान सभा का चुनाव करा कर देख लें सब पता चल जायेगा।

श्री अध्यक्ष : आप बैठिये।

श्री अभय सिंह चौटाला : जय प्रकाश जी हिसार से और कर्ण सिंह दलाल फरीदाबाद से लोक सभा चुनाव लड़ कर देख लें, तसल्ली हो जायेगी।

चौ० जय प्रकाश : स्पीकर साहब, मैं तैयार हूं मेरा इस्तीफा इनके इस्तीफे के साथ मंजूर कर लें। (विघ्न)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, एक ऐसा इशू सदन के समक्ष आपके माध्यम से प्रस्तुत किया गया जो कानूनन ठीक नहीं है और फिर उस पर ये बहस भी कर रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से इनको बताना चाहूंगा कि लोक सभा के चुनाव हो रहे हैं उसमें निश्चित रूप से एक-एक वोटर के वोट पड़ेंगे। विपक्ष के भाई अपने-अपने विधान सभा क्षेत्र में देख लेंगे कि लोक सभा चुनाव में उनका क्या हाल होता है। उसके बाद इनको एक साल सरवाइवल का और समय मिल जायेगा। अध्यक्ष महोदय, लोक सभा चुनाव में इनकी मद पिटेगी। यह सदन मार्च, 2005 तक रहेगा। अध्यक्ष महोदय, विपक्ष के साथी कहते हैं कि लोक सभा के साथ विधान सभा के चुनाव हों क्योंकि यह प्रदेश की जनता की सोच है। इस बारे मैं यह कहना चाहूंगा कि यह प्रदेश की जनता की सोच नहीं है, जनता ने तो अपनी सोच विधायकों के माध्यम से यहां भेज दी है। ये कहते हैं कि भाजपा ने मना कर दिया। अध्यक्ष महोदय, हमें न भाजपा की आवश्यकता है और न इनकी आवश्यकता है। हमारे पास हमारे 48 मैंबर हैं और 10 निर्दलीय मैंबर भी हमारे साथ हैं। जो ये अब चुनाव कराने की बात कर रहे हैं इस बारे में इनको लोक सभा चुनाव में ही पता लग जायेगा। ये नाई वाले बाल हैं आगे ही आ जायेंगे। (शोर एवं व्यवधान)

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, दो दिन पहले तो फील गुड फैक्टर की चौटाला साहब बात कर रहे थे और आज ये फील गुड फैक्टर को भूल गये। (शोर एवं व्यवधान)

चौ० जय प्रकाश : अध्यक्ष महोदय, . . (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : हुड्डा साहब, प्लीज आप बैठिये। (शोर एवं व्यवधान) जे०पी० जी, प्लीज आप बैठिये। आपको भी बोलने का अवसर मिलेगा। यदि आप इस्तीफा देना चाहते हैं तो दे दें, मैं मंजूर कर दूंगा। (शोर एवं व्यवधान)

चौ० जय प्रकाश : अध्यक्ष महोदय, आप मुख्यमंत्री जी से विधान सभा चुनावों के लिए हां करवा दें, मैं इस्तीफा दे दूंगा।

श्री अध्यक्ष : जय प्रकाश जी, यदि आपने इस्तीफा देना है तो आप मेरे पास दे दें, मैं मंजूर कर दूंगा।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से पूरे सदन को कहना चाहूंगा कि सभी मैंबरों का यह अधिकार है कि वे अपनी विधान सभा सदस्यता से इस्तीफा दे सकते हैं। उस पर कोई पाबंदी नहीं है और विपक्ष के साथी आमन्त्रित हैं यदि वे अपना इस्तीफा देना चाहते हैं तो स्पीकर साहब को दे सकते हैं। (शोर एवं व्यवधान) स्पीकर साहब, मैं आपसे अनुरोध करूंगा और आपके माध्यम से विपक्ष के साथियों को आश्वस्त करूंगा कि इनको लिखित में इस्तीफा देने

[श्री ओम प्रकाश चौटाला]

की आवश्यकता नहीं है वे सदन में खड़े होकर कह दें कि वे इस्तीफा देना चाहते हैं, इसी से इनका इस्तीफा स्पीकर सर, आप मंजूर कर लेना।

चौ० जय प्रकाश : अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी विधान सभा चुनावों की घोषणा कर दें, मैं इस्तीफा देने की बात कहने के लिए तैयार हूं।

श्री ओम प्रकश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं विपक्ष के साथियों को बताना चाहूंगा कि हमने प्रदेश की जनता से वायदा किया है कि हम उनकी पांच साल तक सेवा करेंगे और इसमें अभी एक साल का समय और बचा है। हम एक साल तक प्रदेश की जनता की सेवा करेंगे और विपक्ष की छाती पर मूंग दलेंगे।

श्री कृष्ण पाल : अध्यक्ष महोदय, . . . (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : कृष्ण पाल जी, प्लीज आप बैठें।

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, ये इस्तीफा देकर चुनाव लड़ें तब पता चल जाएगा मूंग दलने का . . . (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : कृष्ण पाल जी, प्लीज आप बैठें। चौधरी भजन लाल जी, प्लीज आप भी बैठें। (शोर एवं व्यवधान) भजन लाल जी, प्लीज आप बैठिये, इस तरह से खड़े नहीं होते। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अभय सिंह चौटाला : स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से उसी बात पर आऊंगा। विपक्ष के साथियों ने मांग की कि अभय सिंह इस्तीफा दे दें और वे भी दे देंगे। इस बारे में मैं इनको कहना चाहूंगा कि यदि इनको हरियाणा प्रदेश का इतना ही ख्याल है जैसा कि हुड्डा साहब कह रहे थे कि प्रदेश की बात है। प्रदेश के हित के लिए तो चौधरी देवी लाल जी ने और श्री मंगल सेन जी ने एस०वाई०एल० के मामले पर इस्तीफा दिया था और नये सिरे से चुनाव भी लड़ा था। अभी विधान सभा चुनावों में एक साल का समय है और विपक्ष के साथियों को यदि प्रदेश का ख्याल है तो ये इस्तीफा देकर दोबारा से चुनाव लड़ लें। मैं मुख्यमंत्री जी से अनुरोध करूंगा कि जो सदस्य इस्तीफा दें उनकी खाली सीटों के चुनाव भी लोक सभा चुनाव के साथ करवा दिये जायें। इससे पता लग जावेगा कि विपक्ष के साथी प्रदेश का कितना हित चाहते हैं। (शोर एवं व्यवधान) यमुनानगर के बाई इलैक्शन में विपक्ष के साथियों ने देख लिया इनका क्या हाल हुआ था और उसके बाद फतेहाबाद के उप चुनाव में भी इन्होंने देख लिया। भाजपा वाले भी अब चिल्ला रहे हैं लेकिन फतेहाबाद उप चुनाव में उनको भी पता लग गया।

श्री कृष्णपाल : अध्यक्ष महोदय, इन्होंने मेरी पार्टी का नाम लिया है इसलिए मैं इस बारे में कहना चाहता हूं।

श्री अध्यक्ष : कृष्ण पाल जी, प्लीज आप बैठें। नोटिस में आपका नाम नहीं है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री धर्मवीर सिंह : स्पीकर साहब, मैं आप की इजाजत से एक बात पूछना चाहता हूं कि जब इनका और भाजपा का गठबंधन था तो ..... (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : आप का कोई काल अटैंशन मोशन हो और उस बारे में पूछना चाहते हों तो पूछें। बाकी इधर-उधर की बातें न करें। आप बैठ जाएं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री कृष्णपाल : अभी अभय चौटाला जी ने बोलते हुए हमारी पार्टी का नाम लिया है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : कृष्ण पाल जी, आप बैठें। आपको बोलने का समय नहीं दिया गया है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री कृष्णपाल : इन्होंने मेरा नाम लिया है। इसलिए आप मेरी बात तो सुनें। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : आप बैठिये। (शोर एवं व्यवधान)

श्री कृष्णपाल : अध्यक्ष महोदय, * * * * (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : कृष्ण पाल जी की कोई बात रिकार्ड न की जाये।

श्री कृष्णपाल : अध्यक्ष महोदय, * * * * (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : कृष्ण पाल जी, आई वार्न यू। आप बैठिये। आपकी कोई बात रिकार्ड नहीं हो रही। अब डिप्टी स्पीकर साहब अपनी बात कहेंगे।

श्री कृष्णपाल : अध्यक्ष महोदय, * * * * (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : कृष्ण पाल जी, आप बैठिये।

श्री उपाध्यक्ष (श्री गोपी चन्द गहलौत) : स्पीकर साहब, यहां पर भजन लाल जी बैठे हुए हैं। वे 20 साल से एक ही बात कह कर वोट मांगते रहे हैं कि ये अपोजीशन के भाई थानि जब हम अपोजीशन में होते थे तो कहते थे कि ये सरकार नहीं चला सकते। इन्होंने सरकार चलाने में पी०एच०डी० की डिग्री की हुई है। ये कहते थे मैं इस सरकार को 3 महीने में गिरा दूंगा, फिर कहने लगे कि 6 महीने में गिरा दूंगा। आज इनके लिए सरकार को तोड़ना दूर की बात हो गयी है। अब इनकी इस मामले में पी०एच०डी० की डिग्री कहां चली गई है ? अब फिर ये वही पुरानी बात कह रहे हैं कि चुनाव करवा कर देख लो। पहले ये बताएं कि अब इनकी पी०एच०डी० की डिग्री कहां चली गई।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, मेरा एक काल अटैंशन मोशन एस०वाई०एल० के बारे में था, उसका क्या हुआ ?

श्री अध्यक्ष : वह अन्डर कन्सीड्रेशन है।

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, मेरा ऐडजर्नमैंट मोशन था उसका क्या फेट हुआ है ? (शोर एवं व्यवधान)

11.00 बजे

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, जीरो आवर में हमें अपनी बात कहने का राईट है। (शोर एवं व्यवधान) हमने जो कॉलिंग अटैंशन मोशन दिए हुए हैं उनका क्या फेट हुआ, आप हमें यह तो बताएं (शोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker : Hooda Sahib, please take your seat. I will inform all the members about the fate of Calling Attention Motions one by one. Notice of calling attention motion given by Shri Karan Singh Dalal regarding not giving proper attention to the handicapped and blind persons in the State, has been disallowed. His second notice of calling attention motion regarding shortage of power has also been disallowed. His third notice of calling attention motion regarding running of contaminated water in all canals and distributaries, has been disallowed. His fourth notice of calling attention motion regarding pollution in the atmosphere of District Faridabad, has also been disallowed.

Notice of calling attention motion given by Capt. Ajay Singh Yadav regarding the pollution in the air due to automobiles/polluting factories, has been disallowed. His second notice of calling attention motion regarding acquisition notice under section 6 given by HUDA in several villages in Rewari district, has been disallowed. His third notice of calling attention motion regarding increasing cases of cancer in Haryana has been disallowed. His fourth notice of calling attention motion regarding recent hailstorms in Rewari district, has been sent to the Government for comments. His fifth notice of calling attention motion regarding retrenchment of employees from Government departments is under consideration. His sixth notice of calling attention motion regarding setting up of a University in the backward area of South Haryana, is under consideration.

Notice of non-official resolution given by Shri Bhupinder Singh Hooda, Shri Karan Singh Dalal, Shri Jagjit Singh Sangwan and Shri Ram Kishan Fauji regarding dissolution of Haryana Legislative Assembly, has been disallowed.

Notice of Adjournment Motion given by Shri Bhupinder Singh Hooda and 12 other MLAs regarding equal distribution of available water for irrigation in Haryana, has been disallowed.

Notice of Adjournment Motion given by Capt. Ajay Singh Yadav and 10 other MLAs regarding the Law and Order situation in the Haryana State has been disallowed.

Notice of Adjournment Motion given by Shri Bhupiner Singh Hooda and 12 others MLAs regarding failure of the Government to get the completion of the construction of the S.Y.L., has been sent to the Government for comments.

हुड्डा साहब, मैंने आपको सारे कॉलिंग अटैंशन मोशन के बारे में बता दिया है इसलिए आप अब बैठें।

नियम 121 के अधीन प्रस्ताव

Mr. Speaker : Now, the Parliamentary Affairs Minister will move the motion under rule 121, regarding nominations of various Committees.

Finance Minister (Prof. Sampat Singh) : Sir, I beg to move—

> That the provisions of Rules 231, 233, 235 and 270 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly in-so-far as they relate to the constitution of the :—
>
> (i) Committee on Public Accounts
>
> (ii) Committee on Estimates ;
>
> (iii) Committee on Public Undertakings ; and
>
> (iv) Committee on the Welfare of Scheduled Castes, Scheduled Tribes and Backward Classes,

for the year 2004-2005 be suspended.

Sir, I beg to move—

> That this House authorizes the Speaker, Haryana Vidhan Sabha to nominate the Members of the aforesaid Committees for the year 2004-2005, keeping in view the proportionate strength of various parties/groups in the House.

Mr. Speaker : Motion moved—

> That the provisions of Rules 231, 233, 235 and 270 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly in-so-far as they relate to the constitution of the :—
>
> (i) Committee on Public Accounts
>
> (ii) Committee on Estimates ;
>
> (iii) Committee on Public Undertakings ; and
>
> (iv) Committee on the Welfare of Scheduled Castes, Scheduled Tribes and Backward Classes,

for the year 2004-2005 be suspended.

And

> That this House authorizes the Speaker, Haryana Vidhan Sabha to nominate the Members of the aforesaid Committees for the year 2004-2005, keeping in view the proportionate strength of various parties/groups in the House.

Mr. Speaker : Question is—

That the provisions of Rules 231, 233, 235 and 270 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly in-so-far as they relate to the constitution of the :—

(i) Committee on Public Accounts

(ii) Committee on Estimates ;

(iii) Committee on Public Undertakings ; and

(iv) Committee on the Welfare of Scheduled Castes, Scheduled Tribes and Backward Classes,

for the year 2004-2005 be suspended.

And

That this House authorizes the Speaker, Haryana Vidhan Sabha to nominate the Members of the aforesaid Committees for the year 2004-2005, keeping in view the proportionate strength of various parties/groups in the House.

The motion was carried.

वाक आउट

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, * * * * * * * * * (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : दलाल साहब, आप बैठें। चेयर की परमिशन के बिना जो कुछ भी बोला जा रहा है वह रिकार्ड न किया जाए। (शोर एवं व्यवधान)

चौ० जगजीत सिंह : अध्यक्ष महोदय, * * * * * * * * * (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : सांगवान साहब, आप बैठें, आपकी कोई भी बात रिकार्ड नहीं की जा रही है।

श्री राम किशन फौजी : अध्यक्ष महोदय, * * * * * * * * * (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : फौजी साहब, आप अपनी सीट पर बैठ जाएं। आपको बोलने की कोई इजाजत नहीं है। (शोर एवं व्यवधान) आप सभी लोग बैठें।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, आप हमें बोलने की इजाजत नहीं दे रहे हैं इसलिए इसके विरोध में हम सदन से वाकआउट करते हैं।

(इस समय श्री कर्ण सिंह दलाल, चौ० जगजीत सिंह सांगवान तथा श्री रामकिशन फौजी सदन से बहिर्गमन कर गए)

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा

Mr. Speaker : Hon'ble members, now, discussion on the Governor's Address will take place. Shri Nafe Singh Rathi may move the motion (शोर एवं व्यवधान)

चौ० नफे सिंह राठी (बहादुरगढ़) : अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं—

> 'कि इस सत्र में इकट्ठे हुए हरियाणा सभा के सभी सदस्य इस अभिभाषण के लिए महामहिम राज्यपाल महोदय के अत्यन्त कृतज्ञ हैं जो उन्होंने 9 फरवरी, 2004 को देने की कृपा की है।'

अध्यक्ष महोदय, मैं इस अभिभाषण का समर्थन करता हूं तथा इस अभिभाषण पर अपने विचार प्रकट करता हूं। स्पीकर सर, हरियाणा सरकार ने पिछले 54 मास के दौरान प्रदेश के विकास को जन-कल्याण कार्यक्रमों के तहत एक नई दिशा दी है। नई शिक्षा नीति, नई औद्योगिक नीति, नई सूचना एवं प्रौद्योगिकीय नीति, जैव प्रौद्योगिकीय नीति और लोकप्रिय कार्यक्रम 'सरकार आपके द्वार' के माध्यम से सरकार लोगों तक पहुंची है। माननीय मुख्य मन्त्री चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी जिन्होंने खुले तौर पर लगातार इस प्रदेश के लोगों को अनेकों सुविधाएं देने का काम किया है और एक नई प्रथा चलाई है जिसके तहत हरियाणा सरकार ने विकास के अनेकों कार्य किए हैं जिनके लिए वे धन्यवाद के पात्र हैं। (विघ्न) माननीय मुख्यमंत्री श्री ओम प्रकाश चौटाला जी ने चौ० देवी लाल जी के पद चिन्हों पर चलते हुए एक नई प्रथा का शुभारम्भ किया है। इस सरकार के मुख्यमंत्री जी ने 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम के तहत जो घोषणाएं की हैं, गावों में लोगों से जो वायदे किए, उन वायदों को और उन घोषणाओं को उन्होंने पूरा किया है। चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी के नेतृत्व में इस सरकार ने 44 हजार विकास के कार्य पूरे किए हैं। यह एक रिकार्ड की बात है। इस सरकार के आने से पहले किसी भी सरकार ने ऐसा काम नहीं किया है। दूसरे प्रदेशों ने भी इस सरकार के नक्शे कदम पर चलते हुए इस सरकार की स्कीमों का अनुसरण किया है। अध्यक्ष महोदय, जन कल्याण की अनेक नीतियां हरियाणा सरकार ने बनाई हैं और लागू की हैं। 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम का अब चौथा चरण चल रहा है। इस कार्यक्रम के पहले तीन चरणों में जो भी माननीय मुख्यमंत्री जी ने वायदे किए थे उनको पूरा किया है। अब चौथे चरण में भी मुख्यमंत्री जी गांव-गांव में जाकर लोगों की समस्याओं के बारे में पूछते हैं और उनकी समस्याओं का समाधान करते हैं। आज हरियाणा के लोग उतावले हैं कि कब मुख्यमंत्री जी "सरकार आपके द्वार" कार्यक्रम के तहत उनके गांव में आएंगे और वे लोग अपनी मांगों को उनके सामने रखेंगे। आज मुख्यमंत्री पर लोगों का विश्वास है कि जो भी उन्होंने कहा है वह पूरा किया है। अध्यक्ष महोदय, इस सरकार के आने से पहले की जितनी भी सरकारें थी उनकी कथनी और करनी में अन्तर था। अब हम ग्रामीण विकास की बात लें तो इस कार्यक्रम के तहत अनुमानत: 1891.10 करोड़ रुपये की लागत से 28,822 विकास कार्य पूरे किए जा चुके हैं, जबकि 14,393 कार्य प्रगति पर हैं। गांवों में मैचिंग ग्रांट के तहत 3 करोड़ रुपये की राशि मंजूर की है जो कि रिकार्ड की बात है। शिक्षा के

[श्री नफे सिंह राठी]

क्षेत्र में भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इस सरकार के आने के बाद 1 हजार 37 स्कूल अपग्रेड किए गए हैं। यह पिछले 20 साल का रिकार्ड है कि आज तक किसी भी सरकार के वक्त में इतने स्कूल अपग्रेड नहीं किए गए हैं। अध्यक्ष महोदय, हमारे स्कूलों में प्राईमरी क्लासिज के बच्चे पहले नीचे बैठा करते थे। हमारे मुख्यमंत्री जी ने एक नियम लागू कर दिया है कि हरियाणा में स्कूलों में बच्चे नीचे नहीं बैठेंगे और इन्हीं आर्डर्ज के तहत स्कूलों में डैस्क लगा दिए गए हैं। इसके अलावा नई शिक्षा नीति के तहत पहली कक्षा से अंग्रेजी और छठी कक्षा से कम्पयूटर की शिक्षा अनिवार्य कर दी है। हमारी सरकार ने परीक्षाओं में नकल को रोकने का काम किया है। स्पीकर सर, परिवहन मंत्री श्री अशोक अरोड़ा जी यहां पर नहीं हैं मैं उनको धन्यवाद देना चाहूंगा और मुख्यमंत्री जी का भी धन्यवादी हूं कि हरियाणा रोडवेज में 3431 बसें रोजाना लगभग 1088 लाख किलोमीटर की दूरी तय करती है। इस सरकार के राज में गत तीन वर्षों में 2100 से अधिक पुरानी बसों के स्थान पर नई एवं अत्याधुनिक बसें लगाई हैं। उन बसों की बॉडीज बहुत ही अच्छी बनी है। पिछली सरकारों के वक्त में जो बसों की बाडिज पर खर्चा होता था उससे कम में अब बसों की बाडिज को बनवाया है। **(इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुए।)** उपाध्यक्ष महोदय, दूसरे प्रदेशों के लोग हरियाणा रोडवेज की बसों का इन्तजार करते हैं कि जब हरियाणा रोडवेज की बसें आएंगी तो उनमें ही जाएंगे। हमारी सरकार मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में लगभग 750 बसों के रूटों पर नए परमिट देने जा रही है। ऐसा करके हमारी सरकार हरियाणा के लोगों को नई परिवहन सुविधा देने जा रही है। जो भी अधिकतम बोली देगा, उसी को रूट का परमिट दिया जाएगा।

उपाध्यक्ष महोदय, इस सरकार के आने के बाद खेलों को बहुत प्रोत्साहन दिया गया है। जब से भाई अभय सिंह चौटाला जी ओलम्पिक ऐसोसिएशन के अध्यक्ष बने हैं तब से बहुत ही ज्यादा काम खेलों के प्रति किए गए हैं। हरियाणा में पांच करोड़ रुपये के नकद ईनाम खिलाड़ियों को दिए गए हैं। उपाध्यक्ष महोदय, आप और मैं भी खिलाड़ी रहे हैं। हमें तो कहीं पर आने जाने के लिए किराया नहीं मिलता था। मुझे आज भी याद है मेरा मास्को जाने का नम्बर आया था लेकिन पैसा न होने की वजह से मैं मास्को नहीं जा पाया था लेकिन आज हरियाणा सरकार न केवल खिलाड़ियों को प्रोत्साहन दे रही है बल्कि उसमें खिलाड़ियों को खुराक भत्ता जहां पहले तीस-तीस रुपये हुआ करता था, उसको बढ़ाकर सौ रुपये करने का काम किया है जिसके लिए सरकार बधाई की पात्र है। डिप्टी स्पीकर सर, जब से हरियाणा सरकार बनी है तब से इस सरकार द्वारा उद्योगों की तरफ विशेष तौर पर ध्यान दिया गया है। सरकार बनने के बाद हरियाणा में 4700 नये छोटे, मध्यम और बड़े दर्जे के उद्योग स्थापित हुए हैं जोकि अपने आप में एक रिकार्ड है। अगर उत्तरी भारत में कहीं पर भी इतने अधिक उद्योग स्थापित हुए हैं तो वह हरियाणा में ही हुए हैं। इसके अलावा हमारी सरकार ने 4819 करोड़ रुपये के प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के और भी प्रस्ताव पारित किए हैं। 1999 से लेकर अब तक राज्य में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के माध्यम से 3132 करोड़ रुपये का निवेश हुआ है। इस तरह से उद्योगों को इस सरकार द्वारा बढ़ावा दिया गया है। डिप्टी स्पीकर सर, हमारी सरकार ने इसी तरह से दस हजार करोड़ रुपये का निर्यात विदेशों में किया है और इस साल यह निर्यात बारह हजार करोड़ रुपये का होने की संभावना है। 1998-99 में जब चौधरी बंसी लाल जी मुख्यमंत्री थे तो उस समय केवल चार सौ करोड़ रुपये का व्यापार हुआ था लेकिन अब यह बारह हजार करोड़ रुपये का हुआ है जोकि एक रिकार्ड की बात है और यह हरियाणा के लिए भी गौरव की बात है।

डिप्टी स्पीकर सर, इसी तरह से पहले हरियाणा प्रदेश में सड़कों की बहुत बुरी हालत थी। जब 1995 में बाढ़ आयी थी तो उस दौरान तमाम सड़कें टूटी पड़ी थीं। दो साल भजन लाल जी और लगभग साढ़े तीन साल बंसी लाल जी भी मुख्यमंत्री रहे लेकिन इन्होंने सड़कों की तरफ ध्यान नहीं दिया। लोग सड़कों के बजाए नीचे चलना पसंद करते थे क्योंकि सड़कों का कहीं पर भी नामो निशान नहीं था लेकिन हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी ने पिछले चार सालों के दौरान जो सड़कों का काम करवाया है वह काबिले तारीफ है। आज दिल्ली की सड़कें खराब हो सकती हैं लेकिन हरियाणा की सड़कें आज बहुत अच्छी हालत में हैं। माननीय मुख्यमंत्री जी ने मार्केटिंग बोर्ड के माध्यम से और पी०डब्ल्यू०डी० (बी० एंड आर०) के माध्यम से 2859 किलोमीटर लम्बी सड़कों का सुधार करवाया और बीस किलोमीटर लम्बी सड़कों का निर्माण करवाया। इसके अलावा सड़कों का इस साल और भी सुधार किया जा रहा है। डिप्टी स्पीकर सर, हमें पता है क्योंकि हम और आप तो दिल्ली के नजदीक रहते हैं। पहले जब हम भी दिल्ली से हरियाणा में घुसा करते थे तो हम देखते थे कि लोग हरियाणा की सड़कें देखकर वापस चला जाया करते थे और यहां तक कि उस समय गांवो में रिश्ते आने भी बंद हो गये थे। इतनी बुरी हालत उस समय सड़कों की हो गयी थी, सारी सड़कें खराब हो चुकी थीं लेकिन आज की सरकार ने जो 18 फुट और 24 फुट की चौड़ी प्रैस की सड़कें बनवायी हैं उसके लिए सरकार बधाई की पात्र हैं। इसी तरह से कानून व्यवस्था के बारे में सबसे ज्यादा इफैक्टिड एरिया बहादुरगढ और सोनीपत रहे हैं जोकि दिल्ली के साथ लगते हुए हैं। मैं कहना चाहूंगा कि जब चौधरी भजन लाल और चौधरी बंसी लाल जी की सरकार थी तो हमारे बहादुरगढ़ एरिये में एक दो नहीं बल्कि दर्जनों बेबी किलर कांड हुआ करते थे। छोटी-छोटी बच्चियों को मारकर फेंक दिया जाता था और बेबी किलर पकड़े भी नहीं जाते थे लेकिन आज हमारे मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में जो सरकार चल रही है उसमें एक भी इस किस्म का घिनौना कार्य कहीं पर भी नहीं हुआ है। पहले इस किस्म की गुंडागर्दी दिल्ली के साथ लगते एरिये में हुआ करती थी। पुलिस कस्टडी में बदमाश एलीमैन्ट वसूली का काम करते थे। अभी हमारे बी०जे०पी० के साथी शोर मचा रहे थे और यहां पर पार्लियामैन्ट चुनाव की बात चल रही थी, मैं उनको बताना चाहूंगा कि अभी दो जगह पर यानी बहादुरगढ़ डबवाली में नगरपालिका के चुनाव हुए थे। वहां पर शहर के लोगों ने इनको शीशा दिखाने का काम किया है। 25 सीटें बहादुरगढ़ में और 19 में से 19 सीटें डबवाली में हमारी पार्टी को मिली हैं। यह इस बात का प्रमाण है कि हरियाणा प्रदेश के लोग इस पार्टी को चाहते हैं चाहे बहादुरगढ़ की बात है चाहे मंडी डबवाली की बात है। कांग्रेस, हरियाणा विकास पार्टी और भारतीय जनता पार्टी इन तीनों पार्टियों के लोगों ने मिलकर चुनाव लड़ा उसके बावजूद भी कांग्रेस को केवल 2 और भारतीय जनता पार्टी को एक सीट मिली है और उन्होंने भी यह कहा है कि अगर हम जीतेंगे तो इंडियन नेशनल लोकदल के साथ जाएंगे। उपाध्यक्ष महोदय, हमने केवल विकास के नाम पर वोट मांगा है, शांति के नाम पर वोट मांगा है, काम के नाम पर वोट मांगा है। हमने लोगों से कहा कि हमने अगर अच्छा काम किया हो तो हमें जिताएं। माननीय मुख्यमंत्री जी ने और हरियाणा सरकार ने विकास के काम किए और उन्हीं कामों की बदौलत आज दोनों शहरों में हमारी पार्टी के उम्मीदवार बहुत ही भारी बहुमत से जीतकर आए हैं। हमारे पार्षद 2 हजार, 1800 और 1600 वोटों से जीतकर आए हैं। अब आने वाले चुनावों में इन लोगों के कानों के पर्दे खुल जाएंगे जो ये चुनावों की बात करते हैं। उपाध्यक्ष महोदय, पिछले साल 40189 मुकदमे दर्ज हुए थे इस साल 38640 मामले दर्ज हुए हैं पिछले साल के मुकाबले इस साल 1550 मामले कम दर्ज हुए हैं इससे जाहिर है कि कानून व्यवस्था की स्थिति में सुधार हुआ है, हमारे प्रदेश में शांति है, कानून व्यवस्था ठीक

[श्री नफे सिंह राठी]

है। उपाध्यक्ष महोदय, अब मैं बिजली के बारे में जरूर बताना चाहूंगा। बिजली के मामले में पिछली सरकार की निस्बत इस सरकार ने ज्यादा बिजली देने का काम किया है। 71 नये सब स्टेशन बनाने व 240 की क्षमता बढ़ाने का काम किया गया है। पानीपत थर्मल प्लांट में 7वीं और 8वीं यूनिट का काम चल रहा है। मुख्यमंत्री जी ने इसका टाइमबाउंड प्रोग्राम बनाया है। आने वाले छह महीनों के अंदर पानीपत की सातवीं यूनिट का काम पूरा होने जा रहा है और उससे अगले छह महीनों के अंदर आठवीं यूनिट का काम भी पूरा हो जाएगा। प्रदेश में इनसे 500 मेगावाट अतिरिक्त बिजली का उत्पादन होने लगेगा। उसके बाद न केवल हरियाणा प्रदेश में 24 घंटे बिजली मिलेगी बल्कि हम दूसरे प्रदेशों को बिजली देने में भी सक्षम हो सकेंगे। माननीय मुख्यमंत्री जी ने जो कन्यादान स्कीम शुरू की है वैसे तो 5100 रुपये देने से कोई खास फर्क नहीं पड़ता लेकिन जो गरीब आदमी हैं जिनका गुजारा बहुत ही मुश्किल से होता है जो लोग हैंड टू माउथ हैं यदि ऐसे आदमी को उसकी लड़की के विवाह के मौके पर 5100 रुपये कन्यादान के लिए मिल जाएं तो उसे काफी फर्क पड़ता है, उसे काफी मदद मिलती है। अब हरियाणा सरकार ने उस स्कीम का विस्तारीकरण कर दिया है पहले तो जो गरीब हरिजन थे उनको उनकी बेटी के विवाह के मौके पर 5100 रुपये की राशि कन्यादान के लिए दी जाती थी अब सरकार ने यह किया है कि चाहे किसी भी जाति का जो भी आदमी हो, गरीबी रेखा के नीचे जो होगा, उसको 5100 रुपये की मदद राशि उसकी लड़की की शादी के मौके पर दी जाएगी। यह स्कीम इतनी अच्छी है कि पंजाब सरकार भी इसका अनुसरण करने जा रही है। इसके अलावा सरकार ने एक नयी स्कीम भी चालू की है वह है गांवों में महिला शौचालय बनाने की। उपाध्यक्ष महोदय, आप गांव से संबंध रखते हैं। गांवों में शौचालय न होने के कारण महिलाओं को काफी दिक्कत का सामना करना पड़ता था इसलिए सरकार ने गांवों में महिला शौचालय बनाने का फैसला लिया है। उसके लिए महिला कर्मचारी की नियुक्ति भी की जाएगी जो उसकी सफाई करेगी और उसके लिए पानी का इंतजाम करेगी। यह बहुत ही बढ़िया स्कीम हरियाणा सरकार ने लागू की है। इसके अलावा गांवों में भी शहरों की तर्ज पर विकास किया जा रहा है। यह स्कीम भी हरियाणा सरकार ने लागू की है। इस स्कीम को केन्द्र सरकार ने भी सराहा है। ऐसे ही 'काम के बदले अनाज' की स्कीम जो चौधरी देवी लाल जी ने 1977 में लागू की थी उस स्कीम को केन्द्र सरकार ने भी 'फूड फोर वर्क' के तहत अपनाने का काम किया है। इस स्कीम के तहत सारे हरियाणा में जो गांवों के कच्चे रास्ते थे, स्कूल के ग्राउंड थे, स्टेडियम के ग्राउंड थे, होस्पिटल ग्राउंड थे, उन सबको मिट्टी से भरवाने का काम किया है। हरियाणा ने 'फूड फोर वर्क' स्कीम के लिए पूरे देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इसके अलावा एक और स्कीम जो हरियाणा सरकार ने शुरू की है वह है दस प्रतिशत मंत्रिमण्डल की। अभी संसद में एक अधिनियम पास हुआ है जिसके तहत सभी राज्यों में और केन्द्र में 15 प्रतिशत मन्त्रिमण्डल से ज्यादा नहीं होगा। हरियाणा इस मामले में देश को एक नई दिशा देने वाला पहला राज्य है। हरियाणा में पिछले चार सालों से दस प्रतिशत मंत्रिमण्डल से सरकार चल रही है और बहुत बढ़िया सरकार चल रही है। माननीय मुख्यमंत्री जी इसके लिए बधाई के पात्र हैं जिन्होंने पूरे देश को एक नई दिशा और रास्ता दिखाने का काम किया है। ऐसे ही विकास के मामले में अनेक प्रकार के विकास हुए हैं जैसे शहरों में पर्यावरण को दूषित करने के मामले में जो डेयरियां थीं, सुअर फार्म थे उनको शहरों से बाहर भेजने का काम इस सरकार ने किया है इसके लिए अलग से जमीन एक्वायर कर ली गई है ताकि शहर को साफ सुथरा रखा जा सके और पर्यावरण को सुधारा जा सके। इसी प्रकार से शहरों में बड़े-बड़े पार्क बनाने का काम

इस सरकार ने किया है शहरों में ही नहीं गांवों में जो पुराने जोहड़ थे जिनका पानी गन्दा हो गया था उनको भरकर वहां पर भी पार्क बनाने का काम करने का सरकार ने निर्णय लिया है इसके लिए लोगों की डिमाण्ड पर 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम के तहत माननीय मुख्यमंत्री ने इस बारे में घोषणा की है जिस पर गांव के बच्चों ने तालियां बजाकर उनका स्वागत किया। चूंकि जो गांव के अन्दर पुराने जोहड़ थे वे बेकार हो गये थे और उनके पानी में बदबू हो गई थी इसलिए यह निर्णय किया गया। इसके लिए हमारे मुख्यमंत्री बधाई के पात्र हैं। डिप्टी स्पीकर सर, एक योजना जिसकी तारीफ केन्द्र सरकार ने भी की है वह है यातायात, सहायता फोर्स। डिप्टी स्पीकर सर, सड़क दुर्घटना जिस किसी की भी हो जाती है वह यह इंतजार करता है कि उसे कोई अस्पताल पहुंचा दे परन्तु उसकी मदद के लिए कोई आगे नहीं आता है। हमने देखा है कि गाड़ियां उसके नजदीक से निकाल कर ले जाते हैं कोई रोकता नहीं है। इसके लिए पूरे देश में किसी सरकार ने कोई प्रयास नहीं किये। डिप्टी स्पीकर सर, हरियाणा सरकार ने हाई-वे पुलिस पैट्रोल जैसी सुरक्षा एजैंसी खड़ी की है जो हाई-वे पर दुर्घटना ग्रस्त लोगों की लगातार देखरेख करती है। अगर कोई ऐक्सीडैंट हो जाता है तो उसकी प्राथमिक चिकित्सा करवाती है और घायल को नजदीक के अस्पताल में ले जाने का काम करती है और लोगों की जिन्दगी बचाने का काम करते हैं। एक आफिसर जो करनाल के पास एक्सीडैंट में घायल हो गया था उसकी गाड़ी टकरा गई थी लेकिन उसको हमारी हाई-वे पुलिस ने नजदीक के अस्पताल में पहुंचाने का काम किया। जब वह अफसर मुझ से मिला तो उसने इस बात की बहुत सराहना की कि हमारी हरियाणा की सरकार ने यातायात सुरक्षा पुलिस का गठन करके सारे देश में एक अग्रणीय काम किया है क्योंकि किसी सरकार ने पहले ऐसा नहीं किया। इसके लिए हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी बधाई के पात्र हैं। डिप्टी स्पीकर सर, बिजली के मामले में जरूर कहना चाहूंगा। इस सरकार के आने के बाद बिजली में 815 मैगावाट की वृद्धि हुई है जो 1998-99 में की गई वृद्धि से 57 प्रतिशत ज्यादा है। माननीय मुख्यमंत्री जी ने राजस्व की वसूली बड़े ही अच्छे ढंग से करवायी है वित्तमंत्री जी भी यहां बैठे हुए हैं इसके लिए मैं इनको बधाई देना चाहता हूं। विपक्ष के साथी भी कहते हैं कि विकास के कार्य बहुत अधिक हो रहे हैं सरकार इतना पैसा कहां से ला रही है। माननीय मुख्यमंत्री महोदय दोनों हाथों से पैसा विकास कार्यों के लिए दे रहे हैं। आज किसी भी गांव में जाकर देख लो, कोई भी गांव विकास कार्यों से अछूता नहीं है। हर गांव में पैसे दिए गये हैं। 10 लाख रुपये से लेकर 2-2 करोड़ रुपये सरकार की तरफ से विकास कार्यों के लिए गांवों की पंचायतों को दिए गये हैं। आज हालत यह है कि गांवों की पंचायतों से सरकार द्वारा दिया गया पैसा खर्च नहीं हो रहा। माननीय मुख्यमंत्री जी 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम के दौरान जो भी घोषणाएं करके आते हैं वे 100 प्रतिशत पूरी होती हैं। इसके लिए मैं माननीय मुख्यमंत्री जी को बधाई देता हूं। जबकि पिछली सरकारों के समय में 5 या 10 हजार रुपये तक पंचायतों को नहीं दिए जाते थे और यदि पांच या 10 हजार रुपये देते थे तो उसका प्रचार भी बहुत करते थे। उपाध्यक्ष महोदय, 11वें वित्त आयोग और योजना आयोग ने हरियाणा की सरकार की सराहना की है कि हमारे वित्तीय प्रबन्ध देश में सर्वश्रेष्ठ हैं। राजस्व वसूली वर्ष 1999-2000 में 3517 करोड़ रुपये थी जबकि वर्ष 2003-2004 में 6226 करोड़ रुपये वसूल किए गये हैं। इसमें 77 प्रतिशत की रिकार्ड वृद्धि हुई है इसके ही दम पर विकास कार्य चल रहे हैं। उपाध्यक्ष महोदय, जहां तक पशुपालन का मामला है इस बारे में भी माननीय चौटाला साहब की सरकार ने सराहनीय कार्य किए हैं। किसानों के लिए पशुधन बहुत ही अहमियत रखता है क्योंकि यह उनकी कमाई का एक साधन है। सरकार ने राज्य में पशु बीमा योजना शुरू की है जिसके तहत 12 लीटर से अधिक दूध देने वाले पशुओं

[श्री नफे सिंह राठी]

का बीमा किया जा रहा है जिसका आधा खर्चा पशुधन बोर्ड द्वारा वहन किया जा रहा है और आधा खर्चा मालिक करेगा। दूध के मामले में हरियाणा दूसरे स्थान पर है। यहां पर 656 ग्राम दूध प्रति व्यक्ति प्रति दिन के हिसाब से लोगों को मिल रहा है। उपाध्यक्ष महोदय, स्वास्थ्य के बारे में मैं यह जरूर कहना चाहूंगा कि राज्य सरकार उच्च कोटि की स्वास्थ्य सेवाएं लोगों को मुहैया करवा रही है। हमारी सरकार ने 1 नवम्बर, 2003 से 'स्वास्थ्य सेवा आपके द्वार' कार्यक्रम शुरू किया है। इस कार्यक्रम के तहत प्रदेश के सभी नागरिकों के घर जाकर उनके स्वास्थ्य जांच की जा रही है। इसी तरह से हमारी सरकार ने 'देवीरूपक योजना' 24 नवम्बर, 2003 से शुरू की है जिसके सुखद परिणाम सामने आ रहे हैं। उपाध्यक्ष महोदय, इसके अतिरिक्त देवीरूपक योजना के तहत यदि किसी दुर्घटना उपद्रव या खेती के औजारों आदि से किसी परिवार के किसी कमाऊ सदस्य की मृत्यु हो जाये तो तीन दिन के अंदर-अंदर उसके परिवार के सदस्यों को एक लाख रुपये का मुआवजा सरकार की तरफ से मिलेगा और स्थाई रूप से विकलांग होने पर विकलांगता के आधार पर 25 हजार से लेकर एक लाख रुपये दिए जायेंगे। यह स्कीम और किसी प्रदेश में नहीं है। उपाध्यक्ष महोदय, माननीय जननायक स्वर्गीय चौधरी देवी लाल जी की गऊओं के प्रति विशेष आस्था थी और माननीय मुख्यमंत्री जी उन्हीं के पद चिन्हों पर चलते हुए पूरे हरियाणा की जितनी भी रजिस्टर्ड गऊशालाएं हैं उनको 51-51 हजार रुपये एक दफा दिए और 75-75 हजार रुपये दूसरी दफा दिया। कुल मिलाकर पिछले दो साल में उनको 1 करोड़ 81 लाख रुपये दिए गये हैं इस तरह से आज हरियाणा सरकार द्वारा हरियाणा के गौ धन को बचाने का पूरा प्रयास किया जा रहा है। हमारे हरियाणा में गौ धन बहुत अधिक मात्रा में है। बी०जे०पी० के भाई गौ धर्म के नाम पर धार्मिक प्रचार के नाम की बात तो करते हैं लेकिन मैं इनसे पूछना चाहूंगा कि ये बताएं कि कितने लोग गाय रखते हैं ?

डिप्टी स्पीकर साहब, हमारी सरकार भूतपूर्व सैनिकों का पूरा ध्यान रख रही है। जिन भूतपूर्व सैनिकों को भारत सरकार की तरफ से पेंशन नहीं मिल रही उनको आज की हमारी सरकार जो पहले 200 रुपये प्रति मास पेंशन देती थी, उसको भी अब बढ़ा कर 400 रुपये कर दिया है। यह सुविधाएं विधवाओं आदि को भी दी जा रही है। मेरे कहने का मतलब यह है कि जब से हरियाणा सरकार ने सत्ता सम्भाली है तब से हरियाणा में चारों तरफ चहुमुखी विकास हो रहा है। चाहे खेल नीति हो, कृषि नीति हो, उद्योग नीति हो, शिक्षा नीति हो या और कोई नीति हो, हर दिशा में सरकार बहुत अच्छा काम कर रही है। हमारी सरकार ने बहुत सारी कल्याणकारी योजनाएं शुरू की हैं। हमारी हरियाणा सरकार ने जो एडहाक कर्मचारी थे उनको भी पक्का किया है, इससे हजारों परिवारों को फायदा होगा, यह घोषणा भी मुख्यमंत्री जी कर चुके हैं। अब तक सरकार 39 हजार सरकारी नौकरियां दे चुकी हैं और मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आगे 50 हजार और लोगों को एक साल के अन्दर-अन्दर नौकरी दी जाएगी। भजन लाल जी के समय में जो पुलिस में भर्ती होती थी उस वक्त उसमें छाती व कद का कोई ध्यान नहीं रखा जाता था जिस कारण इनके समय के 1600 सिपाही जो भरती हुए थे, वे नौकरी से हटाये गए। इनके समय में कोई काम ठीक नहीं होता था। इनकी कोठी पर ही सारा काम होता था। जो भी काम होता था वह पैसे लेकर के होता था। आज के दिन किसी से भी कोई पैसा नहीं लिया जा रहा और योग्यता के अनुसार सभी को नौकरियां दी जा रही हैं। आज के दिन हरियाणा सरकार हरियाणा को एक नई दिशा देने का काम कर रही है। हमारी सरकार ने स्टाम्प ड्यूटी को भी घटाने का काम किया है जिससे आम आदमी को लाभ होगा। पहले

मुख्तयारनामा, जी०पी०ए० या पावर आफ अटार्नी के नाम पर लोग प्रोपर्टी खरीद लेते थे जिस कारण सरकार के रैवन्यू का काफी लौस हो रहा था। अब सरकार ने उस स्टाम्प ड्यूटी को घटा दिया है। इस दिशा में केन्द्रीय सरकार ने भी एक बिल पास किया था। उसी को ध्यान में रखते हुए हमारी सरकार ने शहरी क्षेत्र में स्टाम्प ड्यूटी जहां पहले साढे पन्द्रह परसेन्ट लगती थी, उसको अब घटा कर आठ परसेंट कर दिया गया है और इसी तरह से जहां गांवों में यह स्टाम्प ड्यूटी साढे बारह परसेन्ट लगती थी उसको अब घटा कर छ परसेंट कर दिया है जिससे अब आम आदमी को लाभ होगा और सरकार को भी फायदा होगा।

डिप्टी स्पीकर साहब, अन्त में मैं आपके माध्यम से सारे सदन से अनुरोध करता हूं कि हमारे महामहिम राज्यपाल जी ने जो अपना अभिभाषण इस सदन में 9 फरवरी 2004 को दिया है, उसको सर्वसम्मति से पास किया जाये, धन्यवाद।

डा० राम कुंवार सैनी (गोहाना) : डिप्टी स्पीकर सर, आज चौधरी नफे सिंह राठी जी ने महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर जो धन्यवाद प्रस्ताव सदन में रखा है, मैं उस पर बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। इस अभिभाषण के अन्दर महामहिम राज्यपाल महोदय ने हरियाणा में हुए विकास कार्यों को बहुत ही अच्छे तरीके से पेश किया है। आज हरियाणा के अन्दर बहुमुखी विकास हो रहा है। हरियाणा में माननीय मुख्य मन्त्री जी ने जो विकास के कार्य किए हैं वे बहुत ही सराहनीय रहे हैं। उपाध्यक्ष महोदय, आज नई शिक्षा नीति, नई सूचना प्रौद्योगिकीय नीति और नई औद्योगिक नीतियों से हरियाणा में एक क्रान्ति का सूत्रपात हुआ है। आज 21वीं सदी में हरियाणा के मुख्यमन्त्री चौधरी ओम प्रकाश चौटाला एक विकास पुरुष के रूप में सामने आए हैं। उपाध्यक्ष महोदय, वर्तमान सरकार ने जिस समय हरियाणा की सरकार की बागडोर सम्भाली थी उस समय हरियाणा का खजाना खाली था और कानून तथा व्यवस्था ठप्प पड़ी हुई थी, प्रदेश का प्रत्येक व्यक्ति असुरक्षा की भावना से ग्रस्त था। हरियाणा में शराब माफिया फैल चुका था, युवा वर्ग अपराध जगत में पहुंच गया था तथा हमारी अर्थ-व्यवस्था पटरी पर से उतर गई थी, ऐसे समय में प्रदेश की बागडोर सम्भालना एक चुनौती भरा कदम था। उपाध्यक्ष महोदय, हरियाणा के माननीय मुख्य मन्त्री जी धन्य है कि उन्होंने इस चुनौती को स्वीकार किया और हरियाणा की जनता के सहयोग से हरियाणा के नव निर्माण में जुट गए। आज की लोकप्रिय सरकार 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम के माध्यम से लोगों के घरों में जा कर और घर की दहलीज पर जा कर कार्य करने लगी है। आज हरियाणा में कानून व्यवस्था में सुधार हुआ है और ग्रामीण विकास के साथ ही लोगों को सुविधाएं देने के लिए सरकार के दरवाजे खुले हैं। लोगों को वित्तीय तथा प्रशासनिक सुविधाएं दी जा रही हैं तथा देश एवं विदेशों के लोग हरियाणा के अन्दर उद्योग लगाने के बारे में बेहद उत्सुक हैं। उपाध्यक्ष महोदय, आप कृषि में ही देख लीजिए। किसानों के हितों की रक्षा के लिए, फसलों को स्वस्थ रखने के लिए, कृषि विकास के लिए किसानों को कर्ज देने के लिए विशेष ध्यान दिया जा रहा है। वर्ष 2002-03 में प्रदेश में सूखे की स्थिति होने के बावजूद 128 लाख टन से अधिक खाद्यान्न का उत्पादन हुआ है। किसानों को गेहूं, धान, सरसों और दूसरी उपज का लाभदायक मूल्य दिया गया है, दो चीनी की मिलें पन्नेवाला और गोहाना के अन्दर किसानों को पूरा पैसा दिया गया है और वहां पर बड़े जोर से काम चल रहा है। आज किसानों का गन्ने का कोई भी पैसा मिलों की तरफ बकाया नहीं है। यह सारे का सारा काम सरकार की नीतियों के तहत ही हो पाया है। आज हरियाणा के मुख्यमंत्री बहुत ही अच्छी नीति लेकर चल रहे हैं। उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन में यह बताना चाहूंगा

[डा० राम कुंवार सैनी]

कि पिछली सरकारों के वक्त में किसानों को गन्ने का पैसा ही नहीं मिलता था और उनका पैसा साल-साल मिलों की तरफ बकाया रहता था लेकिन आज के दिन हरियाणा सरकार की अच्छी नीति होने की वजह से किसानों का कोई पैसा मिलों की तरफ बकाया नहीं है। हमारे मुख्यमंत्री जी व्यापारियों के प्रति भी बहुत अच्छी सोच रखते हैं इसलिए उन्होंने व्यापारियों के प्रति भी बहुत अच्छी नीति बनाई है। अंग्रेजों के समय से चल रही चुंगी को भी हमारी सरकार ने हटाने का काम किया है। आज की हरियाणा सरकार 36 बिरादरी को अपने साथ लेकर चल रहे हैं। इस सरकार ने प्रदेश में नौजवानों के लिए नई शिक्षा नीति लागू की है। पहली कक्षा से अंग्रेजी पढ़ना अनिवार्य किया है और छठी कक्षा से बच्चों को कम्प्यूटर की शिक्षा देनी शुरू की है। इसी तरह से घुमंतु कबीले के बच्चों को पहले एक रुपया प्रति बच्चे के हिसाब से दिया जाता था लेकिन अब मुख्यमंत्री जी ने पांच रुपये प्रति बच्चे को प्रति दिन के हिसाब से 150 रुपये एक महीने में देने का काम किया है। ऐसी अच्छी नीतियों के तहत ही हमारे मुख्यमंत्री जी आज हरियाणा प्रदेश में विकास कर रहे हैं। पशुधन के मामले में हमारे मुख्यमंत्री जी ने बहुत ध्यान दिया है। हरियाणा प्रदेश देश में पहला राज्य है जिसने दूधारू पशुओं के नस्ल में सुधार एवं संरक्षण के लिए काम किया है। इसी प्रकार से आज सारे हरियाणा के अन्दर जहां पर भी किसी का कोई पशु अच्छा दूध देता है उनको प्रोत्साहन देने के लिए 1000 रुपये से 6000 रुपये तक ईनाम देने का काम किया है। इसी प्रकार से बैलों, भैंसों और गायों का बीमा करने के लिए भी एक स्कीम शुरु की गई है और इसके तहत 6320 पशुओं का बीमा किया जा चुका है। जन नायक चौधरी देवी लाल जी ने पशुधन की तरफ विशेष ध्यान था और उसी बात को ध्यान में रखते हुए इसके लिए 5 करोड़ 32 लाख की राशि दो सालों में दी गई है। हमारे मुख्यमंत्री जी अच्छे कामों को करने का विचार रखते हैं इसलिए लोग इनकी तरफ खिंचे चले आ रहे हैं। दूसरी तरफ विपक्ष के लोग वहां पर अड़ंगा लगाकर इस सरकार के कार्यों की भर्त्सना कर रहे हैं। आज लोग इनकी बात नहीं सुनेंगे क्योंकि मुख्यमंत्री जी लोगों की बात सुनते हैं और लोग जो भी बात करते हैं उनकी जायज बातों को मान लेते हैं। जो भी प्रजा का शासक लोगों की बात सुनेगा लोग उसी की तरफ चलेंगे। इस तरह की नीति हमारे मुख्यमंत्री जी की है। मैं अब सिंचाई के बारे में कहना चाहूंगा कि इस पर इस सरकार ने चार सालों में लगभग 1.8 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। सिंचाई के लिए पानी की मूलभूत सुविधा प्रदान की गई है। सिंचाई के लिए 65 ड्रेनों का काम चल रहा है जिनके बन जाने के बाद टेलों तक पानी पहुंच जाएगा। इसके साथ ही नहरों को पक्का करने का काम भी किया जा रहा है, रजवाहों को साफ करने का काम भी किया जा रहा है ताकि टेलों तक पानी पहुंच जाए। एस०वाई०एल० के बारे में हमारे मुख्यमंत्री जी ने जोर देकर के पूरी पैरवी की है। इसकी वजह से 15 जनवरी 2002 को सुप्रीम कोर्ट ने हरियाणा के पक्ष में फैसला किया है। राज्य सरकार की जोरदार पैरवी के कारण ही यह संभव हुआ है अगर हमारे मुख्यमंत्री इतनी जोरदार पैरवी न करते तो यह होने वाली बात नहीं थी। हमारे मुख्यमंत्री जी की पैरवी के कारण ही एस०वाई०एल० का पानी पूरे प्रदेश में जल्द आएगा। यह निश्चित हो चुका है। इसी तरह से 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम के तहत 44 हजार विकास के जो काम किए हैं यह अपने आप में एक मिसाल है और यह मिसाल हमारे बहादुर मुख्यमंत्री जी ने कायम की है। इसी तरह से मैं ग्रामीण विकास के बारे में कहना चाहूंगा। आज कहीं पर बाल बन रही है कहीं पर मकान बनाए जा रहे हैं कहीं पर पार्क बनाए जा रहे हैं और कहीं पर सड़कें बनायी जा रही हैं। इसी तरह से पूरे प्रदेश में समुचित बिजली देने का भी प्रबन्ध किया गया है। आज हरियाणा के मुख्यमंत्री ने दिखा दिया कि

विकास के काम कैसे करवाए जाते हैं ? पूरे हिन्दुस्तान में हरियाणा का ही एक मुख्यमंत्री ऐसा है जिसने विकास के कार्यों की झड़ी लगा रखी है। (विघ्न) आज मुख्यमंत्री जी ने गांवों के विकास के लिए नये दरवाजे खोले हैं और गांवों में भी शहरों की तरह सुविधाएं देने की कोशिश की जा रही है। गांवों में ही ऐसे सैक्टर्ज डिवैल्प किए जाएंगे जहां पर चौबीस घंटे बिजली होगी, चौबीस घंटे पानी होगा, सीवर का प्रबन्ध होगा, मार्किट बनायी जाएगी और सारा सामान लोगों को वहीं पर मिला करेगा। इस तरह से हमारे गांव भी शहरों की तरह हो जाएंगे। वहां पर प्रदूषण में भी सुधार होगा। इस तरह से हमारे गांव भी अमरीका की तरह नजर आएंगे। (विघ्न) डिप्टी स्पीकर साहब, 1998-99 में जहां बिजली की औसत दैनिक उपलब्धता 367 लाख यूनिट थी वहां चालू वर्ष के दौरान यह 561 लाख यूनिट हो गयी। इसी तरह से 1998-99 के मुकाबले में 289 लाख यूनिट प्रतिदिन बिजली सप्लाई की गयी जोकि 57 प्रतिशत अधिक रही है। इसी तरह से राज्य में 27 नये सब स्टेशंज चालू किए गये हैं और 75 और सब स्टेशंज का निर्माण कार्य जारी है। इसके अलावा 1100 किलोमीटर लम्बी लाईन बिछाई गयी है। इस तरह से इस सरकार ने बिजली की क्षमता में वृद्धि करने का काम किया है। आज जगह-जगह पर नये सब स्टेशन बनाये जा रहे हैं। पानीपत थर्मल प्लांट की सातवीं और आठवीं यूनिट जल्दी ही बनकर तैयार हो जाएगी इसके बाद बिजली की समस्या समाप्त हो जाएगी। इस तरह से इस सरकार के समय में बिजली के मामले में काफी सुधार हुआ है। डिप्टी स्पीकर सर, मैं आपको बताना चाहूंगा कि आज हरियाणा देश और विदेशों में एक आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है। अब लोग हरियाणा में उद्योग लगाना चाहते हैं और काफी उद्योग धंधे लगे भी है। आज हरियाणा के अंदर काफी विदेशी पूंजी निवेश हुआ है जिसके कारण काफी बेरोजगारों को रोजगार मिला है। इस तरह से यह नीति लेकर हमारे मुख्यमंत्री जी चले हैं। इन सब कार्यों के कारण ही हरियाणा की जनता माननीय मुख्यमंत्री जी का साथ देगी इसमें कोई शक ही नहीं है। मैं दावे के साथ यह कह सकता हूं कि इन सब कार्यों के हो जाने के बाद हरियाणा देश का सबसे सुंदर प्रान्त होगा। इसी तरह से अब मैं तकनीकी शिक्षा के बारे में कहना चाहता हूं। आज तकनीकी शिक्षा का अपना ही एक स्थान है इसलिए सरकार ने राज्य के युवकों को तकनीकी क्षेत्र में सक्षम बनाने के लिए अधिक से अधिक प्रशिक्षण केन्द्र शुरू किए हैं। मैं बता देना चाहता हूं कि हमारी सरकार ने योजनाबद्ध तरीके से विकास किया है। गांवों के अंदर विकास हो रहा है, सभी जगह सड़कें बनाई गई हैं, सभी जगह पक्की गलियां व पक्की नालियां बनाई गई हैं। मेरे हल्के में 50 बिस्तर वाले अस्पताल का निर्माण करके उद्घाटन भी कर दिया गया है। किसान रैस्ट हाउस बनाया गया है, महिला कालेज बनने जा रहा है, सैनिक रैस्ट हाउस बन चुका है, मिनी सैक्रेटैरिएट बनने जा रहा है। पिछली बार 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम के माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी मेरे हल्के में एक सुंदर झील बनाने का ऐलान करके आए हैं। माननीय मुख्यमंत्री जी के प्रयासों से कुछ ही समय के बाद हरियाणा प्रदेश सुंदर हरियाणा दिखाई देगा। भजन लाल जी, आपने भी बहुत किया था। आपने हमारे यहां की शुगर मिल को बंद करने का काम किया था। अब हमारे यहां वह शुगर मिल फिर से काम कर रही है और बहुत अच्छे से काम कर रही है। हमारी सरकार ने पेयजल सुविधाओं का विस्तार किया है जगह-जगह पर पानी की टूटियां लगाई गई हैं। हरियाणा प्रदेश में जो खेल नीति है उसके द्वारा हमारे मुख्यमंत्री जी ने पूरे हिन्दुस्तान में यह साबित करके दिखा दिया है कि उन्होंने खेलों को किस तरह से बढ़ावा देने का काम किया है। इस नीति में यह था कि अगर ओलम्पिक खेलों में हरियाणा का कोई खिलाड़ी स्वर्ण पदक जीतकर आएगा तो उसको एक करोड़ रुपया दिया जाएगा, जो रजत पदक जीतकर आएगा उसको 50 लाख रुपया दिया

[डा० राम कुंवार सैनी]

जाएगा और जो कांस्य पदक जीतकर आएगा उसको 25 लाख रुपया दिया जाएगा। चौधरी भजन लाल जी, आपकी तरह से हमारे मुख्यमंत्री जी की कथनी व करनी में कोई अंतर नहीं है। सर छोटू राम स्टेडियम के नाम से हमारे मुख्यमंत्री जी ने 25 लाख रुपये दिए हैं। खेल नीति के कारण आज हर स्तर पर खेल हो रहे हैं और खेलों को बढ़ावा मिल रहा है। राज्य स्तर पर खेल हो रहे हैं, राष्ट्रीय स्तर और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर खेल हो रहे हैं। यमुनानगर में महिलाओं की हॉकी चैम्पियनशिप में हमारे देश की जिस टीम ने जापान को हराया है उसमें हमारे यहां की चार लड़कियां हैं। उनमें से एक लड़की ममता खरब मेरे गांव की है। उन चार लड़कियों के उत्साहवर्धन के लिए मुख्यमंत्री जी ने एक-एक लाख रुपये की राशि प्रदान की है। इसमें जसजीत कौर ने गोल किया था। मैं बताना चाहता हूं कि पिछले दिनों हमारे यहां कौमन वैल्थ गेम हुए थे उसमें भी ममता खरब ने इतिहास बनाया था। डिप्टी स्पीकर सर, खेल नीति के कारण आज हरियाणा में खेलों में काफी सुधार हुआ है जिसके लिए हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी बधाई के पात्र हैं। डिप्टी स्पीकर सर, हमारे प्रदेश में चाहे बिजली-पानी की बात हो, चाहे स्वास्थ्य की बात हो, चाहे सामाजिक कल्याण जैसे काम की योजना की बात हो, इन कामों में हमारी सरकार ने बहुत महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। डिप्टी स्पीकर सर, आज हरियाणा प्रदेश के अन्दर विकास की जो झड़ी लगी है उससे ये विपक्ष के लोग परेशान हैं और एसैम्बली को भंग करने की बात करते हैं। अगर इनमें दम है तो अपना प्रस्ताव लेकर आवें और उसे पास करवायें। इनको इस बारे में लोकसभा के चुनाव में ही पता चल जायेगा कि इनका क्या हाल होगा ? डिप्टी स्पीकर सर, जो महामहिम राज्यपाल महोदय ने अपना अभिभाषण इस सदन में आकर पढ़ा है मैं तहेदिल से उसका समर्थन करता हूं। आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया, इसलिए मैं आपका भी धन्यवाद करता हूं। धन्यवाद।

श्री उपाध्यक्ष : अभी मेरे पास विपक्ष की तरफ से आठ नाम आये हैं मैं माननीय सदस्यों से यह कहूंगा कि वे समय का इस हिसाब से बंटवारा करें कि प्रत्येक सदस्य को बोलने का अवसर मिले। चौधरी भजन लाल जी को बोलने के लिए सबसे पहले समय दिया जायेगा परन्तु इससे पहले पार्लियामेंटरी अफेयर्स मिनिस्टर मोशन मूव करेंगे। (विघ्न)

नियम 22(2) के अधीन प्रस्ताव

Finance Minister (Prof. Sampat Singh) : Sir, I beg to move—

> That the discussion on Governor's Address be postponed in favour of Presentation, Discussion and Voting on Supplementary Estimates for the year 2003-2004 (2nd Instalment) on 10th February, 2004.

Mr. Deputy Speaker : Motion moved—

> That the discussion on Governor's Address be postponed in favour of Presentation, Discussion and Voting on Supplementary Estimates for the year 2003-2004 (2nd Instalment) on 10th February, 2004.

Mr. Deputy Speaker : Question is—

That the discussion on Governor's Address be postponed in favour of Presentation, Discussion and Voting on Supplementary Estimates for the year 2003-2004 (2nd Instalment) on 10th February, 2004.

The motion was carried.

वर्ष 2003-2004 के लिए अनुपूरक अनुमान (दूसरी किस्त) प्रस्तुत करना

Mr. Deputy Speaker : Now, the Finance Minister will present the Supplementary Estimates 2003-2004 (Second Instalment).

Finance Minsiter (Prof. Sampat Singh) : Sir, I beg to present the Supplementary Estimates 2003-2004 (Second Instalment).

प्राक्कलन समिति की रिपोर्ट प्रस्तुत करना

Mr. Deputy Speaker : Now, Shri Malik Chand Ghambir, Chairperson, Committee on Estimates, will present the Report of the Committee on Estimates on the Supplementary Estimates 2003-2004 (Second Instalment).

Shri Malik Chand Gambhir (Chairperson, Committee on Estimates) : Sir, I beg to present the Report of the Committee on Estimates on the Supplementary Estimates 2003-2004 (Second Instalment).

वर्ष 2003-2004 के अनुपूरक अनुमानों (दूसरी किस्त) की मांगों पर चर्चा तथा मतदान

Mr. Deputy Speaker : Hon'ble Members, now discussion and voting on Supplementary Estimates 2003-2004 (Second Instalment), will take place.

As per the past practice and in order to save the time of the House, all the demands on the order paper (1 to 3, 5 to 7, 10, 11, 13, 14, 16 and 21 to 24) will be deemed to have been read and moved. Hon'ble Members can discuss any demand but they are requested to indicate the demand number on which they wish to raise the discussion.

That a Supplementary sum not exceeding **Rs. 1,20,54,000/-** for revenue expenditure be granted to the Governor to defray

[Mr. Deputy Speaker]

charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2004 in respect of **Demand No. 1—Vidhan Sabha.**

That a Supplementary sum not exceeding **Rs. 4,02,63,000/-** for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2004 in respect of **Demand No. 2—General Administration.**

That a Supplementary sum not exceeding **Rs. 21,79,15,000/-** for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2004 in respect of **Demand No. 3—Home.**

That a Supplementary sum not exceeding **Rs. 1,09,01,000/-** for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2004 in respect of **Demand No. 5—Excise & Taxation.**

That a Supplementary sum not exceeding **Rs. 1,000/-** for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2004 in respect of **Demand No. 6—Finance.**

That a Supplementary sum not exceeding **Rs. 77,32,28,000/-** for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2004 in respect of **Demand No. 7—Other Administrative Services.**

That a Supplementary sum not exceeding **Rs. 3,000/-** for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2004 in respect of **Demand No. 10—Medical & Public Health.**

That a Supplementary sum not exceeding **Rs. 5,01,75,000/-** for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2004 in respect of **Demand No. 11—Urban Development.**

That a Supplementary sum not exceeding **Rs. 4,000/-** for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2004 in respect of **Demand No. 13—Social Welfare & Rehabilitation.**

That a Supplementary sum not exceeding **Rs. 1,83,26,000/-** for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2004 in respect of **Demand No. 14—Food & Supplies.**

That a Supplementary sum not exceeding **Rs. 2,31,09,000/-** for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2004 in respect of **Demand No. 16—Industries.**

That a Supplementary sum not exceeding **Rs. 37,26,17,000/-** for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2004 in respect of **Demand No. 21—Community Development.**

That a Supplementary sum not exceeding **Rs. 1,91,40,000/-** for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2004 in respect of **Demand No. 22—Cooperation.**

That a Supplementary sum not exceeding **Rs. 35,96,99,000/-** for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2004 in respect of **Demand No. 23—Transport.**

That a Supplementary sum not exceeding **Rs. 50,00,000/-** for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2004 in respect of **Demand No. 24—Tourism.**

(No member rose to speak.)

Mr. Deputy Speaker : Now, I put the various demands to the vote of the House.

Mr. Deputy Speaker : Question is—

That a Supplementary sum not exceeding **Rs. 1,20,54,000/-** for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2004 in respect of **Demand No. 1—Vidhan Sabha.**

[Mr. Deputy Speaker]

That a Supplementary sum not exceeding **Rs. 4,02,63,000/-** for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2004 in respect of **Demand No. 2—General Administration.**

That a Supplementary sum not exceeding **Rs. 21,79,15,000/-** for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2004 in respect of **Demand No. 3—Home.**

The motion was carried.

Mr. Deputy Speaker : Question is—

That a Supplementary sum not exceeding **Rs. 1,09,01,000/-** for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2004 in respect of **Demand No. 5—Excise & Taxation.**

That a Supplementary sum not exceeding **Rs. 1,000/-** for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2004 in respect of **Demand No. 6—Finance.**

That a Supplementary sum not exceeding **Rs. 77,32,28,000/-** for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2004 in respect of **Demand No. 7—Other Administrative Services.**

The motion was carried.

Mr. Deputy Speaker : Question is—

That a Supplementary sum not exceeding **Rs. 3,000/-** for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2004 in respect of **Demand No. 10—Medical & Public Health.**

That a Supplementary sum not exceeding **Rs. 5,01,75,000/-** for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2004 in respect of **Demand No. 11—Urban Development.**

The motion was carried.

Mr. Deputy Speaker : Question is—

That a Supplementary sum not exceeding **Rs. 4,000/-** for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2004 in respect of **Demand No. 13—Social Welfare & Rehabilitation.**

That a Supplementary sum not exceeding **Rs. 1,83,26,000/-** for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2004 in respect of **Demand No. 14—Food & Supplies.**

The motion was carried.

Mr. Deputy Speaker : Question is—

That a Supplementary sum not exceeding **Rs. 2,31,09,000/-** for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2004 in respect of **Demand No. 16—Industries.**

The motion was carried.

Mr. Deputy Speaker : Question is—

That a Supplementary sum not exceeding **Rs. 37,26,17,000/-** for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2004 in respect of **Demand No. 21—Community Development.**

That a Supplementary sum not exceeding **Rs. 1,91,40,000/-** for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2004 in respect of **Demand No. 22—Cooperation.**

That a Supplementary sum not exceeding **Rs. 35,96,99,000/-** for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2004 in respect of **Demand No. 23—Transport.**

That a Supplementary sum not exceeding **Rs. 50,00,000/-** for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2004 in respect of **Demand No. 24—Tourism.**

The motion was carried.

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री उपाध्यक्ष : अब गवर्नर एड्रेस पर डिस्कशन रिज्यूम की जाती है। चौधरी भजन लाल जी, आप गवर्नर एड्रेस पर बोलें।

चौ० भजन लाल (आदमपुर) : उपाध्यक्ष महोदय, कल महामहिम राज्यपाल जी ने अपना अभिभाषण पढ़ा। जब वे अभिभाषण पढ़ रहे थे तब हम उनकी तरफ देख रहे थे। वे बड़े ही अनमने मन से अपना अभिभाषण पढ़ रहे थे। राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाषण के बहुत से पेज पढ़े ही नहीं। वे सारे पेज पढ़ सकते थे लेकिन उन्होंने नहीं पढ़े। उन्होंने इसलिए नहीं पढ़े क्योंकि इस अभिभाषण में बहुत पेचीदगियां हैं। उनका मन अभिभाषण पढ़ने को नहीं कर रहा था इसलिए उन्होंने बहुत से पेज नहीं पढ़े। मेरे कहने का मतलब यह है कि उनका मन नहीं मान रहा था इसलिए उन्होंने अभिभाषण के पूरे पेज नहीं पढ़े और सही भी है जब किसी का मन न माने तो वह कैसे पढ़ सकता है ? सदन में भी लिखा हुआ है कि सभा में या तो प्रवेश न किया जाए यदि प्रवेश किया जाए तो स्पष्ट और सच बात कही जाए। उपाध्यक्ष महोदय, सरकार जो अभिभाषण बनाकर राज्यपाल महोदय के पास भेजती है उसको पढ़ना राज्यपाल की मजबूरी होती है।

श्री उपाध्यक्ष : चौधरी भजन लाल जी, भेजा नहीं जाता यह तो संविधान में प्रबन्ध किया हुआ है।

चौ० भजन लाल : उपाध्यक्ष महोदय, मुझे मालूम है। मैं 9 बार इस हाउस में चुनकर आ चुका हूं। आप पहली बार आये हैं।

श्री उपाध्यक्ष : चौधरी भजन लाल जी, मैं आपकी कृपा से नहीं आया। प्लीज, आप अभिभाषण पर बोलें। इधर-उधर की बात न करें।

चौ० भजन लाल : उपाध्यक्ष महोदय, मैं कृपा की बात नहीं कर रहा। मैं तो यह कह रहा हूं कि आप पहली बार चुनकर आये हैं। आप इस बात पर नाराज क्यों हो रहे हैं, क्या मैं कोई गलत बात कह रहा हूं ?

श्री उपाध्यक्ष : चौधरी साहब मैं नाराज नहीं हो रहा। प्लीज, आप अभिभाषण पर बोलें।

चौ० भजन लाल : उपाध्यक्ष महोदय, सरकार ने जो स्पीच महामहिम राज्यपाल महोदय को बनाकर भेजी है उसी को राज्यपाल महोदय ने पढ़ा है। (शोर एवं व्यवधान) डिप्टी स्पीकर साहब, राज्यपाल महोदय के नाम की अपने आप में एक बड़ी भारी मर्यादा है। सरकार ने जो बात कही, उसको राज्यपाल महोदय ने हाउस में कल रख दिया। उन्होंने अपनी बात अनमने ढंग से सदन में रखी। अनमने का मतलब यह है कि जो अपने मन से कोई बात न कहे, उसे अनमना कहते हैं। साथ ही उन्होंने अपने अभिभाषण में सरकार की कुछ तारीफ भी की है। यह सरकार ऐसी है कि इसका नाम आने वाले समय में स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाना चाहिए क्योंकि ऐसी सरकार कहां मिलेगी जो हाउस को चलने ही न दे। उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपकी बात तो नहीं करता क्योंकि आपको तो उस चेयर पर बैठने का समय बहुत कम मिलता है। इस हाउस के चलाने में * * * * *

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

वित्त मंत्री (प्रो० सम्पत सिंह) : डिप्टी स्पीकर साहब, मेरा आपसे अनुरोध है कि हाउस चलाने बारे में जो नाम लिये हैं वे कार्यवाही से निलकलवा दें।

श्री उपाध्यक्ष : ये शब्द कार्यवाही से निकाल दें।

चौ० भजन लाल : मेरे कहने का मतलब यह है कि * * * * * जिस तरीके से हाउस चला रहे हैं वह * * * है।

श्री उपाध्यक्ष : इस शब्द को कार्यवाही से निकाल दें। आप अपने दिन भी याद करो।

चौ० भजन लाल : वे भी मुझे याद है। यह * * * शब्द कोई गलत नहीं है और न ही यह अनपार्लियामेन्टरी शब्द है। अगर आप * * * शब्द ठीक नहीं मानते तो मैं यह कह देता हूं कि मैं इस सदन को चलाने वालों की * * * * करता हूं।

श्री उपाध्यक्ष : हाउस तो सभी के सहयोग से चलता है और उसमें आप भी हैं।

चौ० भजन लाल : मैं भी हूं। मेरे कहने का मतलब यह है कि ऐसी सरकार तो लालटेन को साथ लेकर ढूंढने से भी नहीं मिलेगी। देखिए, दो दिन में सिर्फ छः घण्टे सैशन चले। न जीरो आवर को चलने दें और न ही सदस्यों को सवाल पूछने दें। माजरा साहब को तो इस सरकार की तरफ से इनाम दिया जाना चाहिए। ये बड़े नेक इंसान हैं, अच्छे आदमी हैं लेकिन ये किसी भी सवाल का जवाब देने से पहले लम्बा चौड़ा टाईप करवा कर ले आते हैं और फिर पढ़ने के नाम से उसी में हाउस का समय निकाल देते हैं।

मुख्य संसदीय सचिव (श्री रामपाल माजरा) : चौधरी साहब, मैं आपकी जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि आज की लिस्ट में 20 क्वैश्चन लगे हुए थे और इनमें से आज के दिन 19 सवालों के जबाव पूछे गए हैं। (विघ्न)

चौ० भजन लाल : ये क्यों आये, वह आप को पता लग जायेगा क्योंकि अगली दफा आप आओगे नहीं। यह आपका आखिरी मौका है। डिप्टी स्पीकर साहब, आप मेरी बात नोट कर लें। (विघ्न)

श्री उपाध्यक्ष : जवाब भी आने वाला है। आपकी पी०एच०डी० फेल हो गई है। (विघ्न) अब आप ज्योतिषी कब से हो गए हैं ? (विघ्न)

चौ० भजन लाल : अभी मौका नहीं है आपको फिर अलग से बता दूंगा। (विघ्न)

श्री उपाध्यक्ष : आप तो हथियार डाल रहे हैं। (विघ्न)

चौ० भजन लाल : यह हथियार डालने वाली बात नहीं है। (विघ्न)

श्री उपाध्यक्ष : चौधरी साहब, अब आप अभिभाषण पर आ जाइये और अभिभाषण पर ही बोलें।

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

चौ० भजन लाल : उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपसे कह रहा था कि किस तरीके से हाउस चल रहा है, सरकार हाउस को कैसे चला रही है यह देखने की बात है ऐसा कभी भी होना नहीं चाहिए और सभी मैम्बर्ज को बोलने का समय मिलना चाहिए, सभी को अपनी बात कहने का अधिकार है। (विघ्न)

श्री उपाध्यक्ष : मेरे पास आपकी पार्टी के आठ आदमियों के नाम हैं और हर सम्मानित सदस्य को बोलने का मौका मिलेगा लेकिन आपको भी समय का ध्यान रखना चाहिए। यदि आप खुद समय का ध्यान रखेंगे तो और सदस्यों को भी बोलने का मौका मिलेगा।

चौ० भजन लाल : उपाध्यक्ष महोदय, सबसे बड़ी बात कानून-व्यवस्था की होनी चाहिए। जो सरकार प्रदेश में लोगों के जान और माल की रखवाली नहीं रख सकती है उस सरकार को गद्दी पर बैठने का कोई अधिकार नहीं है। इस सरकार के आने के बाद जितने कत्ल, डकैतियां, लूटमार और चोरी की घटनाएं हुई हैं वह किसी भी सरकार के समय में नहीं हुई हैं। यह रिकार्ड की बात है। मेरे पास काफी लम्बा चौड़ा दत्था है अगर मैं इसे पढ़ूंगा तो बहुत समय लगेगा और मेरा पूरा समय इसी में लग जाएगा। मिसाल के तौर पर मैं कुछ बातों का जिक्र करूंगा। कुछ फिरौती के मामले हैं, दलितों पर अत्याचार की बात है। दुलीना में हरिजनों को मार दिया गया है, कैथल में आज भी हरिजन गांव से बाहर बैठे हुए हैं। सिरावड़ गांव के कर्ण सिंह सरपंच का अपहरण कर लिया गया है यह गांव जिला रोहतक में पड़ता है। (विघ्न) लूटमार की वारदातों में बेतहाशा बढ़ोतरी हुई है। सुबह जब अखबार पढ़ते हैं तो अखबार में सबसे पहले यही खबर होती है कि आज हरियाणा में इतने कत्ल हो गए, इतनी डकैतियां हो गई, इतनी लूटमार की घटनाएं हो गई, इतनी चोरियों की घटनाएं हो गई, इतनी बहन बेटियों को उठा कर बदमाश ले गए और वे फिरौती मांग रहे हैं। मैं इस बात को मानता हूं कि यह सारा माफिया शराब बन्दी के नाम पर प्रदेश में चालू हुआ है। मैं सच्ची बात कहूंगा। चाहे चौधरी बंसी लाल हो, चौधरी भजन लाल या चौटाला हो। आज हरियाणा में हर तरफ बड़ा भारी वातावरण खराब हो गया है। आज भर्ती के नाम पर पैसा इकट्ठा किया जाता है, नौकरी के नाम पर पैसा लिया जाता है। आज हरियाणा में कहीं पर भी बिना पैसे दिए काम नहीं होता है। यह मैं नहीं कहता हूं बल्कि हरियाणा प्रदेश की जनता कहती है। आज प्रदेश में इनसे हर आदमी परेशान और दुखी है। आज ये इलैक्शन से क्यों भाग रहे हैं ? ये हमें कहते हैं कि हम इलैक्शन से भाग रहे हैं। उपाध्यक्ष महोदय, बी०जे०पी० के सहारे इनकी सरकार बनी थी और अब इन्होंने बी०जे०पी० से नाता तोड़ लिया है। आगे आपकी रास बैठने वाली नहीं है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री उपाध्यक्ष : अनिल विज़ जी, आप बीच में न बोलें। आप अपनी सीट पर बैठ जाएं। पार्लियामैंटरी अफेयर मिनिस्टर जी बोलेंगे। (शोर एवं व्यवधान)

वित्त मंत्री (प्रो० सम्पत सिंह) : उपाध्यक्ष महोदय, कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष चौधरी भजन लाल जी ने कहा है कि हमारी सरकार बी०जे०पी० की मेहरबानी से बनी थी। जहां तक बी०जे०पी० की मेहरबानी की बात है तो यह मेहरबानी तो इनकी आप पर हुई है। हमारी पार्टी 61 सीटों पर लड़ी थी और बी०जे०पी० 29 सीटों पर लड़ी थी। उन 61 सीटों में से हमने 48 सीटस पर जीत कर आए थे और 10 सीटों पर हमारे इन्डीपैंडैन्ट साथी जीत कर आए थे। जबकि बी०जे०पी० 29 में से सिर्फ 6 ही सीटों पर जीत कर आई थी। इस तरीके से इनकी मेहरबानी तो आप ही पर हुई है। अगर हम उन सीटों पर भी इन्डीपैंडेंट अपनी पार्टी के नुमायदों को लड़वाते तो ये सीटें भी हमारी ही होतीं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री कृष्ण पाल : उपाध्यक्ष महोदय, आप मेरी बात तो सुनिए।

श्री उपाध्यक्ष : कृष्ण पाल जी, आप अपनी सीट पर बैठ जाएं। (शोर एवं व्यवधान) गुर्जर साहब, आप बिना इजाजत के न बोलें। वित्त मंत्री जी को अपनी बात पूरी करने दें।

प्रो० सम्पत सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, इसके बाद भी सीन बॉय इलैक्शन हुए थे। उपाध्यक्ष महोदय, जनता ही फतवा देती है, मैंडेड देती है। उन तीनों इलैक्शंज में हम इन्डीपैंडेंट लड़े, बी०जे०पी०, कांग्रेस और दूसरी पार्टियां भी इन्डीपैंडेंट लड़ी थीं। वहां पर भी हमने इनको धूल चटाई है। हमने हमेशा बैशाखियां दूसरों को ही दी हैं, किसी से बैशाखियां ली नहीं हैं। अब दोबारा से चुनाव होगा तो इनको पता चला जाएगा। (शोर एवं व्यवधान)

श्री उपाध्यक्ष : कृष्णपाल जी, आप अपनी सीट पर बैठें। बिना इजाजत के मत बोलें। (शोर एवं व्यवधान) बैठिए-बैठिए। (शोर एवं व्यवधान)

श्री कृष्णपाल : उपाध्यक्ष महोदय, इन्होंने हमारा नाम लिया है। इसलिए मैं बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं।

श्री उपाध्यक्ष : आपका जब समय आएगा और जब आपको बोलने का समय दिया जाएगा, तब आप अपनी बात कर लेना। अब आप अपनी पार्टी सीट पर बैठें। (शोर एवं व्यवधान) आप बिना इजाजत के मत बोलें। (शोर एवं व्यवधान)

श्री कृष्ण पाल : * * * ।

श्री उपाध्यक्ष : कृष्ण पाल जी जो कुछ भी बोल रहे हैं, वह कुछ भी रिकार्ड नहीं किया जाए। (शोर एवं व्यवधान) आप अपनी सीट पर बैठ जाएं।

श्री कृष्ण पाल : * * * ।

श्री उपाध्यक्ष : आपका कुछ भी रिकार्ड नहीं हो रहा है। आप अपनी सीट पर बैठें। (शोर एवं व्यवधान) बैठिए। (शोर एवं व्यवधान)

श्री कृष्ण पाल : * * * ।

श्री उपाध्यक्ष : ये जो कुछ भी बोल रहे हैं वह कुछ भी रिकार्ड नहीं किया जाए। कृष्णपाल जी, आप बैठिए। (शोर एवं व्यवधान) आप बिना इजाजत के मत बोलिए। (शोर एवं व्यवधान) कृष्णपाल जी, जब मैं खड़ा हूं तो आप अपनी सीट पर बैठ जाएं। (शोर एवं व्यवधान) अब चौधरी भजन लाल जी बोलेंगे। (शोर एवं व्यवधान)

श्री कृष्ण पाल : * * * ।

श्री उपाध्यक्ष : कृष्ण पाल जी, हाउस धक्के से नहीं चलेगा।

श्री कृष्ण पाल : * * * ।

श्री उपाध्यक्ष : गुर्जर साहब की कोई बात रिकार्ड न करें। चौधरी भजन लाल जी, अब आप अपनी बात कहें (विघ्न) कृष्ण पाल जी, आप बैठें। अब आप सबको धमका रहे हैं।

श्री कृष्ण पाल : * * * ।

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

श्री उपाध्यक्ष : कृष्णपाल जी, आप बैठें। I warn you, कोई हद होती है, कोई सीमा होती है लेकिन आप कोई भी बात नहीं मान रहे हैं। यह आपका कोई तरीका नहीं है। (विघ्न) मेरे खड़े होने के बाद भी आप नहीं बैठते हैं। (विघ्न)

श्री राजेन्द्र सिंह बिसला : उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। मैं आपके माध्यम से यह निवेदन करना चाहूंगा कि अभी हमारे मित्र कृष्णपाल जी गुर्जर ने निर्दलीय विधायकों के चुनकर आने के बारे में जो बात कही है उसके बारे में मेरा निवेदन है कि उसको एक्सपंज करवा दिया जाए। **(इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए)** अध्यक्ष जी, जो निर्दलीय विधायक जीतकर आते हैं वह भी अपने चुनाव चिन्ह पर ही जीतकर आते हैं, यह भी अपने गुणों के कारण ही जीतकर आते हैं इसलिए जो इन्होंने इस बारे में कहा है वह कार्यवाही में नहीं आना चाहिए।

श्री अध्यक्ष : भजन लाल जी, आप कंटीन्यू करें। (विघ्न) गुर्जर साहब, आप बैठें। अब मैं आ गया हूं। (विघ्न) दलाल साहब, आप भी बैठें। बिसला जी, आप भी बैठें। (विघ्न)

चौ० भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, अभी प्रोफेसर सम्पत सिंह जी बोल रहे थे। इन्होंने बीच में टोककर कहा कि हमने सीटें जीतीं। लेकिन इनके जीतने के पीछे बैकग्राउंड क्या थी उसके बारे में इन्होंने कुछ नहीं कहा ?

श्री अध्यक्ष : भजन लाल जी, आप गवर्नर एड्रैस पर बोलें।

चौ० भजन लाल : मैं गवर्नर एड्रैस पर ही बोल रहा हूं। आप ऐसा न करें। हम आपकी इज्जत करते हैं इसका मतलब यह नहीं कि आप इतने सीनियर मैम्बर के बारे में भी ऐसी भाषा का इस्तेमाल करें।

श्री अध्यक्ष : आपके पास पूरा समय है आप गवर्नर एड्रैस पर ही बोलें।

चौ० भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, मुझे मजबूरी में कहना पड़ रहा है। * *

श्री अध्यक्ष : यह शब्द कार्यवाही से निकाल दें।

चौ० भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, सम्पत सिंह जी बोल रहे थे। मैं इनको बताना चाहता हूं कि ये इनकी वजह से जीते। अगर बी०जे०पी० के साथ मिलकर न लड़ते तो ऐसा न होता। अगर बी०जे०पी० वाले इनके साथ न होते तो इनकी इतनी सीट भी नहीं आ सकती थीं। अगर बी०जे०पी० वाले इनके साथ न होते तो आज सम्पत सिंह जी अपोजीशन में बैठते और इनकी जगह हम बैठते।

श्री अध्यक्ष : भजन लाल जी, अब की बार आप उनसे समझौता कर लें।

चौ० भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, हमारा समझौता उनसे नहीं हो सकता और किसी का हो सकता है लेकिन कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी का तालमेल नहीं हो सकता। ये तारीफ करते हैं कि हमने ये किया, वह किया और हमारे समय में बड़ा विकास हुआ। इनमें से जो खड़ा हो वही यह बात बोलता है। अध्यक्ष महोदय, सर्वे हुआ था।

श्री अध्यक्ष : भजन लाल जी, आप गवर्नर ऐड्रस पर बोलें।

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

चौ० भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, मैं गवर्नर ऐड्रस पर ही बोल रहा हूं। उस सर्वे में क्या कहा गया कि ऊपर से 19वें नंबर पर कौन सी सरकार-हरियाणा की सरकार। नीचे से तीसरे नंबर पर और ऊपर से 19वें नंबर पर। यह इस सरकार के कारनामों के कारण है। आपकी सरकार 19वें नंबर पर है यह रिकार्ड की बात है।

वित्त मंत्री (प्रो० सम्पत सिंह) : उस सर्वे का क्या हुआ ?

चौ० भजन लाल : आप हमारे सी०एल०पी० लीडर से प्रस्ताव रखवाकर भाग गए। लोक सभा के चुनावों में आपको आटे दाल का भाव पता लग जाएगा। आपकी हरियाणा में एक भी सीट आने वाली नहीं है।

श्री अध्यक्ष : आप सीटों की बात छोड़ें। आप गवर्नर ऐड्रस पर बोलें। यह कोई जलसा नहीं है यह विधान सभा का सैशन है।

चौ० भजन लाल : 10 की 10 सीटें कांग्रेस की आएंगी। (शोर एवं व्यवधान) कृपा करके आप सुनने की कृपा करें। कानून व्यवस्था के बारे में मैंने आपको बताया कि कितनी बुरी हालत है ? अभी आपके सामने भी मैं इस बारे में अर्ज कर रहा हूं कि हत्था करने वाले लोगों को जेल से छोड़ना इससे बुरी बात और क्या हो सकती है ? छोड़ इसलिए दिए कि कहीं बदमाशी करानी है, कहीं गुंडागर्दी, कहीं ज्यादती करानी है सियासी आदमियों को दबाना है। उनसे ये काम लेते हैं इसलिए छोड़ दिए। जबकि ऐसे उनको छोड़ नहीं सकते। गवर्नर साहब ने भी कहा कि गलत है। हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट ने भी कह दिया कि गलत है उसके बावजूद भी छोड़ दिये। यह कोई सरकार चलाने का तरीका नहीं है। मैजोरिटी के बलबूते पर ये सब कर रहे हैं आगे पता चलेगा कि इनकी हालत क्या होने वाली है ? इस सरकार से हर तरह से प्रदेश में लोग दुखी और परेशान हैं। अगर ये विधान सभा भंग करा दें तो इनको पता चल जाएगा और आपको भी पता चल जाएगा कि कहां खड़े हैं आप लोग ? अगली बार नहीं दिखोगे आप।

श्री अध्यक्ष : करनाल लोकसभा से आप चुनाव लड़े थे दोनों बार आप नहीं जीत पाए। करनाल लोकसभा से आप चुनाव लड़ो तो पता लगेगा।

चौ० भजन लाल : स्पीकर का काम होता है शांति से सुनना। कोई बदमगजी की बात करे तो उस बात को निकाल दें। हम स्पीड से बात करते हैं तो बीच में टोककर आप हमारी रेस तोड़ देते हो। सरकार ने टैक्सों की भरमार करके और बिजली के रेट बढ़ाकर जनता की बुरी हालत करके छोड़ रखी है। ये कहते थे कि हर साल पचास हजार लोगों को रोजगार मिल जाएगा लेकिन एक को भी रोजगार दिया हो तो बता दें। आज लोग कैसे रह रहे हैं यह इनको पता नहीं है। भर्ती में चाहे वह एस०एस०एस० बोर्ड की है चाहे पब्लिक सर्विस कमीशन की है, हर तरह से लोगों के साथ बड़ी ज्यादती और जुल्म हो रहे हैं और बड़ा अन्याय हो रहा है। यह मैं नहीं कहता यह हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट कहती हैं और इसकी सी०बी०आई० भी जांच कर रही है। जांच से पता चलेगा कि इनकी पोजीशन क्या है ? क्या यह सरकार रहने के लायक है या नहीं ? यह वक्त ही बतायेगा। अध्यक्ष महोदय, लोगों को आज हर प्रकार की परेशानी है। किसानों को नारा देते थे कि बिजली और पानी फ्री देंगे, फसल का अच्छा भाव देंगे। दे दिया किसानों को अच्छा भाव। गन्ने का भाव 110 रुपये प्रति क्विंटल मैं 1996 में छोड़कर गया था। आज वहीं 110 रुपये का भाव है। कई जगह वह भी

[चौ० भजन लाल]

नहीं मिलता। यह तो रिकार्ड की बात है कोई फर्जी बात नहीं है। कितने बुरे हालात हैं आज। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, यह तो रिकार्ड की बात है। (विघ्न) 110 रुपये प्रति क्विंटल का भाव मेरी सरकार ने दिया था। यह तो रिकार्ड की बात है। * * * * * (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : ये अनपार्लियामेंटरी शब्द रिकार्ड न करें। भजन लाल जी, आप वाईड अप करें।

चौ० भजन लाल : स्पीकर साहब, अभी मुझे पांच मिनट भी बोलते नहीं हुए हैं। ये लोग 20-25 मिनट तो बीच में वैसे ही खा गये। क्या कहते थे कि बिजली के बिल मत भरना हम आयेंगे तो माफ करेंगे। ये घासी राम नैन को पांचवां बेटा कहते थे। लोगों को बहकाया था कि बिजली के बिल मत भरो हम माफ कर देंगे। जब इनकी सरकार बन गई तो कह दिया कि बिजली के बिल भरो अगर बिजली के बिल नहीं भरोगे तो बिजली नहीं मिलेगी। पहले तो लोगों को बहकाया और गुमराह किया। बिजली के बिलों के मामले में लोगों पर गोलियां चलाईं, लोगों को भून दिया, मार दिया। जीन्द में किसानों पर गोलियां चलाईं और किसानों के नेता घासी राम नैन को अन्दर कर दिया उसकी अब जाकर जमानत हुई है। इस तरह से आज इतने बुरे हालात हैं। किसानों को न तो फसल का भाव दिया, न खाद का सही भाव दिया और डीजल के भाव बढ़ा दिये। भारत सरकार से इन्होंने भी यह नहीं कहा कि डीजल के भाव कम करो नहीं तो हम सरकार से सुपोर्ट विदड्रा करते हैं। इन्होंने ऐसा नहीं कहा। अध्यक्ष महोदय, हर तरह से लोग परेशान हैं, किसान भी, मजदूर भी, व्यापारी वर्ग भी। इन्होंने फसल बीमा योजना लागू करने की बात भी कही है कब लागू करेंगे ? ये तो जाने वाले हैं। इस तरह से इन्होंने हर प्रकार से लोगों को गुमराह किया है। बिजली के दामों में बढ़ोतरी की है फिर भी बिजली नहीं मिलती। आज के दिन किसानों को बिजली 4 से 6 घंटे से ज्यादा नहीं मिल रही और बिजली के रेट बढ़ा दिए। यदि ये किसानों को 14-15 घंटे बिजली देते तो ठीक था। अध्यक्ष महोदय, मेरे कहने का मतलब यह है कि हर तरफ लोग इनसे परेशान हैं जब ये लोगों के पास वोट लेने के लिए जायेंगे तो इनको पता चल जायेगा। अध्यक्ष महोदय, दिल्ली बोर्डर पर राई के अंदर सब्जीमण्डी बनाने के लिए हमारी सरकार के समय में हमने पत्थर लगाया था। पहले चौधरी बंसी लाल जी ने उस तरफ कोई ध्यान नहीं दिया और बाद में इन्होंने भी उस ओर ध्यान नहीं दिया। इन्होंने तो वहां पर सब्जी मण्डी की जगह कुछ और ही बना दिया। हमने तो वहां पर एयरपोर्ट बनाने की भी योजना बनाई थी ताकि वहां के किसानों की फल, सब्जियां और फूल दूसरे देशों में जा सकें और वहां के किसान अपनी रोजी रोटी आराम से कमा सकें। लेकिन अब तो ये भी कह रहे हैं कि ये वहां पर सब्जी मण्डी बनायेंगे। ये इसलिए कह रहे हैं क्योंकि इनको मालूम हो गया है कि हमारा राज आयेगा यानी कांग्रेस का इसलिए ये घबरा गये हैं। लेकिन इन्होंने वहां पर आधे से ज्यादा जमीन तो बरबाद कर दी है और आज थोड़ा सा एरिया बचा है। जो ये सब्जी मंडी बनाने की बात कर रहे हैं, 6 महीने का समय इनका बचा है उसमें ये कैसे बनायेंगे ? अध्यक्ष महोदय, सबसे जरूरी बात मैं एस०वाई०एल० कैनाल के बारे में करना चाहूंगा। जिसके बारे में आज हमने काम रोको प्रस्ताव भी आपको दिया था लेकिन आपने * * * *

श्री अध्यक्ष : चौधरी भजन लाल जी ने जो अनपार्लियामैंट्री शब्द कहे हैं वे रिकार्ड न किए जाएं। चौधरी साहब, एस०वाई०एल० का मामला सबज्यूडिस है, यह आपकी समझ में नहीं आयेगा।

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

चौ० भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, हम भी जानते हैं कि यह सबज्यूडिस है लेकिन सबज्यूडिस को भी टाईम देना जरूरी है। कोर्ट को यह बात बतानी जरूरी है कि हरियाणा के साथ बड़ा जुर्म और अन्याय हो रहा है।

श्री अभय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं चौधरी साहब को बताना चाहूंगा कि एस०वाई०एल० के मामले पर हमारी सरकार पूरा ध्यान दे रही है और अच्छे से अच्छे वकील कर रखे हैं। इनकी सरकार की तरह हमारी सरकार का अंधाखाता नहीं है।

चौ० भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, कोर्ट में केस मेरा किया हुआ है। भजन लाल ने कोर्ट में जो केस एस०वाई०एल० के बारे में किया था उसी पर सुप्रीम कोर्ट का डिसीजन हुआ है यह रिकार्ड की बात है, फैसले की बात है। अध्यक्ष महोदय, एस०वाई०एल० बहुत ही अहम मुद्दा है और सरकार ने इस पर सदन में बहस नहीं करवाई इससे गलत बात और क्या होगी ? यह हरियाणा के किसानों की जिन्दगी का सवाल है कि पानी पाकिस्तान को जाता रहे और हम यहां आराम से बैठे रहें, यह बात ठीक नहीं है इसलिए हमने इस बारे में एक रैज्योल्यूशन यानि काम रोको प्रस्ताव दिया था।

श्री अध्यक्ष : इस बारे में पूरे सदन का रैज्योल्यूशन जा चुका है। यह मामला सबज्यूडिस है।

चौ० भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, ये कम से कम तारीख तो तय करें कि इस दिन एस०वाई०एल० कैनाल का काम शुरू होगा।

श्री अध्यक्ष : चौधरी साहब, यह सबज्यूडिस मामला है और आज के दिन सुप्रीम कोर्ट में बहस चल रही है।

चौ० भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, सुप्रीम कोर्ट हरियाणा के हक में फैसला देगा और हरियाणा की जनता को पानी मिलेगा। लेकिन फिर भी यहां सदन में इस पर बहस हो जाती तो बहुत अच्छी बात थी। यह सरकार अपने राजनैतिक विरोधियों के खिलाफ केस दर्ज करवा रही है। जय प्रकाश जी, जो हमारे एम०एल०ए० हैं उनके खिलाफ 4 हजार रुपये लेने का मुकद्दमा दर्ज करवाया। मैं पूछना चाहता हूं कि क्या एक एम०एल०ए० 4 हजार रुपये किसी से लेकर डैकती मारेगा ? यह बड़ी गलत बात है कि ऐसे गलत मुकद्दमे लोगों के खिलाफ दर्ज करवाये जा रहे हैं। आप लोग कुछ तो ऐसी बात करें जो किसी के मन में उतर जाये। इस सरकार ने सैंकड़ों राजनैतिक विरोधियों के खिलाफ मुकद्दमे दर्ज करवा रखे हैं। यह सरकार अपने विरोधियों को डरा रही है, धमका रही है और दूसरे तरीके से परेशान कर रही है। सरकारी अफसरों को भी यह सरकार परेशान कर रही है। बाद में ये खुद मानेंगे कि हमने गलत काम किया है। आपको आने वाला समय माफ नहीं करेगा।

प्रो० सम्पत सिंह : आप भी अपने राजनैतिक विरोधियों के खिलाफ मुकद्दमे दर्ज करवाते हैं।

चौ० भजन लाल : मैंने कभी कोई एक केस भी दर्ज नहीं करवाया।

श्री कृष्ण पाल : अध्यक्ष महोदय, प्रो० सम्पत सिंह जी कुछ कहना चाहते हैं।

प्रो० सम्पत सिंह : मैं कुछ नहीं कहना चाहता।

श्री कृष्ण पाल : स्पीकर साहब, चौधरी भजन लाल जी भी अपने विरोधियों की अकड़ को ढीली करवाने के लिए मुकद्दमे दर्ज करवाने के लिए चौटाला साहब को इशारा कर देते हैं।

चौ० भजन लाल : इन्होंने अखबार वालों का भी मर्डर करवा दिया, इससे बुरी बात और क्या होगी ?

श्री अभय सिंह चौटाला : यह काम तो आपने शुरू किया था।

चौ० भजन लाल : मैंने ऐसा कोई काम शुरू नहीं किया लेकिन अगर कोई गलत काम करता है तो क्या आप भी उस गलत रास्ते पर चल रहे हो ? स्पीकर साहब, जे०बी०टी० अध्यापक लगाने के लिए इन्होंने अपनी लिस्ट एक अधिकारी को दी कि यह लगा दो। जब उस अधिकारी ने इनकी बात नहीं मानी तो उसको सस्पेंड कर दिया गया। अब उस केस की जांच सी०बी०आई० कर रही है। यही नहीं यह सरकार नौकरी देने के मामले में बड़ा भारी भेदभाव दिखा रही है। भाई-भतीजावाद के आधार पर यह सरकार काम कर रही है। चाहे पब्लिक सर्विस कमीशन की बात हो या एस०एस०एस० बोर्ड की बात हो, हर जगह पर भेदभाव के आधार पर नौकरी दी जा रही है। अब मैं गृहकर नीति के बारे में बताना चाहता हूं।

श्री अध्यक्ष : भजन लाल जी, आपकी यह बात पहले भी आ चुकी है। आप नई बात करें।

चौ० भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, इस सरकार ने खरीफ की फसल का मूल्य बढ़ाने के लिए भी प्रयास नहीं किया। इस सरकार ने सिरसा जिले में एक यूनिवर्सिटी चौधरी देवी लाल जी के नाम से खोली है। उस यूनिवर्सिटी के साथ कुछ जिलों के कालेजिज को जबरदस्ती जोड़ा जा रहा है। इस बारे में मेरा कहना यह है कि आप उस यूनिवर्सिटी को अच्छा बनाएं ताकि लोग अपने आप वहां पर आएं। अच्छी यूनिवर्सिटी में तो लोगों को जगह नहीं मिलती। सरकार ने रोहतक, भिवानी, जीन्द आदि जिलों के कालेजिज को जो जोड़ा है वह ठीक नहीं है। (विघ्न) इसी प्रकार से सरकारी कर्मचारियों के देहान्त के बाद उनके आश्रितों को पहले नौकरी दी जाती थी, वह भी इस सरकार ने बन्द कर दी है, यह कोई अच्छी बात नहीं है। इनके मंत्री यहां पर बैठे हैं। इनकी काबलियत पर भी मुझे बड़ा रहम आता है। मैं अपशब्द तो नहीं कहूंगा कि ये * * * हैं लेकिन इनकी हालत इससे भी बुरी है।

श्री अध्यक्ष : यह शब्द कार्यवाही से निकाल दिया जाये।

चौ० भजन लाल : इनको नहीं कहा है मैंने बताया है (विघ्न) सरकारी नौकरियों में धपलेबाजी है इसकी जांच होनी चाहिए इसके लिए कमीशन बनना चाहिए।

श्री अध्यक्ष : चौधरी भजन लाल जी, अब आप रिपीट कर रहे हैं इसलिए आप अपनी सीट पर बैठें। (विघ्न) अब आप कोई भी नई बात नहीं कह रहे हैं केवल हैडिंग्ज पढ़ रहे हैं आपके पास जितने भी हैडिंग्ज लिखे हुए हैं आप वह लिख कर दे दें। यदि आपको कुछ और बात कहनी है तो कहिए नहीं तो आप अपनी सीट पर बैठें। (विघ्न)

चौ० भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, मुख्य मन्त्री महोदय विदेश में गए थे और कहा था कि हरियाणा में उद्योग लेकर आएंगे। क्या उद्योग आ गए ? हरियाणा में तो लगे हुए उद्योग ही यहां से उठ कर प्लायन करके बाहर चले गए हैं। (विघ्न) नये उद्योग भी हरियाणा में नहीं लगे हैं। ये पूछते हैं कि उद्योग कितने रुपये में लगेगा। अगर एक फैक्टरी 1000 करोड़ रुपये में लगनी है तो कहते

---

* चेयर के आदेशानुसार कार्यवाही से निकाला गया।

हैं कि एक हजार करोड़ रुपये में से 500 करोड़ दीजिए, आज प्रदेश में उद्योगों का यह हाल है। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, तकनीकी कोर्सों की फीसें बेतहाशा बढ़ा दी गई हैं। गांवों में ग्रामीण विकास समितियां बना दीं। जब गांवों में ग्रामीण विकास समितियां बना दी गई हैं तो फिर पंचायतों का क्या महत्व गांवों में रह गया है ? अब गांवों में पंचायतों का कोई महत्व नहीं रह गया है। अध्यक्ष महोदय, इन्होंने कह दिया कि हम भगवान विश्वकर्मा के नाम पर हरियाणा प्रदेश में एक यूनिवर्सिटी बनाएंगे। यह इन्होंने केवल बैकवर्ड क्लास के लोगों के वोट लेने के लिए कह दिया लेकिन अब ये उन लोगों को पूछते तक नहीं हैं। फिर निजी प्रचार के लिए इन्होंने सरकारी धन का दुरुपयोग किया। अध्यक्ष महोदय, आप अन्दाजा लगाएं कि कितने पैसे का दुरुपयोग हुआ। इन्होंने राजस्थान में चुनाव लड़ा और यू०पी० में भी चुनाव लड़ा।

श्री अध्यक्ष : वहां पर चुनाव लड़ सकते हैं इसमें क्या प्रॉब्लम है।

चौ० भजन लाल : स्पीकर सर, मैं कब कहता हूं कि चुनाव नहीं लड़ सकते हैं। ये चुनाव लड़ सकते हैं और लड़ें। (विघ्न) स्पीकर सर, ऐसा है कि वहां पर इनका अपना खाता तक भी नहीं खुला। यू०पी० में इन्होंने 122 आदमी खड़े किए थे और सिवाय एक आदमी के सब की जमानतें जब्त हो गई थीं। राजस्थान में उन्होंने महाराजा भरतपुर का सहारा ले लिया जिसके कारण उनके चार आदमी विधान सभा के सदस्य बन गए और ये कहते हैं कि यह हमारे आदमी हैं। वे आदमी तो महाराजा भरतपुर के हैं इनका अपना तो एक भी आदमी नहीं है। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : आप यह बताएं कि महाराजा किस का है ?

चौ० भजन लाल : यह महाराजा तो कांग्रेस पार्टी का था (विघ्न) यह कांग्रेस पार्टी छोड़ कर चला गया था और उसको इन्होंने पकड़ लिया। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : महाराजा को पकड़ना क्या आसान काम है ? (विघ्न एवं शोर)

मुख्य संसदीय सचिव (श्री रामपाल माजरा) : अध्यक्ष महोदय, ऑन ए प्वायंट ऑफ आर्डर। सर, चौधरी भजन लाल जी कह रहे हैं कि महाराजा विश्वेन्द्र सिंह की वजह से हम राजस्थान में जीते हैं और वे कांग्रेसी हैं। इन्होंने उनके बहुत तरले किए। उन्होंने मुझे खुद यह बात बताई थी जब मैं उनके पास भरतपुर में रहा था। इन्होंने उनसे यह भी कहा कि मेरे से आप जो भी चाहें वह ले लें मैं दे दूंगा। कांग्रेस पार्टी का बड़े से बड़ा ओहदा दे सकता हूं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का बड़े से बड़ा ओहदा क्या है अगर आप मुझे राजस्थान कांग्रेस का प्रधान भी बनवा दें तो भी मैं बनने के लिए तैयार नहीं हूं और मैं इनकी बात को नहीं मानूंगा। यह बात उन्होंने मुझे खुद बताई थी।

चौ० भजन लाल : इनको बताने के लिए वह कहां आया था। महाराजा भरतपुर तो कांग्रेस पार्टी में था और दस सीटें मांग रहा था। जब उसको दस सीटें नहीं मिलीं तो वह नाराज हो कर कांग्रेस पार्टी छोड़ गया। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : फिर वह किस पार्टी में गया ?

चौ० भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, * * * * * * * * * * * *

श्री अध्यक्ष : इन्होंने जो बात कही है वह रिकार्ड न की जाए। (विघ्न)

चौ० भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे यह कह रहा था कि कहीं पर भी इनका अपना खाता नहीं खुला (विघ्न) ये प्रदेश से पैसा लूट रहे हैं और चुनाव लड़ रहे हैं। (विघ्न) इसके बाद इन्होंने प्रदेश में बसों के किराए बढ़ाने का काम किया। इस सरकार के वक्त में शराब के ठेके भी अलग ही तरीके से दिए जाते हैं जिसके बारे में हमने पहले कभी नहीं सुना था। 10 जिलों में ठेकों की बोलियां होती हैं और उसमें ये कहते हैं कि 2 ठेके फलाने को दे दो, 4 ठेके फलाने आदमी को दे दो और दो फलाने को दे दो। अध्यक्ष महोदय, क्या ऐसा कभी होता है ? ये ऐसा इसलिए करते हैं ताकि ये पैसा लूटते रहें और मौज करते रहें। इसके अलावा इन्होंने शहीदों को भी बदनाम करने की कोशिश की है। हिसार में गुरु जम्भेश्वर यूनिवर्सिटी को भी खत्म करने का काम यह सरकार कर रही है। आज गांवों में शिक्षा का बहुत बुरा हाल है। अध्यक्ष महोदय, भर्ती के बारे में भी मैं कहना चाहूंगा कि कहीं पर भी इन्साफ नहीं हो रहा है। हर तरफ भर्ती में ना-इन्साफी हो रही है। इस सरकार की नीतियों के कारण हरियाणा से चावल मिल मालिक प्लायन करके जा रहे हैं।

श्री अभय सिंह चौटाला : आप फतेहाबाद की बात भूल गए हैं क्या ?

चौ० भजन लाल : अब भी वहां से लड़ लो। * * * |

श्री अध्यक्ष : यह जो कुछ भी भजन लाल जी ने कहा है वह रिकार्ड नहीं किया जाए।

चौ० भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, आज प्रदेश में हर तरफ बेरोजगारी बढ़ रही है। कहीं पर भी लोगों को इन्साफ नहीं मिल रहा है। अब मैं रोहतक के बारे में कहना चाहूंगा कि अस्पतालों में जो प्रयोगशालाएं होती हैं उनको भी ठेके पर देने की बात यह कह रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, ये तो महामहिम राज्यपाल महोदय का भी सम्मान नहीं करते हैं। वे कोई भी काम कह दें यह करते नहीं हैं। अगर यह सरकार अन्याय करती है तो उनको लिखकर देना पड़ता है लेकिन ये उस पर भी अमल नहीं करते हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं तो सरकार से यही कहना चाहता हूं कि ये अच्छे काम करें और प्रदेश में अमन और शान्ति कायम करने का प्रयास करें। इन्हीं शब्दों के साथ मैं आपका धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे बोलने का समय दिया। (शोर एवं व्यवधान)

आवाजें : अध्यक्ष महोदय, इनसे और बुलवाओ।

श्री अध्यक्ष : भजन लाल जी, आप और बोलना चाहते हो तो बोल लो या आपने अपनी बात समाप्त कर ली है।

चौ० भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, इन्होंने कहा है इसलिए मैं और बोल लेता हूं। अध्यक्ष महोदय, इन्होंने एक एच०ई०आर०सी० रैगुलेटरी कमिशन बना रखा है। * * * * |

श्री अध्यक्ष : भजन लाल जी की वोट वाली बात रिकार्ड न की जाए।

चौ० भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, अब आपने ही कहा है कि बोलो तो मैं बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं लेकिन अब आप ही मेरी बात रिकार्ड नहीं करवा रहे हैं। अब मैं बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं तो कुछ तो बोलूंगा।

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

श्री अध्यक्ष : नहीं नहीं, अब आपके पास कहने के लिए कुछ नहीं है इसलिए आप बैठें। अब जय प्रकाश बरवाला जी बोलेंगे।

चौ० जय प्रकाश (बरवाला) : अध्यक्ष महोदय, महामहिम राज्यपाल महोदय ने कल जो सदन में सरकार के द्वारा बनाया गया असत्य और सच्चाई से परे कागजों का एक दस्तावेज पढ़ा, उसके बारे में मैं आपको बताना चाहूंगा कि जब महामहिम इसको पढ़ रहे थे तो उनकी आत्मा नहीं मान रही थी कि मैं इसको पढ़ूं क्योंकि इसमें जितनी भी बातें दर्शायी गयी हैं उनमें शारी की सारी में सच्चाई नाम की कोई चीज नहीं है इसलिए मैं इसके विरोध में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। अध्यक्ष महोदय, इसमें लिखा है कि इस सरकार ने सामाजिक न्याय के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए मार्गदर्शी एवं क्रान्तिकारी नीतियां शुरू तथा कार्यान्वित की हैं। अध्यक्ष महोदय, इनमें कोई सच्चाई नहीं है क्योंकि जब से यह सरकार बनी है तब से किसानों का शोषण हुआ है। यह सरकार किसानों के कन्धों पर बैठकर बनी है लेकिन जितना नुक्सान किसान का इस सरकार के समय में हुआ उतना आज तक दुनिया की किसी सरकार के समय में नहीं हुआ है। इस अभिभाषण में लिखा हुआ है कि इस सरकार ने बाजरा 505 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से खरीदा। अच्छी बात है इसमें कोई दो राय नहीं है। अध्यक्ष महोदय, जहां से मैं एम०एल०ए० हूं वहां का इलाका बाजरे का है। जिस समय इस सरकार ने बाजरे का रेट 505 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से खरीदने की बात कही थी उस समय तो बाजरा 70 फीसदी तक बिक चुका था। लेकिन इन्होंने राजस्थान में अपनी राजनीति करने के लिए राजस्थान के लोगों को कह दिया कि आप हरियाणा में जाकर अपना बाजरा बेचो। अध्यक्ष महोदय, राजस्थान के चुनावों की मजबूरी की वजह से इन्होंने बाजरे का 505 रुपये का दाम दिया।

श्री रामबीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। स्पीकर साहब, मैं आपके द्वारा माननीय साथी को बताना चाहूंगा कि राजस्थान में उस समय कांग्रेस की सरकार थी उन्होंने क्यों नहीं बाजरे का भाव इतना दिया ? अध्यक्ष महोदय, समर्थन मूल्य किसी एक प्रदेश के लिए नहीं होता बल्कि वह तो पूरे देश के लिए होता है। चाहे बाजरे का मूल्य हो, चाहे कपास का मूल्य हो या चाहे धान का मूल्य हो। अगर वहां पर कांग्रेस की सरकार बाजरा इतने मूल्य पर नहीं खरीद रही थी एवं वहां पर किसानों का शोषण हो रहा था ऐसे में यदि किसानों ने अपना बाजरा हरियाणा में बेच दिया तो इसमें माननीय साथी को क्या नुक्सान हो गया है ? हरियाणा सरकार ने किसान के बाजरे का दाना-दाना 505 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से खरीदा है। उस समय इनकी वहां पर सरकार थी और यदि चुनाव के समय में भी वहां की सरकार ने किसानों का बाजरा उचित मूल्य पर नहीं खरीदा तो इसमें दोष किसका है ? यह आप इनसे पूछें कि उस समय इनकी सरकार ने कितना बाजरा खरीदा ?

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, हमारे साथी ने कहा कि राजस्थान के चुनाव थे फिर भी वहां की सरकार ने बाजरे का उचित दाम नहीं दिया था। यह ठीक बात है कि इन्होंने 505 रुपये बाजरे का भाव किसानों को देने के लिए कहा लेकिन असलियत क्या है वह मैं आपको बताना चाहता हूं। इन्होंने वहां के किसानों से तीन सौ रुपये के हिसाब से बाजरा खरीदा और यहां पर 505 रुपये के हिसाब से बेचा यानी इसमें भी इन्होंने खाया है।

वित्त मंत्री (प्रो० सम्पत सिंह) : स्पीकर सर, वैसे तो लीडर ऑफ दी अपोजीशन श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा ने और उनकी पार्टी के चीफ व्हीप दोनों ने इस बात को एडमिट किया कि हरियाणा

[प्रो० सम्पत सिंह]
सरकार ने बाजरे की खरीद की और राजस्थान सरकार ने नहीं की जबकि वहां पर इनकी पार्टी की सरकार थी। यह इन्होंने मान लिया। (विघ्न)

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, * * *

श्री अध्यक्ष : हुड्डा साहब, आप बैठें। हुड्डा साहब की कोई बात रिकार्ड न करें। हुड्डा साहब, जब राजस्थान का बाजरा हरियाणा ने खरीदा तो यह तो इम्प्लाईड था इसलिए हुडा साहब आप बैठें।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, * * *

श्री अध्यक्ष : हुड्डा साहब, आप बैठें। (विघ्न) कप्तान साहब, आप भी बैठें। पार्लियामैन्ट्री अफेयर्ज मिनिस्टर बोल रहे हैं इसलिए आप बैठें।

वित्त मंत्री (प्रो० सम्पत सिंह) : अध्यक्ष महोदय, असैम्बली में जो कुछ कहा जाता है वह आप 13.00 बजे रिकार्ड निकलवा कर देख लें अभी हुड्डा साहब ने खुद कहा था कि कांग्रेस की सरकार ने वहां खरीद नहीं की। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : वे तो खुद हां भर ही रहे हैं।

प्रो० सम्पत सिंह : जहां तक खरीद का सवाल है हरियाणा सरकार ने चाहे वह पैडी की खरीद है चाहे गन्ने की खरीद है चाहे गेहूं की खरीद है, सारे पुराने रिकार्ड तोड़कर सरकार ने किसान की पैदावार की खरीद की है। जहां तक बाजरे की खरीद की बात है दो लाख टन से फालतू बाजरे की खरीद 505 रुपये के भाव पर हुई है। बाजरे का जो एरिया है, वह राजस्थान के मुकाबले में हमारे यहां पर दसवां हिस्सा भी नहीं पड़ता। वहां केवल 50 हजार टन की खरीद हुई है। इन लोगों को तो हमारी प्रिक्योरमैंट पॉलिसी को ऐप्रीशिएट करना चाहिए जिसके थ्रू हमने किसान को मदद दी है न कि इसमें भी उल्टी सीधी राजनीति निकालनी चाहिए।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वाइंट ऑफ ऑर्डर है। वित्त मंत्री जी ने रिकार्ड की बात कही है इन्होंने मेरा और जयप्रकाश जी का नाम लिया। जय प्रकाश ने यह कहा है कि 70 परसैंट किसान मंडी में बाजरा बेच चुके थे उसके बाद इन्होंने इसकी खरीद शुरू की। आप चाहें तो रिकार्ड निकलवा कर देख लें।

श्री मांगे राम गुप्ता : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वाइंट ऑफ ऑर्डर है। यह जो बाजरे के परचेज की चर्चा शुरू की है। बाजरे की परचेज हरियाणा सरकार ने अपने बिहाफ पर नहीं की बल्कि केन्द्र सरकार की सपोर्ट प्राइस पर अपनी पौलिसी तैयार की। केन्द्र सरकार नॉर्म्स बनाती है कि ये क्वालिटी होगी, ये फार्मूला होगा तथा इस क्वालिटी की परचेज 505 रुपये में होगी और जो रिजैक्टेड होगी वह 100 या 50 रुपये कम में बिकती है। जो राजस्थान गवर्नमैंट के फार्मूले में नहीं आई वह उन्होंने नहीं खरीदी। वह इन्होंने अपने आदमियों के थ्रू खरीदकर जबरदस्ती अधिकारियों पर दबाव डालकर 505 रुपये में यहां बिकवाई है और बीच में पैसा खाया है।

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

प्रो० सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, मांगे राम जी को अपना बिजनेस याद आ रहा है। सरकार बिजनेस नहीं करती। सरकार लोगों की भलाई के लिए काम करती है। अगर किसान प्रदेश से खत्म हो जाएगा तो यह सारी अर्थव्यवस्था चरमरा जाएगी। हरियाणा सरकार ने मापदण्ड से भी खरीदी है। हरियाणा के किसान के बाजरे में थोड़ी बहुत कमी थी तो भी खरीदी है बिजनेस करना इनका काम है। सैन्टर की सरकार नहीं उठाएगी तो उसका पैसा हमने देना है किसान को जीवित रखने के लिए। (शोर एवं व्यवधान) यह सरकार का फर्ज होता है। ये अपने जमाने की बात याद करते हैं। इस सरकार ने जो भी एक-एक दाना मंडी में आया है वह किसानों के हित के लिए खरीदा है।

चौ० जयप्रकाश : स्पीकर सर, गुप्ता जी ने ठीक कहा है। मेरे कहने का तात्पर्य यह था कि जो बाजरा राष्ट्रीय लोकदल के सदस्यों ने लाइसैंस लेकर राजस्थान से 300 रुपये क्विंटल के भाव से खरीदा उसको उन्होंने हरियाणा में 505 रुपये प्रति क्विंटल के भाव से बेच दिया है। * * * * * * * * *

श्री अध्यक्ष : ये आखिर के शब्द कार्यवाही से निकाल दिये जायें।

चौ० जयप्रकाश : स्पीकर सर, पिछले सीजन में सरस्वती शुगर मिल यमुनानगर में किसानों को गन्ने का भाव 87 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से दिया गया। प्रोफैसर साहब तो अपनी वाह-वाही लूटने के लिए असत्य का प्रचार करते हैं कि 110 रुपये प्रति क्विंटल का भाव गन्ने का किसानों को दिया जा रहा है। मैं आपके माध्यम से सरकार को बताना चाहूंगा कि जो मार्जिन 87 रुपये और 110 रुपये का है क्या वह किसानों को यह सरकार देगी ? क्योंकि यमुनानगर के चुनाव में इस सरकार ने अपने मैनीफैस्टो में यह कहा था कि यदि किसानों को गन्ने की पेमैंट 15 दिन के अन्दर-अन्दर नहीं हुई तो यह सरकार किसानों को दो रुपये सैंकड़ा के हिसाब से ब्याज देगी। माननीय मुख्यमंत्री जी अपने जवाब में बतायें कि किसानों को कितना ब्याज दिया गया ?

कृषि मंत्री (सरदार जसविन्द्र सिंह संधू) : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। जैसा कि माननीय साथी ने कहा है मैं इनको बताना चाहता हूं कि जो ब्याज देने की बात है उसमें यह था कि अगर केन्द्र सरकार ने जो भाव तय किया था यदि वही भाव हरियाणा सरकार नहीं देती तो ब्याज दिया जायेगा परन्तु हरियाणा सरकार ने तो केन्द्र सरकार के भाव से कहीं ज्यादा भाव गन्ने का किसानों को दिया है इसलिए ब्याज देने का तो कोई सवाल ही नहीं है।

चौ० जयप्रकाश : अध्यक्ष महोदय, यह बात चुनाव घोषणा पत्र में थी कि यदि 15 दिन के अन्दर पेमैंट नहीं दी जाती है तो सरकार ब्याज देगी। दूसरा इस सरकार ने वैट प्रणाली लागू की है। मैं आपके माध्यम से माननीय वित्त मंत्री जी को बताना चाहूंगा कि ये बड़े बयान देते हैं कि जो व्यापारी टैक्स चोरी करता है, वैट उस पर लागू होगा। जब से वैट प्रणाली लागू हुई है हरियाणा प्रदेश का बासमती, किसान का नरमा पंजाब की मण्डियों में 150-200 रुपये प्रति क्विंटल सस्ता बिक रहा है। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : जयप्रकाश जी, वैट की डैफिनेशन बताइये।

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

चौ० जयप्रकाश : वैल्यू एडिड टैक्स। अध्यक्ष महोदय, ऐसा नहीं कि मैं जानता नहीं हूं। अध्यक्ष महोदय, मेरे कहने का तात्पर्य यह है कि वैट लागू करके हरियाणा के किसान का नाश इस सरकार ने किया है। व्यापारियों से माल इकट्ठा करके सरकार की जेब में डाला गया है। किसानों पर सबसे ज्यादा मार पड़ी है। क्या कसूर था किसानों का कि किसान के नेता को राजद्रोह के मुकदमे में फंसाया गया ? सुप्रीम कोर्ट ने यह बात कही है। किसानों के नेता श्री घासीराम नैन को एक साल दो महीने से जेल में रखा गया। किसानों के नेता की कुर्बानी के बारे में लोग बतायेंगे। स्पीकर सर, जहां तक मंत्रिमण्डल का प्रश्न है इस बारे में मैं कहना चाहूंगा कि मौजूदा सरकार का मंत्री मण्डल बहुत छोटा है। मौजूदा सरकार में * * *

श्री अध्यक्ष : जय प्रकाश जी ने जो अनपार्लियामैंट्री शब्द कहें हैं वे रिकार्ड न किए जायें।

चौ० जय प्रकाश : अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री महोदय ने बयान दिया था कि वे अपने मन्त्रियों को एमबैस्डर गाड़ियां देंगे जबकि पहली वाली सरकारें उनको कन्टेसा गाड़ियां देती थीं जिसकी वजह से सरकारी खजाने पर ज्यादा बोझ पड़ता था। लेकिन हमारे मुख्यमंत्री महोदय ने अपने मन्त्रियों को लग्जरी गाड़ी सोनाटा दी है जो कि बहुत महंगी गाड़ी है। अध्यक्ष महोदय, शायद आप भी उसी गाड़ी में बैठते होंगे। आप तो कम से कम वापिस कर देते, आप तो किसान के बेटे हैं।

श्री अध्यक्ष : जय प्रकाश जी, सभी विधायकों के ट्रैवलिंग एलाउंसिज भी तो बढ़ाये गये हैं।

चौ० जय प्रकाश : स्पीकर सर, ठीक है, हमारे भत्ते बढ़ाये गये हैं इसके लिए आपका धन्यवाद।

श्री अभय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। जय प्रकाश जी ने कहा कि सरकार ने मन्त्रियों को सबसे महंगी गाड़ी दे दी इससे किसानों पर बोझ पड़ा। इस बारे में मैं बताना चाहूंगा कि इनको किसानों से कोई लेना देना नहीं है। जय प्रकाश जी की पार्टी के विधायक मेरे पास आये और मुझे कहने लगे कि विधायकों के भत्ते बढ़वाने के लिए मैं मुख्यमंत्री जी से बात करूं। मैंने इनको कहा कि आप मिल लीजिएगा मैं आपके साथ नहीं जाउंगा। ये मुख्यमंत्री जी से मिले। मुख्यमंत्री जी ने इनको कहा कि भत्ते बढ़ाने से किसानों पर, व्यापारियों पर और आम जनता पर बोझ पड़ेगा। लेकिन इन्होंने कहा नहीं हमारे भत्ते बढ़ा दो। (शोर एवं व्यवधान)

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, ये झूठ बोल रहे हैं।

श्री अध्यक्ष : जय प्रकाश जी, आप कन्टीन्यू करें। (शोर एवं व्यवधान)

डा० रघुबीर सिंह कादियान : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। * * *

श्री अध्यक्ष : डा० रघुबीर सिंह कादियान की कोई बात रिकार्ड न की जाये। (शोर एवं व्यवधान) नो-नो कोई रिकार्डिंग नहीं। प्लीज, आप सभी बैठें। आप सबको बोलने का अवसर मिलेगा। जय प्रकाश जी, आप कन्टीन्यू करें।

चौ० जय प्रकाश : अध्यक्ष महोदय, अभय चौटाला जी ने यह बात ठीक कही कि इनके पास गये, यही बात तो मैं इनसे कहलवाना चाहता था। इससे पता चलता है कि आज के दिन हरियाणा में * * * * * *

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

श्री अध्यक्ष : जय प्रकाश जी ने जो अनपार्लियामैंट्री शब्द कहे हैं वे रिकार्ड न किए जायें। जय प्रकाश जी आप राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलें। इधर-उधर की बात न करें।

श्री अभय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं इस बात से नहीं मुकरता कि विपक्ष के साथी मेरे पास आयें और मुझे कहने लगे कि आप भी हमारे साथ मुख्यमंत्री जी के पास चलो। मैंने फिर इनको यह बात कही थी कि पहले आप लोग इकट्ठे होकर मुख्यमंत्री जी से आग्रह करें कि भत्ते बढ़ाये जायें उसके बाद हमारी पार्टी के साथी जायेंगे। अध्यक्ष महोदय, पहले इन्होंने जाकर मुख्यमंत्री जी से आग्रह किया था यदि नहीं किया तो ये बता दें। अध्यक्ष महोदय, जय प्रकाश जी ने जिक्र किया कि लम्बी-लम्बी गाड़ियां मंत्रियों को दे दी। इस बारे में मैं उनको बताना चाहूंगा कि हमारी सरकार ने ये गाड़ियां मंत्रियों को इसलिए दी हैं ताकि कम समय में अधिक से अधिक काम हमारे मंत्री कर सकें। अध्यक्ष महोदय, बारी-बारी से विपक्ष के साथी जिक्र कर रहे हैं कि उनका सरकार से विश्वास उठ गया है सरकार विधान सभा चुनाव भी लोक सभा चुनावों के साथ करवा लें। चौधरी देवी लाल जी का जब उस समय की सरकार से विश्वास उठ गया था तो उन्होंने अपने सभी साथियों के साथ विधान सभा से इस्तीफा दे दिया था और जब तक वह सरकार प्रदेश में रही एक पैसा भी सरकारी एलाउंसिज का नहीं लिया। यदि विपक्ष के लोगों को भी जनता का इतना ही ख्याल है तो ये भी अपना इस्तीफा दे दें और सरकार से जो पैसा एलाउंसिज का ले रहे हों उसको छोड़ दें।

चौ० भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, * * * (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : चौधरी भजन लाल जी की कोई बात रिकार्ड न की जाये।

नगर एवं ग्राम आयोजना मन्त्री (श्री धीरपाल सिंह) : अध्यक्ष महोदय, इस्तीफा देने के बाद 2 नवम्बर, 1985 के बाद कोई पैसा नहीं लिया था।

चौ० जय प्रकाश : अध्यक्ष महोदय, अब मैं सड़कों की बात करना चाहूंगा। मैं यह बात मानता हूं कि हरियाणा में सड़कें बनी हैं मगर ये सड़कें हरियाणा के किसानों और मजदूरों के खून पसीने की कमाई की वजह से बनी हैं। क्योंकि केन्द्र सरकार ने जो डेढ़ रुपया डीजल पर सैस लगाया है उसका जो पैसा आया उससे यह सड़कें बनीं, उससे किसानों को नुकसान हुआ। आज जो सड़कें बनी वे बिलो स्टैण्डर्ड की बनीं क्योंकि इन्होंने ठेके ऐसे लोगों को दिए जो इनके अपने चहेते थे। एक उदाहरण मैं आपको बताना चाहूंगा कि जीन्द से रोहतक रोड जो नैशनल हाई वे नं० 65 है वह बनने से पहले ही टूट गया। मैं आपके माध्यम से सदन के नेता से जानना चाहता हूं कि क्या ऐसे लोगों के खिलाफ कार्यवाही की जायेगी जिन्होंने इस तरह से ठेके लेकर के बिलो स्टैण्डर्ड मैटिरियल इस्तेमाल किया जिस कारण सारी सड़कें टूट गईं जिससे हरियाणा प्रदेश की जनता को नुकसान हुआ ?

अध्यक्ष महोदय, अब मैं उद्योग नीति के बारे में अपनी बात कहना चाहता हूं। माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने एक फैसला दिया था कि दिल्ली के अन्दर जो उद्योग हैं वे दिल्ली की आबादी के अन्दर से हटाए जाएं। मेरे कहने का मतलब यह है कि यह एक ऐसा फैसला था जिससे हरियाणा में काफी उद्योग धन्धा पनप सकता था और इससे अच्छी वायबल जगह गुड़गांव आदि के पास उनके लिए नहीं हो सकती थी। मैं सरकार से जानना चाहता हूं कि ऐसी कितनी इण्डस्ट्री हरियाणा में आई

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

[चौ० जय प्रकाश]

जिससे हरियाणा को फायदा हुआ हो और ऐसे उद्योगों को इन्होंने कितनी रियायतें दीं ? जहां तक औद्योगिक प्लाट देने की बात है, वे भी इस सरकार ने गुड़गांव के अन्दर अपने चहेते लोगों को दिए जिन्होंने बाद में ब्लैक में वे प्लाट बेच दिए।

अध्यक्ष महोदय, अब मैं कर्मचारियों के बारे में बात कहना चाहता हूं। मुख्यमंत्री जी कह रहे हैं कि एक साल के अन्दर में 50 हजार लोगों को नौकरी दूंगा, बेरोजगारों को नौकरी देना अच्छी बात है। मैं पूछना चाहता हूं कि जिन लोगों की 25-25 साल की नौकरी हो चुकी थी जिनमें कांफेड, नेफेड आदि के हजारों कर्मचारी थे, उनकी छंटनी क्यों कर दी गई ? इस बारे में माननीय वित्त मंत्री जी कह रहे हैं कि वे प्रोफिट में नहीं थी। मैं इनको बताना चाहता हूं कि सरकार का सोशल वैलफेयर का काम नो प्रोफिट नो लौस पर नहीं चला करता बल्कि इससे हटकर लोगों को सुविधाएं देना होता है और अधिक से अधिक लोगों को रोजगार देना होता है।

अध्यक्ष महोदय, अब मैं स्वास्थ्य के बारे में कहना चाहता हूं। अब आप नरवाना के अस्पताल को ही देख लें। यह हल्का स्वयं मुख्यमंत्री जी का है। वहां के सिविल अस्पताल की हालत ऐसी है कि कोई भी आदमी अपने इलाज के लिए नहीं जा सकता। बेशक इस बात के लिए आप 5 आदमियों की एक टीम बना कर वहां पर भेज दें। वहां पर 5 रुपये पर्ची के तो लोगों से ले लिए जाते हैं लेकिन दवाई दो रुपये की दी जाती है। यह दवाई भी केवल एक कम्पनी से ही खरीदी जा रही है। सरकार बताए कि किस एक कम्पनी से यह दवाई खरीदी जा रही है ? अब मैं चुनाव की बात करना चाहता हूं।

श्री अध्यक्ष : आप चुनाव पर चर्चा न करें। यह गवर्नर महोदय का अभिभाषण है, उस पर आप चर्चा करें।

चौ० जय प्रकाश : अध्यक्ष महोदय, हरियाणा सरकार सरकारी पैसे को अन्धाधुंध खर्च कर रही है। इस सरकार ने अपने वोटों के विस्तार के लिए सैंकड़ों-करोड़ों रुपया उत्तर प्रदेश में खर्च किया है। * * * *

श्री अध्यक्ष : इनके यह शब्द रिकार्ड न किए जायें।

चौ० जय प्रकाश : स्पीकर साहब, * * * * * * * * *

श्री अध्यक्ष : इनके ये शब्द रिकार्ड न किए जायें।

चौ० जय प्रकाश : अध्यक्ष महोदय, आज हरियाणा प्रदेश में अफरा तफरी मची हुई है। अगर अफरा तफरी न मची हुई होती तो फिर गनमैनों की क्या जरूरत होती ?

श्री अभय सिंह चौटाला : सबसे पहले तो आप गनमैन मांगते हैं। (विघ्न)

चौ० जय प्रकाश : स्पीकर सर, मैंने एच०पी०एस०सी० की बात कही है किसी आदमी का नाम नहीं लिया है (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, जहां तक हरियाणा प्रदेश के वित्तीय संसाधनों की बात है, प्रो० सम्पत सिंह जी बार-बार यह कहते हैं कि हरियाणा प्रदेश का खजाना लबालब भरा हुआ

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

है। यह इनकी राजनीतिक स्पीच है, राजनीतिक भाषा है। मैं आपके माध्यम से एक छोटा सा इन्सटान्स यहां पर देना चाहता हूं। अध्यक्ष महोदय, विधान सभा के जो सदस्य हैं उनको पिछले चार महीने से उनका टी०ए० नहीं मिला है। मैं जब भी इसके लिए जाता हूं तो वे यह कहते हैं कि हमारे पास पैसा नहीं है, हमारे पास बजट नहीं आया है अगर एम०एल०एज० के लिए ऐसा है तो ये किसान को क्या देंगे ? (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : किसी भी मैम्बर का पिछले महीने का कोई टी०ए० बकाया नहीं है।

चौ० जय प्रकाश : स्पीकर सर, मेरा बकाया है और मैं यहां पर सदन में यह बात कह रहा हूं (विघ्न) क्या सरकार के खजाने में पैसा नहीं है ? (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : आपका पूरा पैसा आपको आज ही तुरन्त मिल जाएगा (विघ्न) जय प्रकाश जी, अब आप बैठिये। (विघ्न) इस तरह के मामले विधान सभा में डिस्कस नहीं करते हैं आपको वह समय भी याद होगा जब आप जेल में रहे थे। (विघ्न)

चौ० जय प्रकाश : अध्यक्ष महोदय, ये कह रहे हैं कि खजाना लबालब भरा हुआ है। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, एम०एल०एज० और एम०पीज० को डिवैल्पमैंट ग्रान्ट मिलती थी। हमारे पड़ौसी प्रदेश में कांग्रेस पार्टी की गवर्नमैंट है और वहां पर डिवैल्पमैंट ग्रान्ट मिल रही है। (विघ्न) आप मुझ से यह कहलवाना चाहते हैं कि यह ग्रान्ट चौधरी बंसी लाल जी ने आ कर बन्द कर दी थी। मैं इस बात को अच्छा नहीं मानता। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : आप खुद भी तो चौधरी बंसी लाल जी के साथ थे।

चौ० जय प्रकाश : मैं उस जगह बैठता था जिसकी दहलीज पर आप आज तक नहीं पहुंचे हैं। मैं तो लोक सभा में सदस्य था (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं और इसमें मैं आपका योगदान भी लेना चाहूंगा कि एम०एल०एज० को डिवैल्पमैंट ग्रान्ट जरूर दी जाए क्योंकि आगे तो आपकी सरकार नहीं आएगी लेकिन लोग यह तो कह देंगे कि यह काम आपने अच्छा किया है। पिछली सरकार के समय में एम०एल०एज० को डिवैल्पमैंट ग्रान्ट दी जाती थी, यह कोई बुरी बात नहीं है। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : जय प्रकाश जी, आप काफी समय बोल चुके हैं और अब आपका समय समाप्त हो गया है इसलिए अब आप अपनी सीट पर बैठें। (विघ्न) अब राव नरेन्द्र सिंह जी बोलेंगे। (विघ्न)

चौ० जय प्रकाश : अध्यक्ष महोदय, * * * * * * * * * *

श्री अध्यक्ष : बरवाला साहब, आप बैठें (विघ्न) इनकी कोई भी बात रिकार्ड न की जाए। (विघ्न) नरेन्द्र सिंह जी, आप बोलें। (विघ्न)

राव नरेन्द्र सिंह (अटेली) : अध्यक्ष महोदय, महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलने के लिए आपने मुझे समय दिया इसके लिए मैं आपका आभार व्यक्त करता हूं तथा महामहिम राज्यपाल महोदय ने जो अभिभाषण पढ़ा है मैं उसके विरोध में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। अध्यक्ष महोदय, आप जानते हैं कि फरवरी, 2000 के चुनावों में इनेलो-बी०जे०पी० गठबन्धन करके हरियाणा के लोगों के सामने गए और लोगों से सरकार बनाने के लिए वोट मांगे। जनता ने इनको

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

[राव नरेन्द्र सिंह]

मौका दिया क्योंकि जनता ने सोचा कि ये लोग विपक्ष में रहकर के जो जनता की वाह वाही लूटने की कोशिश करते हैं तो क्यों नहीं इन लोगों की सरकार बनाकर देखी जाए ताकि पता लग जाए कि ये किस तरह का काम करते हैं। मैं समझता हूं कि मार्च, 2000 में इस सरकार का राज्यपाल महोदय का पहला अभिभाषण था उसमें स्पष्ट शब्दों में लिखा हुआ था कि यह सरकार लोगों की आशाओं और भावनाओं के अनुरूप काम करेगी। लेकिन स्पीकर सर, बहुत ही अफसोस की बात है कि इस सरकार को बने हुए चार साल हो गए हैं लेकिन यह सरकार लोगों की आशाओं और भावनाओं के विपरीत काम कर रही है। स्पीकर सर, आप भी जानते हैं हरियाणा प्रदेश कृषि प्रधान प्रदेश है और यहां के लोगों का व्यवसाय मुख्य रूप से खेती का है। आप यह जानते हैं कि किसानों को खेती करने के लिए सबसे पहले पानी की जरूरत पड़ती है। उस पानी के लिए मैं समझता हूं कि हरियाणा के अन्दर जो पानी का वितरण असमान रूप से किया गया है वह किसान के लिए बहुत ही चिन्तनीय विषय है। इसलिए ही हमारी तरफ से समय-समय पर अधिवेशनों में पानी के समान बंटवारे के बारे में ध्यानाकर्षण प्रस्ताव और एडजर्नमैंट मोशन के माध्यम से निवेदन किया गया है। मैं समझता हूं कि सरकार ने यह सोच रखा है कि वह पानी के समान बंटवारे के लिए कोई भी कदम नहीं उठाएगी। किसानों के लिए एस०वाई०एल० का पानी बहुत ही जरूरी है। पिछले दिनों मैंने एक खबर पढ़ी थी कि सरकार कोई अन्य ट्रिब्यूनल इराडी ट्रिब्यूनल के स्थान पर बनाना चाहती है। मेरा आपसे निवेदन है कि इराडी ट्रिब्यूनल ने जो काम किया था और जो फैसला किया गया था उसी के आधार पर तथा सुप्रीमकोर्ट ने जो फैसला दिया है उसको मद्देनजर रखते हुए जो मौजूदा सरकार केन्द्र में है और जिसमें हरियाणा सरकार अपना महत्वपूर्ण हिस्सा रखती है, पर अपना दबाव डाले और यह काम करवाएं। अध्यक्ष महोदय, केन्द्र की सरकार के साथ रहने के बावजूद यह मौजूदा सरकार एस०वाई०एल० के मामले में उन पर कोई दबाव नहीं डाल पाई इसलिए उसका जो फायदा हरियाणा की जनता को मिलना चाहिए था वह नहीं मिल पाया है। राज्यपाल महोदय, के अभिभाषण में जिक्र किया गया है कि हम एस०वाई०एल० के मामले में ऐसे स्थान पर पहुंचे हैं जहां पर आज तक नहीं पहुंचे थे। लेकिन मैं समझता हूं कि मौजूदा सरकार को इस बारे में केन्द्र सरकार पर दबाव डालना चाहिए।

अध्यक्ष महोदय, महेन्द्रगढ़ का क्षेत्र राजस्थान के बोर्डर पर है। वहां जो अन्तिम छोर के स्थान हैं चाहे वह नांगलचौधरी का है, निजामपुर का है, चाहे गोद बलाना का है, उन छोरों तक पानी पहुंचाने के लिए अभी भी सरकार की तरफ से कोई भी गम्भीर प्रयास नहीं किए गए हैं। मेरा आपके माध्यम से सरकार से निवेदन है कि सरकार ने जो वायदे किए हैं वह उन वायदों को पूरा करें और पानी को आखिरी छोर तक पहुंचाने का काम करें। स्पीकर सर, महेन्द्रगढ़ के अन्दर दोहान पच्चीसी का एक क्षेत्र है वहां के 25 गांवों ने पिछले विधान सभा के चुनावों का इस बात पर बहिष्कार किया था कि जिस प्रदेश के अन्दर वे 50 सालों से वोट डालते आ रहे हैं अगर वहां पर उनको पीने का पानी न मिले तो वे वोट क्यों डालें ? स्पीकर सर, खेतों में पानी डालने के लिए पानी मिलने की बात तो बहुत ही दूर की है। वे चाहते थे कि उनके यहां पर सरकार की तरफ से पानी की व्यवस्था हो। इसके अलावा जो हमारे अन्तिम छोर हैं, जहां का हमारा वाटर लैवल इतने नीचे तक जा चुका है जिसकी हम कल्पना भी नहीं कर सकते हैं। स्पीकर सर, लोगों ने 1500 फुट नीचे तक ट्यूबवैल बोर करवाए लेकिन उनको पानी नहीं मिला। ऐसी गम्भीर स्थिति वहां के किसानों के सामने है। मेरा

आपके माध्यम से इस सरकार से निवेदन है कि यह सरकार जो अपने आपको किसानों की सरकार कहती है तो वह सबसे बड़ी जो आज पानी की समस्या है, उस पर ध्यान दे ताकि किसानों को पानी मिले। अगर किसान को पानी मिलेगा तो वह खेती की तरफ ध्यान दे सकेगा। अध्यक्ष महोदय, किसानों के लिए जितना महत्वपूर्ण पानी है उतनी ही बिजली भी महत्वपूर्ण है। राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में जिक्र किया गया है कि सरकार ने 500 करोड़ रुपये बिजली पर निवेश करके नए स्टेशन स्थापित किए हैं। लेकिन हकीकत के अन्दर जहां पर यह सरकार 24 घंटे बिजली देने की बात करती है तो मैं आपको प्रैक्टिकली बताना चाहूंगा कि अगर यह सरकार फील्ड से वास्तविक रिपोर्ट मंगवाएं तो हरियाणा के किसानों को 6-6 घंटे से ज्यादा बिजली नहीं मिल रही है। दूसरे स्पीकर सर, सरकार ने ट्यूबवैल्ज कनैक्शन देने की एक तत्काल स्कीम बनाई थी। मुझे बहुत ही अफसोस के साथ कहना पड़ता है कि किसानों ने करोड़ों रुपये उस तत्काल स्कीम के तहत जमा करवाए हैं लेकिन उनको यह कनैक्शन नहीं मिले हैं जबकि आपको भी मालूम है कि हरियाणा का किसान निजी आधार पर बहुत ही गरीब है और उसने कर्जा लेकर पैसा जमा करवाया है। सरकार के पास करोड़ों रुपये जमा हैं लेकिन किसान को न तो कोई कनैक्शन मिला है और न ही उसके पैसे का उचित दर पर ब्याज मिला है। आज उस पैसे को जमा करवाए हुए लोगों को साल हो गया लेकिन उनको अभी तक कनैक्शन नहीं मिला है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से निवेदन करना चाहूंगा कि किसानों का जो पैसा सरकार के पास जमा है उस पर उनको ब्याज मिलना चाहिए और उनको ट्यूबवैल्ज के कनैक्शन मिलने चाहिए। . . . .

Mr. Speaker : Now, the House, is adjourned till 2.00 P.M. today.

(The Sabha then *adjourned till 2.00 P.M. on, Tuesday the *13.30 hrs. 10th* March, 2004.)

37914—H.V.S.—H.G.P., Chd.